



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ७] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 19, 1977 (कातिक 28, 1899)

No 7] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 19, 1977 (KARTIKA 28, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्ता दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अक्टूबर 1977

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०-III (1)---इस कार्यालय की समस्त्रयक अधिसूचना दिनांक 17-9-77 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा मर्याद के स्थायी महायक श्री पी० एस० मवर्खान को, राष्ट्रपति द्वारा 16-10-77 से 30-11-77 तक की शतिरिकत अवधि के लिये, श्रवका आगामी आवेदनों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०-III (2)---संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा मर्याद के स्थायी महायक श्री आई० जे० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 18-10-77 से 2-12-77 तक 46 दिन की अवधि के लिये, श्रवका आगामी आवेदनों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी,

अव० सचिव

शासन प्रभारी

संघ लोक सेवा आयोग

(5187)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर 1977

म० 2/33/77-प्रशा०-केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद्द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के एक स्थायी सहायक श्री एस० पाल को 26 सितम्बर, 1977 की पूर्वान्ति में श्रान्ति तक अपनी निजी सचिव नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 अक्टूबर 1977

म० 7 शा० मी० टी० 22---केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद्वारा केन्द्रीय लोक नियमण विभाग के सहायक अभियंता, श्री एच० प० हिंगोरानी को 19 अक्टूबर, 1977 की पूर्वान्ति में श्रान्ति तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षण नियुक्त करते हैं।

श्रीनिवास,

अव० सचिव

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह सचान्त्र

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

सं. ए०-19036/7/77-प्रशा०-5-निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, मद्रास राज्य पुलिस के पुलिस निरीक्षक श्री डी० एस० विल्केनगडथम् को दिनांक 22-9-77 के पूर्वाह्न से आगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उप-श्रद्धीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए० 32014/1/77-प्रशा०-1-निदेशक, नेय शन ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो के पुलिस निरीक्षक श्री डी० एस० शर्मा जो शाजकल भारतीय सीमेट निगम लिं. विल्स में सतर्कता अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर है, दिनांक 4-7-77 से आगले आदेश तक के लिये विल्स विशेष पुलिस स्थापना, केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो में आस्थाही रूप से पुलिस उप-श्रद्धीक्षक के पद पर प्रोफार्मा प्रोफेशन लिं. करते हैं।

भूदेव पाल, प्रशासन अधिकारी (१०)
केन्द्रीय ग्रन्थेषण अधिकारी

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं. 31014/2/76-प्रशा०-1-केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियक्ति तथा अपील) नियमावली, 1965 के नियम १(२) के १ प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, तमिलनाडु से पुलिस में प्रतिनियुक्त निम्नलिखित अधिकारी को दिनांक 30-10-77 (पूर्वाह्न) से विशेष पुलिस स्थापना/केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो में स्थ ममाइति पर मूल रूप से, पुलिस उप-श्रद्धीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पद स्थापन का वर्तमान स्थान	राज्य जिम्से प्रतिनियुक्ति पर है	के० ए० ब्यूरो की शास्त्र जहा पुलिस उप-श्रद्धीक्षक के स्थान पर पुनर्गहणाधिकार रखा गया।
1	2	3	4	5

1. श्री के० ए० राजागोपालन, पुलिस अधीक्षक आ० ए० स्कृध, मद्रास तमिलनाडु सामान्य अपराध स्कृध मद्रास

राजेन्द्र प्रकाश गुप्ता, प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 अक्टूबर 1977

सं. पी० 7-9/76-स्थापना—राष्ट्रपति निम्नलिखित चिकित्सा अधिकारियों, जी० डी० ए० मेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ए० मेड-I (सहायक कमांडेन्ट) के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

इन अधिकारियों के पद स्थापना स्थान और उनके पद छोड़ने तथा पद ग्रहण करने की तिथिया उनके नामों के मामने दी गई है:—

क्रम सं०	नाम	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार समाप्त करने की तिथि	पद ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	डॉक्टर पुरुषोन्नम पाडा	जी० डी० ए० मेड-II मुप सेटर इम्फाल	30-8-77 पूर्वाह्न	जी० डी० ए० मेड-I मुप सेटर मोकामाघाट।	2-9-77 पूर्वाह्न
2.	डॉक्टर, देवेन्द्रनाथ कर	जी० डी० ए० मेड-II मुप सेटर नीमच	31-8-77 श्रपराह्न	जी० डी० ए० मेड-I मुप सेटर गाधीनगर	5-9-77 पूर्वाह्न

1	2	3	4	5	6
3. डॉक्टर डी० के० राय		जी० डी० श्री० ग्रेड-II 56 बटालियन	30-8-77	जी० डी० श्री० ग्रेड-I ग्रुप अपराह्न	31-8-77 पूर्वाह्न
4. „ शार० के० प्रधान		जी० डी० श्री० ग्रेड-II 23 बटालियन	2-9-77	जी० डी० श्री० ग्रेड-I ग्रुप अपराह्न	7-9-77 पूर्वाह्न
5. „ कुलोमनि महापात्रा		जी० डी० श्री० ग्रेड-II 52 बटालियन	12-9-77	जी० डी० श्री० ग्रेड-I ग्रुप अपराह्न	12-9-77 पूर्वाह्न
6. „ बन्वानिधि आचार्य		जी० डी० श्री० ग्रेड-II हास्पिटल-2 हैदराबाद	9-9-77	जी० डी० श्री० ग्रेड-I बेस अपराह्न	9-9-77 हास्पिटल-2 हैदराबाद अपराह्न
7. „ बी० सी० साहू		जी० डी० श्री० ग्रेड-II श्राई० एस० ए० माऊट आबू	15-9-77	जी० डी० श्री० ग्रेड-I ग्रुप अपराह्न	18-9-77 सेटर अवादी अपराह्न
8. „ ए० के० दाम		जी० डी० श्री० ग्रेड-II 17 बटालियन	24-9-77	जी० डी० श्री० ग्रेड-I ग्रुप अपराह्न	6-10-77 सेटर रामपुर पूर्वाह्न

दिनांक 28 अक्टूबर 1977

स० श्री० ग्रो०-II-1057/77-स्था०-1—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कोमलाकर सोमकुवार, बेस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिम दल नई दिल्ली का त्यागपत्र दिनांक 30-9-1977 अपराह्न में स्वीकृत कर लिया।

दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० श्री०-दो० 307/69-स्था०—राष्ट्रपति स्वर्गीय श्री० डी० बी० नद्दराजन, सहायक कमांडेट को उप-पुलिम अधीक्षक के पद पर के० रिं पु० दल में मौलिक रूप में 17-9-1977 में नियुक्त करते हैं।

स० श्री०-दो० 596/69-स्था०—राष्ट्रपति स्वर्गीय श्री राजेन्द्र मिह, सहायक कमांडेट को उप-पुलिम अधीक्षक के पद पर के० रिं पु० दल में मौलिक रूप में 31-7-1977 में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 नवम्बर 1977

स० श्री०-II-1032/75-स्था०—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिम दल ने डॉक्टर श्रीमती ज्योतिसनाभाई नाथक की, 10-10-1977 के पूर्वाह्न में केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो उम तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिम दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्वानिधि आचार्य, सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय श्रीदीपिक सुरक्षा बल

महानिरीक्षक का कार्यालय

स० ई० 38013 (3)/27/75-कार्मिक—कोचीन में स्थानात्मक होने पर, श्री शार० जी० थम्पी ने 12 सितम्बर 1977 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट श्राई० एस० शार० श्री० पुम्बा के गढ़ायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० ई० 38013 (3)/27/75-कार्मिक—हैदराबाद से स्थानात्मक होने पर, श्री के० ए० पुन्नुम ने 22 सितम्बर 1977 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट श्राई० एस० शार० श्री० धुम्बा के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार सभाल लिया।

स० ई०-38013 (3)/27/75-कार्मिक—हैदराबाद में स्थानात्मक होने पर, श्री सी० रामास्वामी ने 10 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट कोचीन पोर्ट द्रस्ट, कोचीन के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० ई०-16013 (1)/1/77-कार्मिक—उप महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त होने पर, श्री एच० सी० जाटव, भारतीय पुलिम सेवा (संघ शासित क्षेत्र 1959) ने 13 सितम्बर 1977 के शप-राह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एफ० सी० श्राई० नया नागल के कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० ई०-16013 (1)/1/77-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एच० सी० जाटव, भारतीय पुलिम सेवा (संघ शासित क्षेत्र 1959) दो 26 सितम्बर 1977 के पूर्वाह्न में के० श्री० सु० ब० यूनिट दुर्गापुर इस्पात संयंत्र दुर्गापुर का उप महानिरीक्षक नियुक्त करते हैं।

स० ई०-38013 (3)/9/77-कार्मिक—हैदराबाद से स्थानात्मक होने पर, श्री शार० एस० दाम, ने 23 सितम्बर 1977 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट दुर्गापुर इस्पात संयंत्र दुर्गापुर में सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार सभाल लिया।

स० ई०-38013 (3)/13/77-कार्मिक—कानपुर में स्थानात्मक होने पर, श्री श्री० पी० भसीन सहायक कमांडेट, के० श्री० सु० ब० यूनिट, श्राई० पी० सी० एल० बड़ौदा ने 9 सितम्बर 1977 के अपराह्न से कोचीन में सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० ई०-38013 (3)/13/77-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानात्मक होने पर, श्री एस० के० वैनर्जी ने 21 सितम्बर 1977 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट बी० सी० एल० झिरिया में सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार सभाल लिया।

सं० ई०-38013 (3)/13/77-कार्मिक—राज्यी में स्थानात्मित होने पर, श्री श्यामल राय ने 19 मितम्बर 1977 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० य० निः भारी इजीनियरी नियम लिमिटेड राज्यी के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होने 23 सितम्बर 1977 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० य० निः एच० एम० एल० स्टाक यार्ड कलकत्ता में उक्त पद का कार्यभार सभाल लिया।

ली० मि० बिष्ट, महानियोधक/
के० औ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० पी०/जेड० (1)-प्रशासा-१—श्री जे० एन० जुग्नी ने आते पुनियोजन की अवधि प्राप्त होने पर तारीख 19 अक्टूबर 1977 के प्राराह्न से जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में नियोजन, के पद का कार्यभार छोड़ा।

दिनांक 2 नवम्बर 1977

सं० 10/13/76-प्रशा-एक—राज्यपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री फूल मिह को श्री आर० सी० कथूरिया के तारीख 9 मितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से सहायक नियोजक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति में अन्वेषक के अपने नियमित पद पर प्रत्यावर्तित हो जाने के कारण उसी तारीख से अगले आदेश तक, उसी कार्यालय में अस्थाई तौर पर सहायक नियोजक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 10/13/76-प्रशा-एक—राज्यपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री एन० सी० सक्षेत्री को, श्री आर० बी० मिह के तारीख 26 मितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से महायक नियोजक, जनगणना कार्य तकनीकी के पद पर तदर्थ नियुक्ति में अन्वेषक के आने नियमित पद पर प्रत्यावर्तित हो जाने के कारण उसी तारीख से अगले आदेश तक, विहार में जनगणना कार्य नियोजक के कार्यालय में अस्थाई तौर पर सहायक नियोजक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय पटना में होगा।

सं० 10/13/76-प्रशा-एक—राज्यपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री डी० एन० महेश को, श्री आर० सी० भार्गव के तारीख 27 मितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से सहायक नियोजक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति में अन्वेषक के अपने नियमित पद पर प्रत्यावर्तित हो जाने के कारण उसी तारीख से अगले आदेश तक, राजस्थान में जनगणना कार्य नियोजक के कार्यालय में अस्थाई तौर पर सहायक नियोजक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय जगपुर में होगा।

बद्री नाथ,
भारत के उप महापंजीकार और
पदेन उप मन्त्रिव

वित्त शायोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1977

सं० एक० सी० 2(21)-ए०-७७—भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड IV अधिकारी श्री के० बी० एन० माधुर को, योजना शायोग से उन्हां तकाला होने पर पहली अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से श्रगा आदेश जरी होने तक 1100-1600 रुपए के बेतनमान में सातवें वित्त शायोग में वदस्य का निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

पंजाल लाल सकरवाल,
श्वर मन्त्रिव

महानेबाहार, आनन्द प्रदेश हैदराबाद का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

सं० ई० बी० १/८-३१२/७७-७८/३००—महानेबाहार, आनन्द देश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री डी० उमा मलेश्वर राव को महानेबाहार, आनन्द प्रदेश, हैदराबाद हारा बेतनमान रु 840-40-1000-ई० बी० 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 18-10-77 के प्राराह्न से जब तक आगे आवेश न दिए जाएं, प्रियुक्त नियोजन होता है। यह पदोन्नति उनमें वरिष्ठ सदस्यों के द्वारे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एम० आर० मुख्यर्जी
प्रदूर उप-महानेबाहार (प्रशासन)

महानेबाहार रा कार्यालय, कर्नाटक

बैगनूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

सं० स्थाना I/ए-४/७७-७८/५६८—महानेबाहार, इस कार्यालय को निम्ननिविन स्थायी अनुभाग अधिकारीयों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डालें, अगले आदेश जारी होने तक लेखा अधिकारी गद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से स्थानपन्न रूप में पदान्वित करते हैं।

श्री/श्रीमति

१. के० रामन् (2)
२. ए० सी० राममृति
३. जी० मोनाक्षी

एम० ए० सौन्दर राजन्
वरिष्ठ उपमहानेबाहार (प्रशासन)

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक डाक-नार

दिनांक-110054, दिनांक 23 अक्टूबर, 1977

का० आदें प्रशासन/५९९/२३(क) (2) अधिसूचनाएँ—डाक-नार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय, बगलौर के स्थायी लेखा परीक्षाधिकारी श्री एन० बेकटेश्वरन् निवर्तन पर दिनांक 30-९-७७ (ग्रपराह्न) से मेवा मुका हो गये हैं।

का० आदेश सं० प्रशासन/601(ए)/23(क) (2) अधि-
सूचना—पुख्य लेखा परीक्षा ने डाक-नार लेखा परीक्षक कार्यालय
कलकत्ता के अनुभाग अधिकारी श्री टी० ओ० के० दत की स्थाना-
पन्न लेखा परीक्षाधिकारी के रूप में पदोन्नति अपने श्रगले आदेशों
तक कर दी है।

उन की पदोन्नति तर्थं आवार पर है और परिणोधन अधीन है।

लक्ष्मी चन्द्र पाट्टी,
उप मुख्य लेखा परीक्षक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं महकारिता मन्त्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-नियन्त्रित का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1977

आदेश

सं० जे-5/एम एम आई/एम आई-22/ए. एम-77/हैदराबा०—
मर्श्शी ज्योति फार्मेसी, 3-7 गाम मन्दिर मार्ग, कुकपल्ली, हैदराबाद
की 65,587/रुपा० (पेसठ हजार पाँच सौ सतासी रुपा० मात्र) के लिए आयात लाइसेंस सं० पी०/एम/1824753/सी/एक्स एक्स/61/डब्ल्यू/43-44, छिनाक 3-12-1976 प्रदान किया गया था।
अब उन्होंने उक्त लाइसेंस को मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रति की अनु-
नियिप्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है जो कि उपयोग में लाए बिना ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

2. आवेदक ने अपने तर्क के समर्थन में आयात व्यापार नियन्त्रण
नियम एवं क्रियाविधि पुस्तक 1977-78 की परिशिष्ट 8 के साथ
पढ़ी जाने वाली कडिका 320 के अन्तर्गत स्टाम्प कागज पर एक
शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं भतुएँ हूँ कि मूल मुद्रा विनिमय
नियन्त्रण प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

3. अद्यतन तथा मशोधित, आयात (नियन्त्रण) आदेश
1955, दिनांक 7-12-1955 को धारा 9 (सीमी) के अन्तर्गत
प्रदत्त अधिकारी ना प्रयोग कर मैं आयात लाइसेंस सं० पी०/एम/
1824753/सी/एक्सएक्स/61/डब्ल्यू/43-44, दिनांक 3-12-1976
की मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

4. अब आयात व्यापार नियन्त्रण नियम एवं क्रियाविधि पुस्तक
1977-78 की कडिका 320 के अन्तर्गत आवेदक को उक्त
लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रति की अनुनियिप्रति जारी करने
के लिए मामले पर विचार किया जाएगा।

सं० एम-28/एम एम आई/एम आई-22/ए. एम-77/हैदराबा०—
मर्श्शी सज्जन फार्मेसी, 4-66/2, महात्मा गांधी मार्ग, कुकपल्ली,
हैदराबाद आराध प्रदेश को 69,125/(उत्तरहजार हजार एक सौ
पच्चीस रुपा० मात्र) के लिए आयात लाइसेंस सं० पी०/एम/
1824751/सी/एक्सएक्स/61/डब्ल्यू/43-44 दिनांक 3-12-1976
प्रदान किया गया था। उन्होंने अब उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय
नियन्त्रण प्रति की अनुनियिप्रति जारी करने के लिए आवेदन किया
है जो कि उपयोग में लाए बिना ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

2. आवेदक ने अपने तर्क के समर्थन में आयात व्यापार नियन्त्रण
नियम एवं क्रियाविधि पुस्तक 1977-78 की परिशिष्ट 8 के साथ
पढ़ी जानी वाली कडिका 320 के अन्तर्गत स्टाम्प कागज पर एक
शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं सन्तुष्ट हूँ कि मूल विनिमय नियन्त्रण
प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

3. अद्यतन यथा मशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश
1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सीमी) के अन्तर्गत
प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग कर मैं आयात लाइसेंस सं० पी०/एम/
1824751 / सी / एक्स एक्स / 61 / डब्ल्यू / 43-44, दिनांक
3-12-1976 की मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रति को रद्द करने का
आदेश देता हूँ।

4. आयात व्यापार नियन्त्रण नियम एवं क्रियाविधि पुस्तक
1977-78 की कडिका 320 के अन्तर्गत आवेदक को उक्त
लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रति की अनुनियिप्रति जारी
करने के मामले में पर विचार किया जाएगा।

के० वी० शर्मा,
उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-नियन्त्रित

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1977

सं० प्र०-6/57(8) भाग-IX—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, के निरीक्षण स्कंध के निम्ननिर्वित अधिकारियों को
उनके नाम के मामले दी गई तारीख से महायक निरीक्षण अधिकारी (ईजी०) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करने हैं—

क्र० सं० अधिकारी का नाम	वर्तमान पद	स्थायी पद जिम पर स्थायी रूप से नियुक्त हुए	स्थायी नियुक्ति अभ्युक्तिया की तारीख		
1	2	3	4	5	6

संवैश्वी

1. ए० सी० होम
महायक निरी० अधिि०

सेवा मुक्त

(निरी० महा० निरी० अधिि० 1-9-64 श्री ए० के० मडन स्थायी
(ईजी०) महायक निरी० पर जो
उप० निरी० (ए० स० ए० आई० ओ० के०
पद पर स्थायी हुए।

1	2	3	4	5	6
2. डी० गोपाल चरनू	.	निं० अधिं० (इंजी०) सेवा मुक्त	(निरी० महा० निरी०) अधिं० (इंजी०)	1-9-64	श्री के० के० दास के स्थान पर जो निरी० अधिं० के रूप में स्थायी हुए।
3. आर० सी० सहगल	.	निं० अधिं० (इंजी०)	वही	16-11-64	श्री एम० वी० गुप्त के स्थान पर जो महा० निरी० अधिं० (इंजी०) के पद पर थे और महा० निरी० (धातु) के पद पर स्थायी हुए।
4. पी० सी० घोष	.	निरी० अधिं० (इंजी०) सेवा मुक्त	वही	1-3-65	श्री एन० के० आहूजा के स्थान पर जो रेल मतालय में स्थायी हुए।
5. रोशन लाल	.	निरी० अधिं० (इंजी०)	वही	1-3-65	श्री जे० डब्ल्यू० रस्टन के स्थान पर जो रेल मतालय में स्थायी हुए।
6. एम० के० मुंगी	.	महा० निरी० (इंजी०)	वही	12-3-65	श्री आर० एन० गुप्ता के स्थान पर जो निं० अधिं० के पद पर स्थायी हुए।
7. एम० वासु	.	महा० निरी० अधिं० (इंजी०)	वही	24-5-66	श्री जी० आर० मजूमदार सेवा निवृत्त के स्थान पर।
8. एस० आर० चक्रवर्ती	.	निरी० अधिं० (इंजी०) सेवा मुक्त	वही	1-11-66	श्री पी० के० मैत्र सेवा निवृत्त के स्थान पर।
9. एम० आर० बासु	.	महा० निरी० अधिं० (इंजी०) सेवा मुक्त	वही	21-12-66	श्री भनोहर सिंह (स्वर्ग-बास के स्थान पर।
10. एम० के० मुखर्जी	.	वही	वही	1-1-67	श्री पी० आर० मोक्षदावाला (सेवा निवृत्त स्थान पर।
11. डी० एन० पटित	.	निरी० अधिं० (इंजी०)	महा० निरी० अधिं० (इंजी०)	1-6-67	श्री ए० मी० दत्त सेवा निवृत्त के स्थान पर।
12. डी० बी० चौधुरी (सेवा निवृत्त)	.	निरी० अधिं० (सेवा निवृत्त)	वही	10-8-67	श्री एम० ए० परदानानी (सेवा निवृत्त के स्थान पर।
13. एम० के० सरकार	.	निरी० अधिं०	वही	3-11-67	श्री० एच० ए० रोभर (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
14. के० एस० टम्बर	.	महा० निरी० अधिं० (इंजी०)	वही	18-11-67	श्री एस० ए० ईरानी (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।

1	2	3	4	5	6
सर्वश्री					
15.	एन० बी० राव (एम० सी०)	महा० निरी० अधि० महा० निरी० अधि० (इंजी०)	(इंजी०)	1-1-68	श्री पी० सी० भट्टाचार्जी सेवा निवृत्त के स्थान पर।
16.	एस० एन० राय (सेवा निवृत्त)	महा० निरी० अधि० (सेवा निवृत्त)	वही	1-2-68	श्री एस० बोस (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
17.	टी० एन० श्रीबद्रेजा	निरी० अधि० (इंजी०)	वही	3-4-68	श्री बी० एम० आर० रो० (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
18.	एच० के० धोप (सेवा निवृत्त)	महा० निरी० अधि० (सेवा निवृत्त)	वही	15-4-68	श्री आर० एम० तालकोट (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
19.	श्रीजय कुमार बोम	निरी० अधि० (इंजी०)	वही	1-6-68	श्री एम० एम० सेनगुप्ता (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
20.	जे० एम० पामी	वही	वही	18-6-68	श्री जी० एम० माही (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
21.	ए० टी० जनानी सेवा निवृत्त	वही (सेवा निवृत्त)	वही	10-7-68	श्री राधा किशन (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
22.	ए० चक्रवर्ती॑	सहा० नि० अधि०	वही	14-1-69	श्री आर० एम० एम० कडल (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
23.	एम० पी० चटर्जी॑	निरी० अधि० (इंजी०)	वही	1-5-69	श्री एम० डी० जोसेज (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
24.	आर० एन० राय सेवा निवृत्त	सहा० नि० अधि० (सेवा निवृत्त)	वही	24-8-69	श्री जे० लाल दास गुप्ता (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
25.	आर० जे० बजीरानी सेवा निवृत्त	निरी० अधि० (इंजी०) (सेवा निवृत्त)	वही	11-9-69	श्री बी० एम० करणाधीकार (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
26.	जोगिन्द्र लाल	निरी० अधिकारी	वही॑	13-9-69	श्री एस० सी० परांगे (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
27.	के० एन० गांगुली	निरी० अधि० (सेवा निवृत्त)	वही॑	23-12-68	अस्थायी पद स्थायी बनाना गया।
28.	यू० आर० मजूमदार (एस० सी०)	महा० निरी० अधि०	वही	23-12-69	वही
29.	एम० सी० सेनगुप्ता	वही	वही	वही	वही
30.	एन० पी० राव॑	वही (सेवा निवृत्त)	वही	वही	वही
31.	ए० के० सूर	निरी० अधि० (इंजी०)	महा० निरी० अधि० (इंजी०)	23-12-69	अस्थायी स्थानान्तरण स्थायी किया गया।

1	2	3	4	5	6
		मर्वे श्री			
32.	विभूति राय	सहा० नि० अधिं० (सेवा निवृत्त)	सहा० निरी० अधिं० (इंजी०)	23-12-69	ग्रस्थायो स्थानान्तरण स्थायी किया गया ।
33.	एम० बी० अम्बे	सहा० निरी० अधिं०	वही	वही	वही
34.	टी० आर० रामास्वामी	वही	वही	वही	वही
35.	डी० एन० राय	सहा० नि० अधिं० (सेवा निवृत्त)	वही	वही	वही
36.	ए० के० घोष	सहा० नि० अधिं०	वही	वही	वही
37.	एस० के० बासु	वही	वही	वही	वही
38.	टी० के० मुखर्जी	निरी० अधिं० (इंजी०)	वही	वही	वही
39.	आर० पी० मंडल	सहा० नि० अधिं०		वही	वही
40.	एम० एस० नाथक	वही	वही	वही	वही
41.	एस० पी० गुप्ता	वही	वही	वही	वही
42.	के० एम० कृष्णार्थार्ति (सेवा निवृत्त)	सहा० नि० अधिं० (सेवा निवृत्त)	वही।	वही	वही
43.	के० सुश्रामणी	सहा० नि० अधिं०	वही।	वही	वही
44.	पी० टी० कृष्णामचार	वही	वही।	1-1-70	श्री एम० एन० मखर्जी (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
45.	एस० बी० भट्टे	सहा० नि० अधिं० (इंजी०)	वही	2-1-70	श्री एमलोक सिंह (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
46.	बी० बी० दास (एस० बी०) निरी० अधिं० (इंजी०)		वही	19-2-70	श्री आर० के० अग्रवाल (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
47.	ई० उमरजसी	सहा० नि० अधिं० (इंजी०)	वही।	2-4-70	श्री बी० आर० कंथ (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
48.	मतोरंजन गुहा।	वही॥	वही।	7-4-70	श्री बो० बी० पलेकर (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
49.	आर० के० सरकार	वही।	वही	1-5-70	श्री एस० नाग (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
50.	जी० बी० राव।	वही।	वही	1-6-70	श्री आर० एम० गतपुरे (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
51.	पी० गजापथी राज	वही।	वही।	1-6-70	श्री एम० बी० दत्ता (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
52.	अवतार सिंह।	वही।	वही।	1-9-70	श्री आर० एन० राय क्र० सं० 2 (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।

1	2	3	4	5	6
सर्वे श्री					
53.	एस० एस० पुरी	वही	सहा० निं० अधिं० (इंजी०)	सहा० निं० अधिं० (इंजी०)	24-10-70 श्री सी० एम० राव (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।
54.	देवासिस बटर्जी	वही	वही	10-12-70 श्री वी० एस० (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
55.	एस० पी० गुप्ता	वही	वही	1-1-71 श्री के० के० कुमार (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
56.	ए० एफ० पुरुषोत्तम चंद्र	वही (सेवा निवृत्त)	वही	17-1-71 श्री एस० एस० ठाकुर (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
57.	चरणजीत सिंह	वही	वही	18-2-71 श्री एन० एन० राय (सेवा निवृत्त क्र० स० 16) के स्थान पर।	
58.	जे० के० गुप्ता	वही	वही	1-5-71 श्री जे० एन० बिज्जा (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
59.	एच० एन० धोष	वही	वही	11-7-71 श्री वी० टी० गुलरजानी (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
60.	श्री डॉ० आर० मेहरे (एस० सी०)	वही	वही	7-10-71 श्री ए० एन० बंसन (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
61.	डी० एस० औधुरी	वही	वही	1-1-72 श्री आर० डी० बैनर्जी (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
62.	ज्यातमय दत्ता (सेवा निवृत्त)]	वही (सेवा निवृत्त)	वही	3-1-72 श्री आर० एन० डिगरा (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
63.	एस० के० खानीनो	वही	वही	7-2-72 श्री वी० राय क्रम स० 33 (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
64.	एन० वी० श्रीनिवासाराव	वही (सेवा निवृत्त)	वही]	19-6-72 श्री ए० ए० मुमा- मणियन (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
65.	एन० एन० पटेल (सेवा निवृत्त)	वही (सेवा निवृत्त)	वही	1-9-72 श्री के० एम० दत्ता (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
66.	द्वार्म सिंह	वही	वही	2-9-72 श्री जे० के० काश्चरी (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	

1	2	3	4	5	6
सर्व श्री					
67. जी० एल० राजक (ए० सी०) सहा० नि० आफिं० (इंजी०) सहा० नि० लाफिं० (इंजी०)			20-9-72	श्री जी० एस० सरकार (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
68. एस० नागाराजन	वही	वही	14-10-72	श्री ए० एफ० प्रबोतमन् कम सं० 56 (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
69. आर० सी० शर्मा०	वही	वही	1-11-72	श्री बी० एल० भट्टाचार्य (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	
70. अरबारा सिंह० (एस० सी०)	वही	वही	1-11-72	श्री ई० एन० राय कम सं० 35 (सेवा निवृत्त) के स्थान पर।	

दिनांक 26 अक्टूबर

सं० प्र०-I/I (1070) — राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री बी० त्यागराजन को दिनांक 26 सितम्बर, 1977 के पूर्वान्त स्वीकार आगामी आदेशों के जारी होने तक सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा भूप-ए के श्रेणी III में के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री त्यागराजन ने भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड III में नियुक्ति पर पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 26 सितम्बर, 1977 के पूर्वान्त से सहायक निदेशक (ग्रेड I) (प्रशिक्षण आरक्षी) के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 28 अक्टूबर 1977

सं० प्र० I/I (1068) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एनद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अव्रर प्रगति अधिकारी श्री सुरजीत मिह० मार्गो को दिनांक 22-10-77 के पूर्वान्त से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थे आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री मार्गो की महायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर नियुक्ति पूर्णत प्रस्तावी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम० कुप्पुस्वं मी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 29 अक्टूबर 1977

सं० प्र० I/I (1072) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एनद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अव्रर थेव्र अधिकारी श्री हृकम मिह० को दिनांक 22-10-77 के पूर्वान्त से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर तदर्थे आधार पर स्थानापन्न नियुक्त करते हैं।

2. श्री हृकम सिंह की महायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर नियुक्ति पूर्णत प्रस्तावी और उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम०

कुप्पुस्वामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 31 अक्टूबर 1977

सं० प्र०-I/I (1054) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एनद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अव्रर प्रगति अधिकारी श्री देवराज को दिनांक 22 अक्टूबर, 1977 के पूर्वान्त से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थे आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री देवराज की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० प्र०-I/I (1066) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एनद्वारा श्री मधुसुदन राव को दिनांक 30 सितम्बर, 1977 के पूर्वान्त से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड II) (प्रशिक्षण आरक्षी) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन)
हो सहायक निदेशक, पूर्ति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1977

सं० 10/72/77-एस० तीन — महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एम० पंकरान को, दिनांक 28-9-77 से, दूरदर्शन केन्द्र, अमृतसर में, सहायक इंजीनियर के पद पर, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 10/119/77 एम० तीन — महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री पदमनाथ भारद्वाज को, दिनांक 13-6-77 से आकाशवाणी, शिमला के मानीटरी विभाग में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

विनांक 28 अक्टूबर 1977

सं० 10/60/77-एस०-३—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एन० नागराजन को दिनांक 8-९-७७ से उच्च शक्ति प्रेरित, आकाशवाणी, बम्बई में, सहायक इंजीनियर के पद पर, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह, प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 27 अक्टूबर 1977

सं० ६(४)/६२ एस० एक—श्री के० सी० वास, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, कलकत्ता निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर, सरकारी सेवा से 30 सितम्बर, 1977 (प्रपराह्न) से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ४(९)/७७-एस०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री चंद्रीन मेधी को आकाशवाणी गोहाटी में २४-९-७७ से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ४(२६)/७७-एस०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती भमता अहमद को, आकाशवाणी, दिल्ली में, ११-१०-१९७७ से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ४(५०)/७७-एस०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अशोक कुमार शर्मा को, आकाशवाणी, इन्दौर में १०-१०-१९७७ से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अक्टूबर 1977

सं० ४(३६)/७७-एस०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री शम्भु लाल कण्ठारा को आकाशवाणी, इलाहाबाद में १०-१०-१९७७ (प्रपराह्न) से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 नवम्बर, 1977

सं० ४(१४)/७७ एस०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री शम्भु लाल कण्ठारा को आकाशवाणी, इलाहाबाद में १०-१०-१९७७ (प्रपराह्न) से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ४(२९)/७७-एस०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री राजेन्द्र प्रसाद बोहरा को आकाशवाणी, जयपुर में ११-१०-१९७७ से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-२६, दिनांक 26 अक्टूबर 1977

सं० १७/१६/४९-सिव्वन्दी-१—श्री आर० सी० खना, स्थायी शाखा प्रबन्धक अवकाश पर छले जाने के कारण, फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री छ्वी० के० नायर, स्थायी सीनियर बुकर, और स्थानापन्न विक्रेता, फिल्म प्रभाग मद्रास, की दिनांक १७-१०-१९७७ के पूर्वाह्न से स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक के पद पर उसी दफ्तर मे नियुक्त किया है।

दिनांक 28 अक्टूबर 1977

सं० १७/५९/४९-सिव्वन्दी-१—श्री जी० के० छी० नाग, स्थायी शाखा प्रबन्धक, फिल्म प्रभाग लखनऊ अवकाश पर छले जाने के कारण, फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री आर० जी० शर्मा, स्थायी विक्रेता, फिल्म प्रभाग लखनऊ को दिनांक १७-१०-१९७७ के पूर्वाह्न से उसी दफ्तर में स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

सं० २/२/६३-सिव्वन्दी-१—श्री जे० आर० हूल्डर, स्थायी शाखा प्रबन्धक अवकाश पर छले जाने के कारण, फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री पी० छ्वी० राव स्थानापन्न विक्रेता को दिनांक १५-१०-१९७७ के पूर्वाह्न से स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक के पद पर उसी आफिस मे नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1977

सं० ए०-१२०२६/८/७७-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, इस निदेशालय के निम्नलिखित वितरण सहायकों को तदर्यं रूप से सहायक वितरण अधिकारियों के पदों में अगले आदेश तक, उनके नामों के प्रागे लिखित क्षेत्रीय वितरण केन्द्रों मे तथा तिथियों से नियुक्त करते हैं :—

क्र०	सं०	नाम	क्षेत्रीय वितरण केन्द्रों के नाम	नियुक्ति तिथि
1.	श्री ए० माधवास्वामी	क्षेत्रीय वितरण केन्द्र मद्रास	6-१०-७७ (अपराह्न)	
2.	श्री बी० एस० अमल- राज	क्षेत्रीय वितरण केन्द्र, बम्बई	2-२१०-७७ (पूर्वाह्न)	
3.	श्री अमर सिंह	क्षेत्रीय वितरण केन्द्र, कलकत्ता	१०-१०-७७ (पूर्वाह्न)	

आर० देवासर
उप निदेशक प्रशासन
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

सं० ए०-12025/15/76-(रा० श्र० को०) प्रशासन-I— सरकारी सेवा से अपना त्यागपत्र मजूर हो जाने के फलस्वरूप कुमारी मीमा विज ने 15 सितम्बर, 1977 अपराह्न से राजकुमारी अमृत कीर नर्सिंग महानिदेशालय, नई दिल्ली से रसायन विज्ञान में प्राध्यापक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए०-12025/4/77-(एच० क्य०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्रीमती देवी मुख्यमानी को 11 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक सचिव (खाद्य अनुसंधान निवारण) के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 31013/4/77(एच० क्य०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्रीमती आर० को० सूद को, 26 मई, 1977 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में नर्सिंग अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32014/4/77-(रा० स० रो० स०) प्रशासन-I—प्रशासनिक अधिकारी (राष्ट्रीय फाइलेरिया नियवण कार्यक्रम) के पद पर अपनी नियुक्ति की वर्तमान अवधि समाप्त हो जाने पर श्री एम० एल० वधवा ने 26 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी (रा० का० नि० का०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

2. सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, नई दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी (रा० का० नि० का०) के पद पर कार्य कर रहे श्री वाई० डी० मेहता 31 अगस्त, 1977 अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

3. श्री वाई० डी० मेहता के स्थान पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में अधीक्षक के पद पर कार्य कर रहे श्री एम० एल० वधवा को 31 अगस्त, 1977 अपराह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली, में प्रशासनिक अधिकारी (रा० का० नि० का०) के पद पर स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया है।

मूरज प्रकाश जिन्दल,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

गुरुद्वितीय

सं० ए०-12024/4/76(ए० श्र० आई० श्र० आई० ए० को० एच०) प्रशासन-I—अधिकारी भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन-स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में मिडवैक्सरी नर्सिंग के सहायक प्रोफेसर के पद पर श्रीमती मी० जोसेफ के पद पर नियुक्ति के बारे में इस निदेशालय के 31 मार्च, 1977 की अधिसूचना संख्या ए० 12024/4/76(ए० श्र० आई० श्र० आई० ए० को० एच०) प्रशासन-I में “10 मार्च, 1977” के स्थान पर “1 मार्च, 1977” पढ़े।

सं० ए०-19020/37/76-(जे० श्र० आई० पी०) प्रशासन-I—मंत्रालय विविधालय में प्रतिनियुक्ति (डिपॉटेशन) पर जाते समय श्री वी० अनथारामन ने 21 सितम्बर, 1977 अपराह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान पाइंचेरी में वैज्ञानिक अधिकारी एवं विज्ञान (शरीर विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए०-12026/25/77-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती दीपक वीरमानी को आगामी आदेशों तक राजकुमारी अमृत कीर फालेज आफ नर्सिंग नई दिल्ली में 23 सितम्बर, 1977 पूर्वाह्न से रसायन विज्ञान में लैक्चरर के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-31013/7/77-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री ए० के० धर को 6 जनवरी, 1977, से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में मुख्य तकनीकी अधिकारी के स्थायी पद पर, स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32012/1/76-(एस० जे०) प्रशासन-I—संकट-जंग अस्पताल, नई दिल्ली में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद, अपना प्रत्यावर्तन हो जाने के फलस्वरूप श्री खिनपैरमल भिमानी ने 8 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्न से भण्डार अधिकारी (जनरल स्टोर) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुलियाला,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

सं० ए०-12026/4/77-भण्डार-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने मुख्य लेखों के संयुक्त नियंत्रक का कार्यालय (निप्रि) मेरठ के लेखा अधिकारी श्री आर० छृष्णामूर्ती को 3 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकार स्वास्थ्य योजना में दलितकितक के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है।

संगत सिह,
उप-निदेशक (प्रेग स१)

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० ए०-12024/1/76-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० के० एल० कोहली को 24 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में दलितकितक के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32012/3/76(आर० ए० के०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राजकुमारी अमृत कीर फालेज के कार्यालय अधीक्षक श्री एच० एस० वर्मा को इसी कालेज में 1 जून, 1977 तक तदर्थे आधार पर श्री 17 जून, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

वि० रामचन्द्रन,
उप-निदेशक (प्रशासन)

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्रीम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 26 अक्टूबर 1977

सं० फाईन 4-6(124)/77-प्रश्न-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुमार श्री हिनेन्द्र कुमार विस्मितर को इस निदेशालय में बम्बई में दिनांक 29 सितम्बर, 1977 (पूर्वांतर) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (बृंग-II) नियुक्त किया गया है।

श्री० पी० चावला,
निदेशक, प्रशासन

कृते कृषि विपणन सलाहकार

नागपुर, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

सं० फा० 2/8/76-वि०-II—भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 125, 127 दिनांक 15-9-1962 सं० 1127, दिनांक 21-4-1973 के लिए मैं एतद् द्वारा श्री फिलिप इटरीया, विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से सेलरी बीज, जिसका श्रेणीकरण मेलरी बीज श्रेणीकरण और चिह्नन नियम तथा कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का I) के खण्ड 3 के अधीन मूल कृत उपबन्धों के अनुमार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्रधिकृत करता है।

भूतायक विपणन अधिकारी

स्वतायक विपणन अधिकारी

अधिकारी का नाम

पद

1. श्री एम० चक्रवर्ती

2. श्री पी० जे० चिमलवार

भूतायक विपणन अधिकारी

स्वतायक विपणन अधिकारी

सं० फा० 2/8/76-वि० II—भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 125, 127 दिनांक 15-9-1962 सं० 1127, दिनांक 21-4-1973 के लिए मैं एतद् द्वारा श्री फिलिप इटरीया, विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली चिर्च, इलायची और करी पाउडर, जिसका श्रेणीकरण सबसे पह्यों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियम तथा कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का I) के खण्ड 3 के अधीन मूल कृत उपबन्धों के अनुमार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्रधिकृत करता है।

जे० एस० उपल,
कृषि विपणन सलाहकार

भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बंडै-400085, दिनांक 30 सितम्बर 1977

वं० 7(7)/77-कन्फरमेंट/1100—नियवक भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र नियन्त्रित अधिवक्ता को इसके द्वारा 1 अक्टूबर, 1977 से भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (रु 650-960) में मान्यक रूप से नियुक्त करते हैं—

क्र० सं०	नाम	अभी का पद	प्रमाण/यूक्ति	स्थाई पद
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. श्री सी० शंकर	अवर सचिव	परमाणु ऊर्जा विभाग	प० ऊ० वि० मे निजी सहायक	
2. श्री एम० री० नामथ	सहायक कार्मिक अधिकारी	कार्मिक	भा० पा० ऊ० के० मे श्वर श्रेणी लिपिक।	
3. श्री एम० डी० गाडगिल	वही	निर्वाचक श्रेणीकरण एवं बहिक्रात्र इर्जनियरी	भा० पा० ऊ० के० मे उच्च श्रेणी लिपिक।	
4. श्री आर० एन० वर्मा	वही	आइमोटोप वर्ग	वही	
5. श्री एम० वी० रंगानाथन	वही	केन्द्रीय वर्कशाप	वही	
6. श्री एव० जे० मजमदार	वही	कार्मिक	वही	
(31-8-77 अपराह्न से गिरायर हो गये)				
7. श्री के० पी० जोशु	वही	डायरोक्टरेट आफ परचेज एवं स्टोर्म।	भा० प० ऊ० के० मे सहायक	
8. श्री डी० पी० कुलरुर्णी	वही	रिएक्टर वर्ग	भा० प० ऊ० के० मे उच्च श्रेणी लिपिक।	

1	2	3	4	5
9. श्री पी० के० विजयकृष्णन	सहायक कार्मिक प्रधिकारी	कार्मिक	भा० प० ठ० क० मे० आशुलिपिक	
10. श्री सी० राजगोपालन	वही	कार्मिक	भा० प० ठ० क० मे० उच्च श्रेणी लिपिक।	
11. श्री वी० वी० सहस्रबुद्धे	वही	कार्मिक	भा० प० ठ० क० मे० सहायक वही	
12. श्री ए० एन० कुट्टी	वही	कार्मिक	भा० प० ठ० क० मे० आशुलिपिक	
13. कु० एस० गोपालकृष्णन्	वही	इलेक्ट्रोनिकी	भा० प० ठ० क० मे० आशुलिपिक	
14. श्री जे० राममूर्ति	वही	प्रायसीयेड	भा० प० ठ० क० मे० उच्च श्रेणी लिपिक।	
15. श्री डी० एन० शेट्री	वही	स्पेक्ट्रोसकारी	भा० प० ठ० क० मे० आशुलिपिक	
16. श्री टी० रामानुजम	वही	भौतिकी वर्ग	भा० प० ठ० क० मे० उच्च श्रेणी लिपिक।	
17. श्री एम० डी० बापट	वही	कार्मिक	भा० प० ठ० क० मे० सहायक	
18. श्री टी० एस० परमेश्वरन	वही	इंजीनियरी वर्ग	भा० प० ठ० क० मे० आशुलिपिक	
19. श्री पी० ग्रार० कोलंबेकर	वही	पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं	भा० प० ठ० क० मे० उच्च लिपिक।	

कु० एच० वी० विजयकर, उप स्था० प्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
नाभिकीय इंधन समिति

हैदराबाद-500762, दिनांक 29 अक्टूबर 1977

आदेश

सं० ना० ई० स०/प्रशा०-5/20/क्य०-1/3281—जब कि आरोपित है कि श्री कासिम ग्रली, चीकीदार के रूप में कार्य करते हुए बारम्बार अनुपस्थित रहे हैं तथा 5-8-1976 से वे बिन्दु किसी पूर्व अनुमति के सेवा से लगातार अनुपस्थित हैं और इस प्रकार से उन्होंने ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा 34 व 39 (5) के अनुसार बुरी हरकत की है,

और जब कि उक्त श्री कासिम ग्रली को उनके विरुद्ध लगाये गए आरोपों की सूचना जापन सं० ना० ई० स०/प्रशा० 5/20/क्य०-1/ई० एम०/2346 दिनांक 3-10-1976 के द्वारा दी गई थी जिसमें उन्हें उनके विरुद्ध की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में, उक्त जापन मिलने की तारीख से 10 दिनों के भीतर की प्रवधि में प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान किया गया,

और जब कि उक्त श्री कासिम ग्रली को उक्त जापन 9-11-1976 को मिल गया किन्तु उन्होंने उनके विरुद्ध लगाये गए आरोपों के विरुद्ध कोई प्रतिनिधित्व नहीं किया,

प्रीर जब कि ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा 41, 2 की आवश्यकताओं के अनुसार जांच आवोजित करने के लिए आदेश सं० ना० ई० स०/प्रशा०-5/20/क्य०-1/2582 दिनांक 15-12-1976 के द्वारा एक जांच समिति गठित की गई,

और जब कि जांच प्रधिकारी द्वारा 4-7-1977 को जारी सूचना, जिसमें उक्त श्री कासिम ग्रली को सुमवाई के

लिए 14-7-1977 को उपस्थित होने को कहा गया था, उन्हें 8-7-1977 को मिली,

और जब कि उक्त श्री कासिम ग्रली सुमवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए,

और जब कि उक्त जांच कार्यवाही एक-तरफा पूरी हुई,

और जब कि जांच प्रधिकारी ने उक्त श्री कासिम ग्रली के विरुद्ध लगाये गए आरोपों को सिद्ध करते हुए जांच रपट दाखिल की,

और जब कि उक्त श्री कासिम ग्रली को सं० ना० ई० स०/प्रशा०-5/20/1781 दिनांक 8-8-1977 के अंतर्गत यह पूछते हुए कि क्यों न उन्हें सेवा से निकाल दिया जाना चाहिए, एक कारण बताओ सूचना जारी की गई,

और जब कि उक्त श्री कासिम ग्रली ने कोई प्रतिनिधित्व दाखिल नहीं किया,

और जब कि निम्न हस्ताक्षर कर्ता इस भात से संतुष्ट है कि उक्त श्री कासिम ग्रली ने बिना किसी पूर्व अनुमति या सूचना के इतनी लंबी प्रवधि तक अनुपस्थित रहकर बुरी हरकत की है, और इसीलिए, वे सेवा में रहने योग्य व्यक्ति नहीं हैं।

अब, इसीलिए, निम्न हस्ताक्षर कर्ता ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा 43 के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 28 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 के

अंतर्गत दिये हुए अधिकारों का प्रयोग करते हुए इसके द्वारा उक्त श्री कासिम अली को तत्काल प्रभाव से सेवा से छुट्टे करते हैं।

श्री० प० म्हात्रे
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र
कलपकम, 17 अक्टूबर 1977

सं० आर० आर० सी०/पी० एक०/117/71/1628—
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक भारत परमाणु
अनुसंधान केन्द्र, बम्बई के स्थायी लेखाकार तथा इस अनुसंधान
केन्द्र के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री एकायपुरण
वारायणन नायर के 7 सितम्बर, 1977 को हुए निधन पर शोक
शक्त करते हैं।

दिनांक 19 अक्टूबर 1977

सं० ए० 32013/4/77/ आर०—रिएक्टर अनुसंधान
केन्द्र के परियोजना निदेशक इस केन्द्र के अस्थायी फोरमें श्री
आर० एन० पलानी को उसी केन्द्र में 2 अगस्त, 1977 के
पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए रु० 650-30-740-35-810-
द० रु० 35-880-40-1000-द० रु० 40-1200 के बेतन-
मान में वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड एस० बी० के पद पर अस्थायी
रूप से नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
हुते परियोजना निदेशक

पर्यटन श्रीर नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली 3, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

सं० ई० (1) 06059—वेधशालाओं के महानिदेशक,
श्री एस० सी० गुप्ता को 6 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से
आगामी आदेश तक, भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी० (केन्द्रीय
सिविल सेवा, ग्रुप-बी०) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद
पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता को वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य
कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

सं० ई० (1) 06736—वेधशालाओं के महानिदेशक,
श्री आर० के० बंसल को 23 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न
से आगामी आदेश तक, भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी० (केन्द्रीय
सिविल सेवा, ग्रुप-बी०) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद
पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री बंसल को वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य
कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

सं० ई० (1) 06792—वेधशालाओं के महानिदेशक श्री के०
सी० सिन्हा रे को 14 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से आगामी
आदेश तक भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-
बी०) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर अस्थायी रूप में
नियुक्त करते हैं।

श्री सिन्हा रे को वेधशालाओं के उत्तमहानिदेशक (जलवायु
विज्ञान) पूर्णे के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

सं० ई० (1) 07853—वेधशालाओं के महानिदेशक
श्री प्रबोध कुमार जैन को 22 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न
से भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-बी०)
में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त
करते हैं।

श्री जैन को वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य
कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

एम० आर० एन० मणियन,
मौसम विज्ञानी
हुते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1977

सं० ए०-32013/9/76-ई० सी०—इस विभाग की
दिनांक 27-9-1977 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/
76-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन
तकनीकी अधिकारियों की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के
ग्रेड में तदर्थ नियक्ति, की अवधि 31-8-77 के बाद छः
मास के लिये या नियमित नियुक्तियाँ होने तक इनमें जो
भी पहले हो, बढ़ा दी है:—

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्थान
1. श्री एन० आर० स्वामी	नियंत्रक, वैमानिकी निरीक्षण, नागर विमानन विभाग हैदराबाद।	
2. श्री बी० के० खंडेलवाल	नियंत्रक, वैमानिकी निरीक्षण) नागर विमानन विभाग, कलकत्ता।	
3. श्री एस० के० सरस्वती	निदेशक, रेडियो निमण एवं विकास एकक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।	

एस० डॉ० शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन
हुते महानिदेशक नागर विमानन

स० ए०-32013/4/77-ई० सी०—इस विभाग की अधिसूचना मध्या ए०-32013/4/77-ई० सी० दिनांक 7 जून, 1977, ए० 32013/4/77-ई० सी० दिनांक 14 जून, 1977, ए० 32013/4/77-ई० सी० दिनांक 18/20 जुलाई, 1977, ए० 32013/4/77-ई० सी० दिनांक 28 जुलाई, 1977, के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित पांच सहायक संचार अधिकारियों की सचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि 28-7-77 के बाद 31-12-77 तक या नियमित नियुक्तिया होने तक इनमें से जो भी पहले हो बढ़ा दी है:—

क्र०	नाम	तैनाती स्टेशन
सं०		
1	श्री के० ए० स० बैबले	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
2.	श्री बी० ए० रेन प्रस्ता	वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर
3.	श्री प्रीत्याल सिंह	वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली
4	श्री जे० ए० च० लास	केंद्रीय बैयलिय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
5	श्री के० ए० स० गोपालन	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।

दिनांक 28 अक्टूबर 1977

स० ए० 12025/1/77-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० स० आर० विश्वास को 31-8-1977 (पूर्वांकित) से तथा अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हे क्षेत्रीय नियन्त्रक विमानक्षेत्र, बंबई क्षेत्र, बंबई के कार्यालय में तैनात किया है।

सत्यदेव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1977

स० ए० 32012/1/76-ई० ए० स० क्षेत्रीय निदेशक, बंबई क्षेत्र, बंबई के कार्यालय के श्री पी० सुबमण्यम, प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय
सितम्बर 1977 को समाप्त होने वाली तिमाही
बम्बई-400 020, दिनांक

स० ए० टी० टी०/2/1977—दिनांक 21-2-1977 में प्रस्तुत होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सातवां संशोधन) नियम 1976 के नियम 232ए० के उपनियम (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमून अधिनियम 1944 की धारा 9 के प्रवीन न्यायालय द्वारा दोषी पाए गए व्यक्ति अथवा जिन पर अधिनियम की धारा 33के

अधिकारी (तदर्थ) ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 31 जुलाई, 1977 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार स्थाने दिया है।

सुरजीत लाल बंडपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

समाहर्तालिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क : मध्य प्रदेश
इन्दौर, दिनांक 22 अगस्त 1977

स० 1—उपसमाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भोपाल का कार्यालय समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शाल्क इन्दौर के कार्यालय से सलग्न हो जाने की वजह से श्री जी० सार्वी० जो पिछले दिनों उपसमाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शाल्क भोपाल का कार्यभार संभाल रहे थे, उपसमाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय इन्दौर का कार्यभार दिनांक 12-7-1977 को पूर्वाह्न से सभाल रहे हैं।

स० 2—श्री बी० दीपप्रकाश राथ जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता (निवारक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय मध्यप्रदेश एवं विदर्भ नागपुर का कार्यभार सभाल रहे थे, स्थानांतरित होने पर सहायक समाहर्ता (मूल्यांकन) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय मध्यप्रदेश इन्दौर का कार्यभार दिनांक 21-7-77 के पूर्वाह्न से सभाल रहे हैं।

स० 3—श्री रामचरनसिंह जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता (मूल्यांकन) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय मध्यप्रदेश एवं विदर्भ नागपुर का कार्यभार सभाल रहे थे, स्थानांतरित होने पर सहायक समाहर्ता (मूल्यांकन) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय मध्यप्रदेश इन्दौर का कार्यभार दिनांक 21-7-77 के पूर्वाह्न से सभाल रहे हैं।

स० 4—श्री राममोहन पांडे जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता (लेखा परीक्षा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय मध्यप्रदेश एवं विदर्भ नागपुर का कार्यभार सभाल रहे थे, स्थानांतरित होने पर सहायक समाहर्ता (तकनीकी) (लेखा परीक्षा) (निवारक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय मध्यप्रदेश इन्दौर का कार्यभार दिनांक 20-7-77 के पूर्वाह्न से सभाल रहे हैं।

मनजीत सिंह चिन्हा,
समाहर्ता

अन्तर्गत 10,000/- रुपए या इससे अधिक का अर्थ दण्ड विद्या गया है ऐसे व्यक्तियों के नाम परे एवं अन्य विवरण जो उप नियम (2) में निर्धारित हैं, निम्नप्रकार से हैं :—

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों दण्ड राशि का उल्लंघन किया गया।	
1	2	3	4	5
1.	श्री नवनीत भाई केशव लाल शाह, भागीदार, सर्वेश्वी नूतन डॉइ बर्क्स प्लाट संख्या 442, रोड संख्या 28, वागमे इण्डस्ट्रियल इस्टेट, घाना।	192, गुरु प्रसाद शीव (पूर्व) जैन डेरी के सामने बम्बई- 400 022	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9I (बी) 9I (बीबी)	एक दिन का साधारण कारावास तथा 1,000/- रुपए का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में प्रत्येक अपराध पर 3 महीने का सश्रम कारावास।
2.	श्री अद्वितीय भगवन भाई पटेल, द्वारा यशोधरा नम्बाकू स्टोर लालबाग, बम्बई-400 012।	मु० पोस्ट-खाम्बोलज तालुका के० उ० शु० तथा नमक आनन्द जिला-खेड़ा।	अधिनियम 1944 की धारा 9I (ए) 9I (बी) के माथ पठित धारा 9I (डी) 9I (बी बी) 9I (बी बी बी)	नियम 9I (बी बी बी) के अधीन एक दिन का साधारण कारावास (एस० आई०) तथा 4,000/- रुपए का अर्थ दण्ड या न देने की स्थिति में 3 महीने का सश्रम कारावास के० उ० शु० तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9I (ए) 9I (बी) के माथ पठित धारा 9I (डी) तथा 9I (बी बी) के अधीन कोई अलग कारावास नहीं

II विभागीय नियमान्वयन

—सूत्य—

ई० आर० श्रीकंठद्या, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई

केन्द्रीय जल आयोग

तई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1977

स० ए०-19012/12/77-प्राशासन-5—इलाहाबाद बैक, कलकत्ता में लघु उद्योग क्षेत्र अधिकारी की हैसियत से चयन के परिणामस्वरूप श्री ए० के० चक्रवर्ती, दिनांक 30 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से, अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद से भार मुक्त हो गये हैं।

दिनांक 29 अक्टूबर 1977

स० ए० 19012/25/77-प्रशा०-5—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री आर० ए८० दत्ता, अभिकल्प सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में पूर्णतया अस्थाई और तदर्थ रूप में वेतनमान र० 650-30-740-35-810-द० र० 35-880-40-1000-द० र० 40-1200 के पदक्रम में 3-336GI/77

दिनांक 30-9-1977 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक अतिरिक्त सहायक निदेशक नियुक्त करते हैं।

श्री आर० ए८० दत्ता ने अतिरिक्त सहायक निदेशक के कार्यालय का कार्यभार केन्द्रीय जल आयोग में दिनांक 30-9-1977 से ले लिया है।

स० ए०-32014/1/77-प्रशा०-पाच०—विभागीय पशो-स्त्री समिति (श्रेणी-बी०) की स्वीकृति पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित पर्यवेक्षकों को, जो सर्वाधार्ह पदों पर प्रतिनियुक्ति/बाहरी सेवा पर रहते समय आद के नियम की सभी शर्तें पूरी करते हों, र० 650-30-740-35-810 द० द० 35-880-40-1000 द० र० 40-1200 के वेतन में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अधिकारी की श्रेणी में स्थापन

रूप से दिनांक 3 जून, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आवेदन तक एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं।

क्र० अधिकारी का नाम जहां प्रतिनियुक्ति पर
सं० सेवा भेजा गया है।

1. श्री एस० एस० थिंड ईराक गणसंघ
2. श्री के० एन० ज्ञानी दिल्ली प्रशासन
3. श्री सी० एन० मिरानी ईराक गणसंघ
4. श्री एच० आर० भगत चुखा हाईडिल परियोजना,
भूतान

2. सर्वश्री एस० एस० थिंड और सी० एन० मिरानी विदेश सेवा से अवनति केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के पद का कार्यभार संभालने की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

3. श्री के० एन० ज्ञानी अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में दिनांक 3-6-77 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

4. श्री एच० आर० भगत चुखा हाईडिल परियोजना से उनकी अवनति पर पद का कार्यभार संभालने की तारीख 23-8-1977 से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा,
अधिकारी
केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर 1977

सं० 33/6/77-ई० सी०-927/47/77 ई० सी०-9—
प्रमुख इंजीनियर, सध लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री सुरेंद्र प्रकाश पाल को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में उप-वास्तुक (सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग-क) के अस्थायी पद पर नियुक्त करते हैं। उनका वेतन दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के संतोषजनक छंग से पूरा होने पर नियमानुसार नियत किया जायगा। फिलहाल वे सामान्य शर्तों पर 26-9-77 (पूर्वाह्न) से 700-40-900-दक्षता रोक-40-1100-50-1300 रुपये (तथा सामान्य भत्तों सहित) के वेतनमान में 700/- रुपये मासिक वेतन लेंगे। परीक्षा अवधि पूर्ण करने पर उनका वेतन उक्त लिखित वेतनमान में नियत किया जायेगा।

2. श्री पाल 26-9-77 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रहेंगे।

श्री० पी० ओहरी,
प्रशासन उप-निदेशक

सवारी डिब्बा कारखाना
महा प्रबंधक का कार्यालय
कार्मिक शाखा/शेल

मद्रास-38, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

सं० का० शा०/रा० सा० /७/विविध—श्री जी० एम० पचाक्षरम (ज० आ०) मु० या० इ० के गोपनीय सहायक (श्रेणी III) को दिनांक 17-8-77 से श्रेणी II सेवा में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी/ग्रारक्षण के रूप में पदों त किया गया।

श्री एन० सुन्दरम स्थानापन्न कार्यकर्ता (श्रेणी II) (तदर्थ) को दिनांक 20-8-77 से श्रेणी III सेवा में पदावनत किया गया।

श्री वी० डिल्ली बाबू स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी (श्रेणी II)/दक्षिण रेलवे ने उस रेलवे से अन्यान्यातरित होकर दिनांक 19-8-77 को इस प्रशासन में यर्ता रिपोर्ट पेश की और उनके लिए दिनांक 19-8-77 से 21-8-77 तक तीन दिनों की औसत वेतन छृपर छुट्टी मजूर की गयी। दिनांक 22-8-77 से 26-9-77 तक उन्हें कल्याण अधिकारी (श्रेणी II) के रूप में तीनात किया गया और उन्हें दिनांक 27-9-77 से स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ वेतन में वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी वेतन आयोग (वरिष्ठ वेतनमान) (तदर्थ) के रूप में पदोन्नत किया गया।

श्री के० एन० पी० पिलौ, सहायक कार्मिक अधिकारी (श्रेणी II) को निदाक 22-8-77 के पूर्वाह्न को इस प्रशासन से भार मुक्त किया गया ताकि वे दक्षिण रेलवे को स्थानान्तरण पर जा सकें।

श्री एम० एन० कृष्णमूर्ति स्थानापन्न वरिष्ठ लेखा अधिकारी वित्त (वरिष्ठ वेतनमान) को दिनांक 1-9-77 से श्रेणी II सेवा में पदावनत किया गया।

श्री संयद नियमतुल्ला, स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियर/प्रमति/ कर्निंग (वरिष्ठ वेतनमान) को 23-9-77 से श्रेणी-II सेवा में पदावनत किया गया।

सु० वैकटरामन
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महा प्रबंधक

चित्तरंजन रेल इजन कारखाना

चित्तरंजन, दिनांक 27 अक्टूबर 1977

स० जी० एम० ए०/जी० एस०/8 (ठलेक) —श्री एम० सी० अमरेन्द्र, स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (बिजली), चित्तरंजन रेल इजन कारखाना को इस प्रशासन के बिजली इंजीनियरी विभाग के सर्वर्ग में द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक बिजली इंजीनियर (कमीयार्निंग) के रूप में तारीख 15-7-69 (पूर्वाह्न) से स्थायी किया जाता है।

स० जी० एम० ए०/जी० एम०/८ (एकाउन्ट्स) —श्री जी० पी० मजुमदार, स्थानापन्थ प्रब्रह्म लेखा अधिकारी कारबाना चित्त-रंजन रेलइंजन कारबाना को इस प्रशासन के लेखा विभाग के संवर्ग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर द्वितीय श्रेणी की सेवा में तारीख 8-7-1976 (पूर्वाह्न) से स्थायी किया जाता है।

के० एस० रामास्वामी,
महाप्रब्रह्मक,

पूर्व रेलवे
कलकत्ता, दिनांक 29 अक्टूबर, 1977

स० ई० 800/गज०/816—श्री के०पी० सेनगुप्त, असेनिक हंजीनियरी विभाग के स्थानापन्थ श्रेणी-II अधिकारी को श्री के० पी० सिन्हा के स्थानापरित हो जाने के कारण उनके स्थान पर दिनांक 14-10-77 (प्रपराह्न) से श्रेणी-II सेवा में स्थानापन्थ राजसम्पति अधिकारी के रूप में पदस्थापित किया जाता है।

बी० सी० ए० पदनामन
महाप्रब्रह्मक,

उत्तर रेलवे
प्रधान कार्यालय बड़ीहाउस,
नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्टूबर, 1977

स० 16—श्रार० के० भारदाज यादिक अभियंता द्वारा रेल सेवा से दिया गया त्यागपत्र दिनांक 1-9-76 से स्वीकृत कर दिया गया है।

दिनांक 28 अक्टूबर 1977

स० 18—इस रेलवे पर भारतीय रेल यातायात के निम्न-लिखित के सीनियर स्केल अफिसरों के सामने लिखी तारीख से सीनियर स्केल में स्थायी किया गया है।

नाम	डेट श्राफ प्रोविजनल	कनफरमेशन फाईनल
1. श्री शार० पी० सिंह	2-10-66	1-11-67
2. श्री वाई० पी० इल० माधुर	—	10-11-68
3. श्री पृ० पी० गुप्ता	—	17-3-70
4. श्री प्रबीन मिह	—	10-6-70
जी० एच० केसवानी		महाप्रब्रह्मक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि० स्टार्डर्ड एजन-सीज (मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

स० 2335/560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 650 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-द्वारा सूचना दी जाती है कि पार्कलेन टी फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर है काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गई है।

सूचना दी जाती है कि दि० स्टार्डर्ड एजनसीज (मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री रेणुका फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

स० 2358/560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रेणुका फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गयी है।

के० पन्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

इन्डियन कम्पनी अधिनियम, 1913 और वि कृष्ण गिरी श्री कक्षिका परमेश्वरी बैंक लिमिटेड (इनलिमिटेडेशन) के विषय में

मद्रास-6, तारीख 26 अक्टूबर 1977

स० 1297/लिमिटेड/247(5)/77—इन्डियन कम्पनी अधिनियम, 1913 की धारा 247 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-द्वारा सूचना दी जाती है कि वि कृष्णगिरी श्री कक्षिका परमेश्वरी बैंक लिमिटेड (इनलिमिटेडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि थड़े क्लास रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

स० 2950/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-द्वारा सूचना दी जाती है कि दि थड़े क्लास रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पार्कलेन टी फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

स० 3564/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-द्वारा सूचना दी जाती है कि पार्कलेन टी फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर है काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मारडहलि रोडवेज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

सं० 3873/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मारडहलि रोडवेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पि० मुस्तस्वामी पिल्लै एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

सं० 3877/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पि० मुस्तस्वामी पिल्लै एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ललिता सरस्वती ड्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

सं० 3997/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 को धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ललित सरस्वती ड्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री रंगा रोडवेज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 4037/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री रंगा रोडवेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जुबैदा ड्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 28 अक्टूबर, 1977

सं० 4808/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जुबैदा ड्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और टांजूर कमरसियल कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6 दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० 3036/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि टांजूर कमरसियल कंपनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सी० अच्युतन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और पंजाब राजस्थान गुडम केरीचर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 27 अक्टूबर 1977

सं० जी/ /560/2535/8299—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पंजाब राजस्थान गुडम केरीचर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोटकपुरा चैम्बर आफ कामसं प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 27 अक्टूबर 1977

सं० जी/ /560/2119/8300—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोट कपुरा चैम्बर आफ कामसं प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश सायल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के आधीन सूचना मेसर्स एशियन ट्रान्सफोर्मर्स एक्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

प्रह्लदाबाद, तारीख 27 अक्टूबर 1977

सं० 2203/लीक्शन—कम्पनी श्रर्जी नं० 34/1976 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 22-11-1976 के आदेश द्वारा मेसर्स एशियन ट्रान्सफोर्मर्स एक्सपोर्ट लिमिटेड का परिसमाप्ति का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 और भसर्स एवरेस्ट प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड, जयपुर, के सम्बन्ध में

जयपुर, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

सं० सालिकों/1099/8339—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भसर्स एवरेस्ट प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किए गये तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विचित्रित कर दी जावेगी।

राम दयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं, आम्रपाली होटल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1977

सं० 14281/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आम्रपाली होटल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचित्र हो गई है।

मृती वाय राणे
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कार्यालय आयकर आयुक्त, विल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1977

आयकर

सं० जूरि-विल्ली/2/77-78/26918—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वा) की धारा 125-ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में अंशिक परिवर्तन करते हुए, आयकर आयुक्त, विल्ली-2, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, कम्पनी संकिल-24, को किसी क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के बांग या आय या आय के बांग या मामलों या मामलों के बारे में प्रदान का प्रयोग या निष्पादन निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-2-ई को प्राधिकृत करते हैं।

आयकर आयुक्त, दिल्ली-2 कार्यों के निष्पादन को सुविधा के लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 125-ए की उपधारा (2) के अनुसार अपेक्षित आदेशों को पास करने के लिए भी निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-2-ई को प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 15-10-77 से लागू होगी।

ए० सी० जैन

आयकर आयुक्त, विल्ली-2, नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ
आयकर विभाग

सं० 108—श्री य० पी० सिंह, निरीक्षक, आयकर कार्यालय, इलाहाबाद को आयकर अधिकारी, वर्ग “ख” के पद पर आफिसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 6-8-1977 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी, झी-वाड़, गोरखपुर के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 109—श्री रामनाल, निरीक्षक, आयकर कार्यालय, मुरादाबाद को आयकर अधिकारी वर्ग “ख” के पद पर आफिसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 23-8-1977 के पूर्वाह्न में जनसंपर्क अधिकारी, लखनऊ के रूप में कार्यभार संभाला।

ह०

आयकर आयुक्त लखनऊ

कार्यालय, आयकर आयुक्त, इलाहाबाद

इलाहाबाद, दिनांक 25 अगस्त 1977

आयकर अधिनियम, 1961—धारा 123(1) एवं (2)-आयकर आयुक्त इलाहाबाद प्रभार के निरीक्षों सहायक आयकर आयुक्तों का अधिकार

सं० 284/तक०/नि० सं० आ०-झेवा०/77-78—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 123 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और उपर्युक्त विषय पर पिछले सभी आदेशों का अधिकमण करते हुए मैं आयकर आयुक्त, इलाहाबाद एतद्वारा निदेश देता हूँ कि अनुलग्न सूची के कालम 2 में लिखि रखों में तैनात सभी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त उन अधिकारीयों या अधिकारीयों तथा सभी प्रकार की आय या आयकरों से संबंधित अपने सारे कार्य संपादित करेंगे जो उक्त अनुलग्न सूची के तीसरे कालम में वर्णित आयकर संकिलों के क्षेत्रों में आते हैं।

यह आदेश दिनांक 1 सितम्बर 1977 सागू होंगे।

क्रम नि० म० आ० आ० का रेज रेज में शामिल संकिलों का स०

1 2 3

1. इलाहाबाद	1. इलाहाबाद
2. संरदा शुल्क वृत्त, इलाहा-बाद	

1	2	3	1	2	3
		3. कर वसूली अधिकारी, इलाहाबाद 4. सुलतानपुर 5. फैजाबाद 6. फतेहपुर 7. बांदा	3. वाराणसी		6. ग्राजमगढ़ 7. बलिया 8. देवरिया 1. वृत्त-I. वाराणसी 2. वृत्त-II वाराणसी 3. कर वसूली अधिकारी, वाराणसी 4. मिर्जापुर 5. जौनपुर 6. गाजीपुर
2	गोरखपुर	1. गोरखपुर 2. कर वसूली अधिकारी, गोरखपुर 3. बस्ती 4. गोडा 5. बहुराइथ			श्रेष्ठ अब्दुल्ला द्यायकर ग्राम्यकर इलाहाबाद

प्रलूप आई० टी० एम० एस०————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

निर्देश सं०राज०/सहा०आ० अर्जन/374—यतः मुझे, चुन्नी लाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०प्लाट नं० 14/2 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 4 फरवरी, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अवतिः—

(1) श्री रामगोपाल गंग द्वारा जयपुर स्टेशनसे, लिपोलिया बाजार, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री कोटावाला इक्सपोर्ट प्रा०, लिमिटेड, कोटावाला मार्किट, लिपोलिया बाजार, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाज य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किये जा सकेंगे।

एवज्जीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 14/2, दुसाथ का बाग स्फीम, रामसिंह रोड, जयपुर जो और विस्तृत रूप से उस पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 90 दिनांक 4.2.77 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विवरणित है।

चुन्नी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 31.10.77

मोहर :

प्रस्तुत आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

निर्देश नं. ए०-पी०-१७२०/—यतः मुझे आई० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन
सक्षम प्रधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो खामबरा,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
विनाक अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिरक्त के
बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनायं अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, त्रिपाते
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अवित्तियों अधित:—

1. श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री मुला सिंह वासी खामबरा
(अन्तरक)

2. श्री प्यारे लाल पुत्र श्री मिल्खी राम 20 समति किशनदेवी
पत्नी श्री प्यारे लाल, वासी पार्क नं. 70-71, जालन्धर
(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर नं. 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सपत्नि में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के प्रर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख नं. 269 अप्रैल 17 को रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 31-10-77

मोहर :

प्रस्तुप्राप्ति दी० १९० १९० ५८०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिलारु 31 अक्टूबर 77

निदेश न० ए-पी० 1721—यतः मुझे बी० एम० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुमूल्यी में है तथा जो शहीद उपर्युक्त नगर में स्थिति है (ओर इसमें उत्तराध्य अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आग्र अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा:—

4-336GL/77

1. दी नकोदर बग सविता प्राप्तिक निमित्त दृष्टि शाफिरा जालन्धर (द्वारा श्री आन्मा सिंह, भनेजीग डायरेक्टर) (अन्तरक)

2. श्री जैन प्रकाश पुन श्री भगत राम ग्रटारी बाजार, जालन्धर (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि उपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपत्ति है)

*4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास दिया गया है।

अनुमूल्यी

भूमि जैसा कि विलेख नं० 907 मई-1977 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी जालन्धर में लिखा है

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 31-10-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 अक्टूबर, 77

निदेश नं० ए० पी० - 1722 :—यतः, मुझे बी० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं०जैगा कि अनुसूची में है तथा जो फिश मार्किट
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपांवद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अप्रैल, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तर (अन्तरको) और अन्तरितो
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निरन्तरित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से रुक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भागीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अत प्रब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात् :—

(1) श्री देसराज तथा ओम प्रकाश खुद तथा मुख्यमंत्री
खास द्वारा मुलक राज पुत्र श्री शिवनाथ, निवासी
32-प्रार०, न्यू० कालोनी, गुडगांव, (हरियाणा)
(प्रत्यक्ष)

(2) श्री रघुबीर घन्द पुत्र श्री सीता राम मार्केंट न्यू० इडिया
आयल कम्पनी, दुकान नं० 26 पिछे फिश मार्किट
जी. टी० रोड, जालन्धर
(अन्तरिती)

* (3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है) ।

* (4) श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता
है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भी
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान जैसा कि विनेक नं० 457 अप्रैल, 77 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31/10/77

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 अक्टूबर, 1977

निरेग नं० ए० पी०- 1723 :—यत्, मुझे बी० एस० लहिया

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पांचाल 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो रामा मण्डी, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ध के अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ध की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरचरण मिह पुत्र श्री प्रताप सिह फादर-इन-ला प्राफ श्री इन्द्र पालराह, पुत्र श्री अर्जित सिह तथा श्री जोगिन्द्र मिह भाटिया ए०-जी० आफ सरदार जसवन्त सिह पुत्र श्री प्रताप सिह निवासी 4/5 हद सोनलाईन ई-ब्लाक किंबजवे कैप, दिल्ली, ए०-जी० आफ हरभजन सिह पुत्र प्रताप सिह

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीकृष्णलाल पुत्र श्री नन्द लाल, श्री सतपाल पुत्र श्री कृष्ण लाल निवासी डाकोहा, मार्फन कृष्ण लाल सत पाल, फूट मर्चन्ट, रामा मण्डी, जालन्धर (ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में मनि रहता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के यर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के यर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध अविक्षितयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान जैसा कि विनेक्र नं० 6853 मार्च, 77 को रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

बी० एस० लहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
यर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 31/10/77
मोहर ।

प्रस्तुप मार्ग ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनाक 31 अक्टूबर 1977

निदेश नं० ए० पी० - 1724 —यतः, मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बाजार पापड़िया, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण ज्ञा में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 13) ; ता० 1911, नारीव अपैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अनलिंग की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल प्रतिशत में विश्वास के लिए उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से त्रुट्टि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ग्रंथी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

या: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के ग्रन्तरण में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री बोद्ध राज कुन्दन लाल पुल श्री कालू राम महल्ला तनिया मसर्जिद खेड़ा फगवाड़ा श्रीमती गोतिया देवी विधवा राम चन्द, फगवाड़ा

(अम्तरक)

(2) श्री राज कुमार पुल श्री फकीर धन्द, ई०-ए०-121, अम्बका इलेक्ट्रिक इण्डस्ट्रीज, बाजार पापड़िया, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास नियमित में किए जा सकें।

इप्पत्तीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन जैसा कि विनेक नं० 212 अप्रैल, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता श्री राम जालन्धर में दिया गया है।

बी०एस० दहिया,-
सक्षम प्राधिकारी,
ग्राम पुर आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 31/10/77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 1 नवम्बर 1977

निवेदा नं० 3805/ 76-77 :—यतः, मुझे, के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा
269-य के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में प्रधिक है

और जिसकी मं० 13 रुपि डेस्वासिस्ट डी० रिचिमोन्ट पाइंचेरी
में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्णरूप से
बांगड़ है), रजिस्ट्रीर्ड प्रधिकारी के कार्यालय, पाइंचेरी
(डकुमेन्ट 221/77) में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 21-2-1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अस्तरिती
(अन्तर्गतियो) वा वैश्व ऐसे अन्तरण के लिए सब याया गया
नियम, निम्नान्दि द्वारा उक्त अन्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
वित रूप में नहिं नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट मही किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविनयों, पर्याप्तः—

(1) श्रेमतो नीना देवी
(अन्तरक)

(2) निकु हारिजन शुगर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जागे करने पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रन्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रन्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाउ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

पाइंचेरी, रुपि डेस्वासिस्ट डी० रिचिमोन्ट, डोर सं०
13 में भूमि और भकान ;

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 1-11-77
मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटो० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 नवम्बर 1977

निदेश सं० 4221/ 76-77 :—यत्, मुझे के० पोषन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पाइवान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एस० सं० 315, ईस्ट चिरैचा वाडी गांव (3.70 एकड़) मे० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीड तर्ता अधिकारी के फार्म 11, जै० एन० प्र० र० II, कोम्बूर (डॉक्यूमेण्ट 129/77) मे०, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-2-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दोगुने दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

प्रत. प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण मे०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० के० सत्यमूर्ति

(अन्तरक)

(2) श्री वी० पी० मनियश्वन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे० कोई भी आप्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख मे० 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी अवित्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे ।

इष्टदोकरण :—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे० परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे० दिया गया है ।

अनुसूची

चित्तरैयावाड़ी गांव मे० 3.70 एकड़ जिसका एस० एफ० सं० 315 ।

के० पोषन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 1-11-77

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II भद्रास

भद्रास, दिनांक 1 नवम्बर 1977

निर्देश सं० 5462/ 76-77 :—यतः, मुझे, के० पोष्टन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 25, प्रिलि अवन्यु, भद्रास-18 में स्थित
है (और इससे उत्तर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्राम-II, भद्रास
नारै (डाकमेण्ट 506/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रनतरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपरांत(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्

(1) डाक्टर एम० नागस्वामी का एस्टेट (स्टेट बैक
आफ इन्डिया के द्वारा)।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एस० श्रीनिवासन

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वावधी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
से किसी अवित्य के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्य के द्वारा, अधीक्षित अवित्यों के पास
लिखित में किये जा सकें।

इष्टव्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भद्रास-18, प्रिलि अवन्यु, द्वारा सं० 25, प्लाट सं० 8 में
662.39 स्कूयर मीटर (मकान के साथ)

के० पोष्टन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, भद्रास

तारीख : 1-11-77

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 नवम्बर 1977

निदेश स० 5463/76-77 —प्रतः, मुझे के० पोश्न
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269प
के प्रधीन संकाय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 38, जी० एन० चेट्टि स्ट्रीट, मद्रास-17
मेर स्थित है (और इसे उपाबद्ध धनसूची मे और पूर्ण रूप से बणित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कायलिय, जे० एस० आर०-
मद्रास नार्त (डाकुमेण्ट 504) मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 21-2-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को,
जिन्हे मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प के अनुसरण मे
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपभारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अविक्तियों अधित:—

(1) ब्रो डो० मोइन और डाक्टर एस० डी० नार

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नजनि अमीनाबाय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कायवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध मे कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे
किये जा सकें।

स्थावीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20क मे परिभायित हैं, वही
पर्य होगा, जो उस प्रधाय से दिया गया है।

मनुसूची

मद्रास-17 टी० नगर, जी० एन० चेट्टि स्ट्रीट, और सं०
38 मे 2 प्रउण्ड और 924 स्कुथर फीट का भूमि (मकान के
साथ)।

तारीख : 1-11-77
मोहर :

के० पोश्न
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-II, मद्रास

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)श्रीजन रेज, बेगलूर
बेगलूर, दिनांक 26 अक्टूबर, 77निर्देश स० सी० आर० न० 62/9243/ 76-77 / ए० सी०
क्यू० / बी० यतः, मुझे जै० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 47 है, तथा जो बेगलूर ने आउट, एच० ए० एन० II, स्टेज, बेगलूर मे स्थित है (और इस उपावन्द अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 29/3/77 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः प्रति उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

5—336GI/77

(1) श्रीमती तेनमा अलत्रटी मेरिभिस नं० 20 दक्षिणवार नं० 10, हैकीरोड, तथा दिल्ली रप्रेसेंट, आल टरनी मि० ग्रंतोनी डकास्टा अडवोकेट, नं० 31/1, एम० जी० रोड, बेगलूर ।

(अन्तरक)

(2) जुलान क्रस्टोफर डिसोजा, सुप्रत ले० अगस्टिन डिसोजा क० 4, ब्रेनेटन रोड, बेगलूर -25
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तानेज स० 2575/ 76-77 ता० 29/3/77) ।

मारा सम्पत्ति का स० 47, विज्ञमगला लेआउट, एच० ए० एन० 11 स्टेच, बेगलूर ।

बाध :

पु . निवेशन 46

प० . निवेशन 47

द० . निवेशन 2

द० . रोड

जै० एस० राव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रीजन रेज, बेगलूर

तारीख : 26/10/1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 28 अक्टूबर, 77

निर्देश स० सी० आर० न० 62/9253/76-77/ ए० सी०
क्यू०/बी० —यत्, मुझे ज० एम० रात्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 3 (पुराना -5) है, जो बालटन रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपांचल अन्तर्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कायालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ना० 29/3/77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के उचित अधिनियमनिवित अविक्षयों, अर्थात्:—

(1) स० मैखेल ए० फरनाडीम सुपुत्र स्व० टी० डी० एफ० फरनाडीम स० 9 बालटन रोड, मिविल स्टेशन, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्राहुल मुणीब अन्मारी सुपुत्र स्व० एस० स० अन्मारी स० 26, हॉउसपटेल रोड, बंगलूर -1

(अन्तरित)

(3) श्री बी० पांडे (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तानेज स० 2526/76-77 ता० 24/3/77] ।

मारा संपत्ति जो स० 3, (पुराना 5) बालटन रोड, मिविल स्टेशन, बंगलूर।

बाध .

उ० स० 1, बालटन रोड,
द० स० 4, बालटन रोड,
प० लेवली रोड
प० ग० 3, बालटन रोड,

ज० एस० रात्रि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख 28/10/77

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

निर्देश स० सी० आर० न० 62/ 9274/ 77-78/ ए० सी० क्य० / बी० - - यन, मुझे, ज० एम० राव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी स० पुराना 5, नवा 3 है, तथा जो बालटन रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-4-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेजर मेंसेल ए० फरनाडीस सुपुत्र स्व० टी० बी० एम० फरनाडीस स० 9, बालटन रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) 1 मि० शब्दुल बहाब अन्सारी 2 मि० मोहम्मद इस्मायल अन्सारी स० 26, हास-पेटल रोड, सिविल स्टेशन बंगलूर ।

(अन्तरिती)

(3) बी० पांडे

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यालय शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 161/77-78 ता० 21-4-77)

मारा सप्तति का जो मं० 5 (पुराना) नवा 3 बालटन रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर ।

बाधा :

उ० स० 2, बालटन रोड, और स० 3, बालटन रोड द० नवा स० 4, बालटन रोड पू० नवा 3, बालटन रोड, प० बालटन रोड

ज० ए० स० राव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 28-10-77

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड

धारवाड-580004, दिनांक 18 अक्टूबर, 1977

निर्देश स० 193/77-78/अर्जन--यत मुझे, डि० नि० राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० आर० प० नं० 4/1, 4/3, 4/4, 5/1, 5/2, 6/1, और 23/2 है, जो चित्रदुर्ग में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चित्रदुर्ग अड्डर डाकुमेट न० 1890/76-77 तारीख 10-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिक्ती) (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तीयों, भर्ता :--

श्रीमती (1) के० मौद्रिक (2) श्री के० यामोधरन
(3) जी० के० लक्ष्मी नारायणन नविवासी राजा शत्ली कुमार
पत्न्यम, सेलम जिला तमिल नाडु

(अन्तरक)

2 श्री/ जयलक्ष्मी टेकटालम, चित्रदुर्ग, श्री जिं हनु-
मता रेहु और के० वीरभद्रप्प के द्वारा चलाया जा रहा है।
चित्रदुर्ग।

(अन्तर्निर्दि०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधानाय 20क में परिभासित है, वही प्रयृ होगा जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

इस्मुद्देश्य अस्तिका विस्तार 1,03,435 स्क्यूर फीट है।
चित्रदुर्ग मुनिसिपल का ग्राद में है। इसका आकार का बारे में द्राम्परी के लेटर में है।

डि० सि० राजागोपालन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, धारवाड।

तारीख 18-10-1977

मोहर :

प्रस्तुति दी० एन० एस०—

1. श्रीमती राम दुलारी मिश्रा

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अंक (1) के अधीन सूचना

2. श्री दया शकर गुप्ता

(अन्वरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

निर्देश नं. 27-डी०/अर्जन—यत्, मुझे, अमर मिह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अंक के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 16/59 है तथा जो न्यू सोबतिया बाग, इलाहाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और दृष्टि रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वा स्वयंकर रूप में कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

उपलब्धिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं. 16/59 जिसका क्षेत्रफल 428 वर्ग गज है जो कि न्यू सोबतिया बाग इलाहाबाद में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख अमाक 600 दिनांक 25-3-77 को सब रजिस्ट्रार, इलाहाबाद के दफ्तर में लिखा है।

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अमर मिह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 28-10-77

मोहर :

प्रतः। अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अंक के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अंक की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली-1

• 4/14, आमफशली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/1285/77-78—

यतः मुझे, ए० एल० सूद

प्रायकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-10/2 का पूर्वी हिस्सा है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रंथिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर ग्रंथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंथिनियम, या धन-कर ग्रंथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-ए की उद्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति :—

1 श्रीमती लाजवन्ती, पत्नी श्री० काशी राम गुप्ता, निवासी 89, गुजरावाला टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री राम बाबू बंसद (गोद लिया हुआ) सुपुत्र श्री रामजी लाल, निवासी सी-10/2, माडल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रंथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक छेद मजिला मकान का पूर्वी हिस्सा जो कि 136 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका न० सी-10/2 है, माडल टाउन, दिल्ली में है।

ए० एल० सूद
सकारा प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 4 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एम०----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्य०/11/1248/77-78--
यतः, मुझे, ए० एल० सूदआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है औरजिसकी सं० सी०-10/2 का पश्चिमी हिस्सा है तथा जो माडल
टाउन दिल्ली में स्थित है (और उनमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), जिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9 मार्च, 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में
सुविधा के लिए,प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
केर्में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधा (1)
में, अधीन निम्नलिखित, अक्षियों अर्थात् --(1) 1. श्री कान्ती राम गुणा, सुपुत्र श्री तेज राम
निवासी वी-89 गुजराती टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री गम बाबू बसल (गोद लिया हुआ) सुपुत्र श्री रामजी
लाल, निवासी वी-10/2, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में पाया गया था

हैं वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान का पश्चिमी हिस्सा जोकि 136 वर्ग
गज के क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है जिसका नं० सी० 10/
2 है, माडल टाउन दिल्ली में है।ए० एल० सूद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, दिल्ली।

तारीख: 4 नवम्बर, 1977।

मोहर।

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

4/14क, ग्रामपाली मार्ग, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निदेश अं० आई० ए० सी०/पक्ष्य०/II/1286/77-78
—गत: मुक्त, ए० एल० सूद

सहायक ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी म० दुकान न० 32 है तथा जो बेस्ट पटेल नगर नाला मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावस्थ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 26-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तिलक राज, मुमुक्षु श्री० हेली। राम भसनी निवासी एफ० 111, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)(2) श्री जोहरी लाल एण्ड श्री बनारसी लाला, सुपुत्र श्री शाम लाल, निवासी मकान न० 2913, मौहल्ला शाहगंज, जी० बी० रोड, दिल्ली-6।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समांदी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

रप्तारीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 32, जिसका थेट्रफल 63 वर्गगज है, बेस्ट पटेल नगर, नाला मार्किट, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।—

पूर्व : दुकान न० 1

पश्चिम : वरान्दाह तथा रोड

उत्तर : रोड वरान्दाह

दक्षिण : दुकान न० 31

ए० एल० सूद,

सक्षम अधिकारी,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-

अहमदाबाद, दिनांक 25 अक्टूबर, 77

निदेश स० ए० सी० कृ० 23-I-1278 (605) / 16-3/
75-76 :—यत्. मुझे एस० सी० परीखआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी स० सर्वे न० 7827, शीट न० 61, है, जो
जूनागढ़ रोड, खोडपरा वार्ड न० 1, जैतपुर में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जैतपुर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1961 (1968 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी वा या अन्य ग्रास्तिया
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए।ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6-336GI/77

(1) सर आदमजी हाजीदाउद एड्यूकेशनल तथा डेडीकल
मोमायटी, की ओर से ट्रस्टी.— श्री अब्दुल रजाक
कामम तथा अन्य, जैतपुर

(अन्तरक)

(2) श्री जैतपुर कलवाणी मंडल ट्रस्ट, की ओर से मुख्य
ट्रस्टी :1. श्री नरोत्तम दास देववन्द,
2 श्री कानाजी हन्सराज पटेल, फूलबाड़ी, जैतपुर
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सप्तसप्ताही व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एक दो मजले वाली अवल सम्पत्ति जो 17888 वर्गगज
भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे न० न० 7827, शीट न० 61, है तथा जो जूनागढ़ रोड पर, खोदपरा वार्ड न० 1, जैतपुर
में स्थित है।एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज - I, अहमदाबाद

तारीख 25-10-77

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।

कलकत्ता, दिनांक 28 अक्टूबर, 77

निर्देश सं० एम० आई० 436/ टी० आर० -119/ कलकत्ता-1
 76-77 :—प्रतः, मुझे एल० के० बालभुव्रमनियम
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
 धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 34 प. है तथा जो मेटकार्फे स्ट्रीट कलकत्ता मेरिस्थित है (ओर इस उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमैट प्रेस नार्थ कलकत्ता मेरि, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों पर्यातः—

(1) श्री सेलद्र नाथ यादवपि श्री०, बालन्दू एमिनउ; मन्त्र पाठा जिना-दुगली दिलोक चाद जउन (अन्तरक)

(2) श्री मुवोध खान 34 ए मे टकालफ स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के संबंध मे कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-भरी के पास लिखित मे किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

34 ए० मेटकालफ स्ट्रीट, कलकत्ता मे अवस्थित 12 छटाक (लाभग) जमीन साथ मकान जो डोर न० 1-1290 आय, 1977 अनुमार रजिस्ट्रीकर्ता आय, एसुर्ट्स कलकत्ता मे 29, 3-77 तालिक मे रजिस्ट्रीकृत

एल० के० बालभुव्रमनियम सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज - I

तारीख : 28-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०-----
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

54, रफी अहमद किदवर्डी रोड, कलकत्ता-16

बम्बई, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

निर्देश स० एम० एन०/437/टी० आर०-122/कल०-1/76-
77 अत् मुझे—एल० के० बालसुन्नामनियण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी म० 36 है, तथा जो मेटकालफ, स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा० अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट पलेस नार्थ,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 29-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर विभाग, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269व (1) के उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्रीमती बिमाबनी देवी, (2) श्री रवीन्द्र नाथ
चटर्जी, (3) श्री मतीन्द्र नाथ चटर्जी, (4) श्री
समरेन्द्र नाथ चटर्जी तथा रत्नेन्द्र नाथ चटर्जी, 10
राजा पियारी मोहन रोड, उत्तरपारा जिला, हुगली।।

(अन्तरक)

(2) श्री त्रिलोक चाद अशोक कुमार, त्रिलोक चन्द्र जैन,
कर्ता, 1, चादनी चौक स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

(3) 1 जनाब हमेत अलि,
2. एस० डी० आदर्स एण्ड को०,
3 एस० डी० एन्टर प्राईसेस्,
36, मेटकालफ स्ट्रीट, कलकत्ता।

(वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में यापात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

36 मेटकालफ स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित अगभग 10
छाल जमीन तथा मरान जो 29-3-77 तारीख में रजिस्ट्रीकर्टा०
रजिस्ट्रार आफ एसोरेन्सेज कलकत्ता में डिल नं० I-1293
आफ 1977 अनुसार रजिस्ट्रीकृत।

एल० के० बालसुन्नामनियण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
प्रजन रेंज-I,

54, रफी किदवर्डी रोड, कलकत्ता-16

तारीख 28-10-77
मोहन

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 28 अक्टूबर, 1977

निर्देश म० एस० एल० -438/ टी० आर०-123/कल०-1/
76-77.—अत्, मुझे एल० के० बालमुमनियण,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं 34 बी है तथा जो मेटकालफ स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (शौर इमेस उपाख्य अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेन्ट पलेस नाथ
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 29-3-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या प्रन्य प्रासियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री सैनेन्द्र नाथ चटर्जी 1 जानेन्द्र एवेन्यू, उत्तरपाट,
दुर्गानी ।
(अन्तरक)(2) श्री विलोक चन्द्र जैन, 1, चादनी चौक स्ट्रीट,
कलकत्ता ।(3) 1 श्री वैद्यनाथ ठाकुर
2. श्री दुर्गा सेथ
3 श्री पूर्णमल गुप्त
4 श्री शिव शकर मिह आफ उपनि मेटकालफ स्ट्रीट,
कलकत्ता ।
(अन्तरिती)

(वह अवक्तु जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित
में किए जा सकें।स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयं होता, जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

34 बी०, मेकालफ स्ट्रीट, कल० में अब स्थित लगभग
13 छटाक जमिन नाथ मकान जो 29-3-77 तारीख
में रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रार आफ एस्मुरेण कलकत्ता अधिकारी के
कार्यालय से डीड न० आई०-1292 अनुमार रजिस्ट्रीकृत ।

एल० के० बालमुमनियण,

सकाम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1

54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 28-10-77

मोदूर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० एस० ग्र०-४३९/टी० आर०-१२४ कलकत्ता-१/
७६-७७ —अत्, मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० ३४-सि० है, तथा जो मेटकालफ स्ट्रीट,
कलकत्ता मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ५ गवर्नरमेन्ट
प्रेस, नार्थ मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 29-३-७७

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं
हिंग गया है :—

(क) मन्त्र से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अत् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुमति में,
उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रव्यत :—

(1) १ श्रीमती विभावती देवी, (2) रविन्द्र नाथ चटर्जी,
३ सतीन्द्र नाथ चटर्जी, (4) समरेन्द्र नाथ चटर्जी,
५. रमीन्द्र नाथ चटर्जी, १८ राजो पियजी मोहन
रोड, उत्तरपारा हुगली

(अन्तरक)

(2) श्री विलोक चाद अणोक कुमार मार्फत पता विलोक
चाद जर्हन-१ चादनी चक, स्ट्रीट

(अन्तरिती)

(3) १. शेख तोबारक

२. महमद आलि

३. जनाब सोन्ना

४. शेख कामर आली

५. जनाब आब्दुल रजाक मन्तुल

६. किशोरी चाद गुप्त

आफ उपसि मेटकालफ स्ट्रीट, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
मे किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क मे यथा परिभा-
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

उपाय, मेटकालफ स्ट्रीट कलकत्ता मे अवस्थित 1 कट्टा
4 छटाक जमिन या धन कान मी० 29-३-७७ तारीख मे रजिस्ट्री-
कर्ता, रजिस्ट्रार आफ एयसुरेम कार्यालय I-1289 डीड न०
अनुसार रजिस्ट्रीकृत।

एल० के० बालसुब्रमनियण,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख : 28-10-77

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

निर्देश स० एस० एन०-440/टी० आर०-125/कल०-1/
76-77 —अत , मुझे एन० के० बालमुबरमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स०

34 डि० है, तथा जो मेटकालफ स्ट्रीट, कल० मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेट प्रेम नार्थ, कल० मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियो को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, प्रथाति:—

(1) 1 श्रीमती विभाबतीदेवी (2) रवीन्द्र नाथ चटार्जी,
(3) मतीद्र नाथ चटार्जी (4) समरेन्द्र नाथ चटार्जी,
रवीन्द्र नाथ चटार्जी, आफ 10 राजा पिथकरी मोहन
रोड, उत्तर पारा चटार्जी हुगली शैलेन्द्रनाथ, चटनम
आफ 1, शानिन्द्र एवन्यु उत्तर पारा जिला हुगली
(अन्तरक)

(2) श्री तिलोक चाद अणोक कुमार आफ तिलोक चन्द,
जईन कर्ता, 1, चादनी चक स्ट्रीट कलकत्ता ।
(अन्तरिती)

(3) मि० हेनरी एस० क्लार्क 34 डि० मेटकालफ स्ट्रीट
कल० ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

अनुसूची

34 डि० मेटकालफ स्ट्रीट, कलकत्ता मे अवस्थित, 1 कट्टा 10 छटाक (लग्मग) जमिन, साथ मकान जो 29-3-77 तारीख मे रजिस्ट्रीकर्ता राजस्ट्रार आफ एम्पुरेश कलकत्ता मे I-1291 आफ 1977 अनुसार रजिस्ट्रीकृत ।

एन० के० बालमुबरमनियम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख 28-10-77

मोहन :

प्रलूप ग्राईंटी० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती बेला रानी बाम् 5, बरिमा, गरडमन्स, कलकत्ता-61।

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

निदेश सं० ए० मि०-१७/आर०२/कलकत्ता/७७-७८—
प्रतः मुझे आर० बि० लालमौया

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० 23-ए/143/2 है तथा जो डायमन्ड हार्बर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मब-रजिस्ट्रार आफामुरेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-३-७७।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः प्रबृ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री आलंद कुमार

दिनेश कुमार

विनोद कुमार

प्लाट न० 256, 'जिं' ब्लाक निउ अन्तरिती
आलिपुर कलकत्ता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन - 5 काला 3 छटाक 29 स्कोयर फिट न० 243/2, डायमन्ड हार्बर रोड, कलकत्ता।

आर० बि० लालमौया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख : 31- 10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर, 77

स० न० 473.—यत मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी स० 3-1-65 है, जो अमन्त्रापुरम में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
स्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-3-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यादा यादा
प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/पा

(ख) ऐसो किसी भाय या किसी धन या भव्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अन: भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्ननिखित अधिकारी, प्रथम—

(1) श्री जना बीबदरगाजु 2 जना अचिराजू (3)
एन० सुरथ्या (4) एम० वेकटा बालाकूण्ठमूर्ति
5 के० सोमेश्वर शर्मा, (6) पि० शिव कामेश्वर राव
अम्भापूरम।

(अन्तरक)

(2) श्री डि० कृष्णरेडी (2) डि० भास्कररेडी (3) डि०
मोहानरामाशन्द्ररेडी, (4) डि० साता कुमारी (5)
चिन्ता सत्यनारायण रेडी (6) एन० वीर राधवरेडी
(7) एन० वेकटरेडी (8) के० वेकट सूर्यनारायण
रेडी, (9) के० पोतुराजू, काकिनाडा मैसर्स रमा
पिक्चर पेलेम अमलापुरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में
दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रिजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-3-77
में पंजीकृत दस्तावेज न० 643/77 में निराभित अनुसूची सप्ति ;

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)’
, अर्जन रेज काकिनाडा

तारीख : 25-10-77

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर, 1977

स० 474 :—यतः, मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी स० 4-1-40 है, जो गन्टूर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गन्टूर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-4-77
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवति —

7-336GI/77

1. श्री एम० कुटुंबराव, (2) एम० विजयाराव (3)
एम० गोपालराव, (4) एम० कृष्ण कुमारराव
(5) एम० श्रीरामा मूर्ती (6) एम० शतीष
(7) एम० रमेष मिकन्दवाड

(अन्तरक)

(2) श्री मंडवा रामचन्द्रा राव गुन्टूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्राधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

गन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-4-77 में
पंजीकृत दस्तावेज न० 1209/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 25-10-77

मोहर :

प्र० ग्राहीन टी० एन० एस०—

(1) श्री टी० कामी विस्वनाथराव विजयवाडा।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती उप्पलापाटी कृष्णकुमारी विजयवाडा

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

सं० न० 472.—यत मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी म० 781/ए० 1 है, जो विजयवाडा मे स्थित
है (और इसमे उपादान अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा मे भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 9-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उआधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-3-77
मे पजीकृत दस्तावेज न० 343/77 मे निगमित अनुसूची सपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख 25-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—
अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० आर० ए० मी० न० 126/77-78 —यत् मुझे, के०
एम० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० 16/448-42-6 है, जो राममृतनगर
नेलूर में स्थित है (और इसमें उपान्न अनुमूली में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
15-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुडूर बुजम्मा पति अदोशेण रेडी, राममृति
नगर, नेलूर ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री गुमीडेला वेनकटनारायणा पिता धेनगप्पा शेट्टी
लकड़ी का मर्केट रनगरायकुलपेट, नेलूर
2. श्रीमती मुशीडेल पदमाबतम्मा पति जीवेनकटर-
मनया रनगरमय कुलपेट, नेलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

धर न० 16/448 42-6 राममृतनगर, नेलूर रजिस्ट्री
की गई है दस्तावेज न० 463/77 सब-रजिस्ट्री कार्यालय, नेलूर
में ।

के० ए० वेकटरामन
भक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 3-11-1977
मोहर ।

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

सं० आर० ए० सी० न० 127/77-78 :—यत., मुझे, के०
एस० वेक्टर रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सत्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 55 है, जो वडेपल्ली वर्गल जिला में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्णुरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, वर्गल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यात्रा गया प्रतिफल निम्ननिषित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिन में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

- (1) सर्वेश्वी नला रामास्वामी पिता गट्या (2) हेमडी-राजया पिता दानया, (3) नला कीमरया पति कनकया (4) शीनुमुला बसवया कीमन्द, (5) ईनुमुलामानी क्यम पिता कीमरया (6) नला येरागटु पिता वीरया (7) एम० रामया पिता बीरया वडेपली सीबार वरगल में रहते हैं।

(अन्तरक)

- दी सैट्रल येक सैम अपीसीयल ब्वापरेट हौसिग मोमाईटी लि० हनमकोन्डा, वरंगल जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 55 में है वडेपल्ली सीवैर में वरगल रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज नं० 604/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय वरगल में जिसके आजु बाजु में है

उत्तर जमीन नरारमास्वामी का

दक्षिण : सर्वे नं० 51 और 52

पूर्व : सर्वे नं० 54 और 98

पश्चिम : जमीन कासावीईता राजव्या का

के० एस० वेक्टर रामन
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 3-11-1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 77

सं आर० ए० सी० 128/77-78 — यसः, मुझे कें०
एस० वैकटरामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सम्बन्धीय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 9/477 का भाग है, जो मैदूकूर रास्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्ना० प्राधिकारी के कार्यालय, प्रोद्वतूर, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-3-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के
लिए;प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—(1) श्री टी० शनकरनारायन वासु ब्रदर्स के द्वारा प्रोद्वतूर
(अन्तरक)(2) श्री बदवेलीगुखी रेही पोता पेदापुता रेही
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति का न० 9/477 का भाग मैदूकूर रास्ता प्रोद्वतूर
जिसका दस्तावेज न० 428/77 और रजिस्ट्री कार्यालय प्रोद्वतूर
में हुआ है ।के० एस० वैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री टी० बाला क्षीशनाराय और (2) टी० वासुदेवराय, प्रोदूर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1977

म० ग्राम० प० सी०-129/77-78 .—यत्, मुझे, कै० एस० वेकटरामन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु भूमि अधिक है

और जिसकी स० 9/477 का भाग है, जो मैदान रास्ता प्रोदूर में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट, अधिकारी के कार्यालय, प्रोदूर में भागीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 21) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

सम्पत्ति का न० 9/477 का भाग है, मैदान रास्ता प्रोदूर में दस्तावेज न० 429/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय प्रोदूर में रजिस्ट्री की गई है।

कै० एस० वेकटरामन,
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269य के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 5-11-1977
मोहर .

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

(1) (1) श्री टी-पदमनाभारात (2) श्री टी-नरसीम्या-
रात—वासु ब्रदर्स के द्वारा-प्रीदटूर ।

(ग्रन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आर०ग० सी० न० 130/77-78 —यत, मुझे,
के० एस० वेकट रामन,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
में प्रधिक हैश्रीर जिसकी न० 9/477 का बाग है, जो मैदान रास्ता
प्रीदटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूली में श्रीर पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्स अधिकारी के कार्यालय, प्रीदटूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 10-3-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भ
वास्तविक रूप से कर्यत नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
श्रीर/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;अन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित घोषितयों, अर्थात्:—(2) श्री बदवलीं गीरवी रेड्डी पीता-पेदा-पुलारेड्डी-राजदी रोड़
प्रीदटूर (अन्तरिती)जो यह सूचना आरोपित करके पूर्वांक मध्यन के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के गजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समयी व्यवितयो पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति मे द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुमूली

सम्पत्ती का न० 9/477 का बाग है मैदान रास्ता प्रीदटूर
मे—रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 427/77 उपरजिस्ट्री
कार्यालय प्रीदटूर मे है।के० एस० वेकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 5-11-1977

मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ध०(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 131/77-78 :—यतः मुझे, के० एस० वेकटरामन
 ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध०(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में अधिक है

और जिसकी सं० 9/477 का बाग है, तथा जो मौदकुर प्रोट्रॉटूर में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रोट्रॉटूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 10-3-77

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धत प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्राम ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

गतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ध० सरण में से, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ध० की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः :—

(1) श्री टी० विश्वनाथराय, (2) श्री टी० आनन्द राय वासु ब्रदर्स के द्वारा प्रोट्रॉटूर

(अन्तरिती)

(2) श्री बदवेली सुबारेहु विना सुबारेहु गनदी रास्ता प्रोट्रॉटूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीधी व्यवित्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्राम व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही ग्राम होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सपत्ति नं० 9/477 जिसका बाग है मैदकर रास्ता प्रोट्रॉटूर में दस्तावेज नं० 439/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय प्रोट्रॉटूर में है।

के० एम० वेकटरामन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेजः हैदराबाद

तारीख : 5-11-1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एम० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1977

सं० आर० ए० सी० 132/77-78:—यतः, मुझे के० एस० वैकटरामन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9/477 का बाग, जो मैदानी रास्ता प्रोटोटर में स्थित है (और इस उपाबण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोटोटर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित लाइसेंस से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्—

8—336GI/77

(1) श्री टी० लक्ष्मणराय, (2) टी० गोपालकृष्णन राय वासु ब्रवर्स के द्वारा प्रोटोटर में

(प्रन्तरक)

(2) श्री बद्रेली प्रभाकर रेड्डी पिता गीखी रेड्डी गानदी रास्ता प्रोटोटर में

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 9/477 का बाग मैदानी रास्ता प्रोटोटर रजिस्ट्री की गई है इस्तावेज नं० 430/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय प्रोटोटर में।

के० एस० वैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री टी० वेंकटाचेलम, (2) टी० नारायण दोनों
वासु ग्रदसे के द्वारा प्रोद्दूर में (मन्त्रिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 133/77-78 :—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकटरामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 9/477 का बाग है, जो मंदकूर रास्ता
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुमूली में और पूर्ण
रूप से अविंत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रोद्दूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-3-77 कोपूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और मन्त्ररक (मन्त्रिक) और मन्त्रिती (मन्त्रि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के मन्त्ररक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, लिखने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित विवितों, अर्या:—(2) श्री बद्रेली गोपाल रेही पिता बुखीरेही शाजदी
रास्ता प्रोद्दूर (मन्त्रिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उक्त
कार्यालय करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिक द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का नं० 9/477 का बाग है मंदकूर रास्ता प्रोद्दूर
में रजिस्ट्री की गई दस्तावेज नं० 431/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय
प्रोद्दूर में है।के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबादतारीख 5-11-1977
मोहर .

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, भट्टिडा
भट्टिडा, विनाक 4 नवम्बर 1977

निवेश सं० आर० पी० 53/77-78—यत् मुझे, पी० एन०
मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मलोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
भी ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यत्: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कौर सिंह, जोगिन्द्र सिंह पुत्र कर्म सिंह, वधवा सिंह,
जसवीर सिंह कौर, पुत्री मुकन्द सिंह, वासी मलोट।
(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार, कौशल्या देवी पत्नी पन्ना लाल
पुत्र श्री रुद्राराम, मलोट।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जैसा कि अनुसूची में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलोट में एक दुकान जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1501
जनवरी, 1977, मलोट तहसील में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, भट्टिडा

दिनांक 4-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक
रोहतक, दिनांक 8 नवम्बर 1977

निदेश सं० एस० एन० पी०, 8/76-77—अत. मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स० भूमि 2 कनल, 16 मरला, है तथा जो गांव खरखोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रमत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की व्यपत्ता (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मंगत पुत्र श्री राम नरायण गांव तथा डाकखाना : खरखोदा, तहसील व जिला—सोनीपत । (अन्तरक)

2. (1) जय भगवान उरफ जयभान पुत्र श्री जगराम प्रसोदा ।
(2) श्री दयानन्द पुत्र श्री भगवान सिंह, निवासी कटोर, तहा० व जिला रोहतक ।
(3) श्रीमती लीला वती पुत्री, अंचली,
(5) श्रीमती निरमला पुत्री श्री हरी सिंह, निवासी लाडपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्तानी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 2 कनल 16 मरला, जोकि गांव खरखोदा तहसील सोनीपत में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्री नं० 10997 मेंदी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों सोनीपत के कार्यालय में दर्ज है।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 8-11-1977

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 नवम्बर 1977

निदेश सं० जी० आर० जी०/डी०एस०आई०/1/77-78—
अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षी आयकर आयुक्त
प्रज्ञन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि तथा भवन जो 15 कनाल तथा
12 मरले का है। तथा जो दौलतपुर तहसील, गुडगांव में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रोर्टी अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
प्रौल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य ग्राहकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रतु-
सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269ष को उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्द्र पाल बजाज, मुपुत्र श्री हरभगवान दास बजाज
ए-294, न्यू फ्रेन्ड्ज कालांना,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स उपा स्टड एण्ड एग्रीकल्चरल फार्म (प्राइवेट)
लिमिटेड
बी-7/6, बसन्त बिहार,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सवधी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारूपताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयाय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जोकि 15 कनाल, 12 मरले हैं तथा जिसमें
सैक्टर नं० 9 न० 5/1, 5/2, तथा 6/1 और रिहायशी मकान,
एक मोटर गैरेज, एक नौकर का मकान तथा द्यूबैल, की
बिजली की मोटर के लिये एक कमरा, जोकि गांव दौलतपुर
नजीराबाद तहसील गुडगांव में है।

जायदाद जोकि रजिस्ट्रोर्टी अधिकारी गुडगांव के कार्यालय
में नं० 201, दिनांक 28-4-1977 पर वर्णित है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज, रोहतक ।

दिनांक 8 नवम्बर, 1977 ।

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

आशुलिपिक परीक्षा, 1978

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर, 1977

सं० एफ० 11/6/77-प०-I (ख) — भारत के राजपत्र, दिनांक 19 नवम्बर, 1977 मे गृह मन्त्रालय (आर्थिक और प्रशासनिक सूचार विभाग) द्वारा प्रकाशित स्थिरों के अनुसार नीचे दिए गए पैरा 2 मे उल्लिखित अस्थायी सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अनुमदित, इसाहाराव बंगलौर, भोपाल, बन्दर, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचिन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहटी), हैवराबाद, जयपुर, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, शिलांग, त्रिवेदी तथा विदेश स्थित कुछ चौने हुए भौतीय मिशनों मे 28 मार्च, 1978 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा मे प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे मे सूचित किया जाएगा।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं और पदों पर भर्ती की जानी है, उनके नाम और विभिन्न सेवाओं और पदों से सबद्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है :—

(i) भारतीय विदेश सेवा (ख) — (आशुलिपिक उप-सर्वं का ग्रेड II)	10**
(ii) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड ग (इस ग्रेड की चयन सूची मे सम्मिलित करने के लिए)	4**
(iii) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा- ग्रेड ग (इस ग्रेड की चयन सूची मे सम्मिलित करने के लिए)	*
(iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा—ग्रेड ग	*
(v) भारत सरकार के कुछ अन्य विभागों/ संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों मे आशुलिपिकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख)/रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा मे सम्मिलित नहीं है।	

*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गईं।

**अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई है, तो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 मे उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के संबंध मे परीक्षा मे प्रवेश के लिए आवेदन कर सकती है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा मे प्रवेश पाना चाहता है तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा-7 मे उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

नोट — इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभ.गो/कार्यालयों का केवल अप्रेंजी आशुलिपिकों की ही आवश्यकता होगी; और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उन्ही उम्मीदवारों मे से की जाएगी जिन्हे लिखित परीक्षा तथा अंग्रेजी के आशुलिपिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुशासित किया जाता है (दृष्टव्य; नियमावली के परिणाम I का पैरा 4)।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र मे यह स्पष्ट रूप से बताना होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छा, ताकि उसके स्थान को ध्यान मे रखते हुए, नियुक्ति करने समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र मे सेवाओं/पदों के लिए मूलत उल्लिखित वर्ग यता क्रम मे परिवर्तन से सबद्ध किसी भी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा करने का अनुरोध आयोग द्वारा निर्धारित आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अतिम तारीख को या उससे पूर्व संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय मे प्राप्त न हो जाए।

5. परीक्षा मे प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-पत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रूपए भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनी आर्डर या सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेसी नोट स्थीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-पत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपए की यह राशि किसी भी हालत मे वापस नहीं की जाएगी।

नोट—1 : डाक द्वारा आवेदन पत्र और परीक्षा का विवरण मांगने के लिए किया जाने वाला अनुरोध आयोग के कार्यालय मे 26-12-77 तक पहुंच जाना चाहिए। पर व्यक्तिगत रूप से आयोग के कार्यालय से आवेदन-पत्र 2-1-78 तक मिल सकते हैं।

नोट—2 : उम्मीदवारों को जेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र आशुलिपिक परीक्षा, 1978 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र मे ही प्रस्तुत करें। आशुलिपिक परीक्षा, 1978 के लिए निर्धारित प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विवार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन:-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौनपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 2 जनवरी, 1978 को या उससे पहले (2 जनवरी, 1978 से पहले की तारीख से विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्ष्यद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 16 जनवरी, 1978 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष्यद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए वह सक्ता है कि वह 2 जनवरी, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष्यद्वीप में रह रहा था।

7 परंपरा में प्रवेश चाहे वहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन:-पत्र के साथ आयोग को ₹ 12.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 3.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय रेखाक्रित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भी फिर्सी भी शाखा से जारी विए गए रेखाक्रित बैंक फ्राप्टस के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राज्यपूत या विदेश स्थित प्रिंसिपल वार्यालिय में जमा वरना होगा ताकि वह “051. लोक सेवा आयोग-पर्सनल शुल्क” के नेखंशर्प में जमा हो जाए अर्थात् पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजना चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 8 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट जाते हैं।

8. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हआ वास्तविक किसी पित व्यक्ति है, या वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है या वह नीचे की परिभेषा के अनुसार भूतपूर्व सैनिक है।

“भूतपूर्व सैनिक” का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेना सहित संघ की सशस्त्र सेना (अर्थात् संघ की थल, जल और वायु सेना) में किसी भी रैक में (चाहे सामरिक हो या असामरिक) 2 जनवरी, 1978 के अभिप्रामाणन के बाद कम से कम छह मास की अवधि तक निरंतर सेवा की हो। किन्तु इसमें प्रसम राइफल्स, शिफ्टेस संक्षरिती कोर

जनरल रिजर्व इर्जनियर फोर्स जनरल वर्स्टर्म र मल्टीशियर, संघ सहायक सेना और सीमांत सेना शामिल नहीं हैं, और

(i) जो निर्मुक्त हुआ हो बशर्ते कि ऐसी निर्मुक्ति दुराचार या अक्रमता के कारण पदच्युति या सेवा मुक्ति के रूप में न हो या ऐसी निर्मुक्ति के आवश्यक से रिजर्व में स्थानान्तरित न हुआ हो, अथवा

(ii) जिसको उपर्युक्त निर्मुक्ति या रिजर्व में स्थानान्तरण का पात्र बनने के लिये 2 जनवरी, 1978 को आवश्यक सेवावधि को समाप्त करने में अभी छह मास से कम सेवा करनी हो।

9. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परेक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे ₹ 3.00 (प्रानुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 1.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त या नीचे पैरा 10 में उल्लिखित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परंपरा या घयन के लिये आरक्षित रखा जाएगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार 1977 में ली गई आशुलिपिक परीक्षा में बैठा हो और अब इस परंपरा में प्रवेश पाने के लिये आवेदन करता चाहता हो तो उसे परिक्षा फल या निर्मुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन पत्र अवश्य भेज देना चाहिये ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1977 के परंपरा फल के आधारपर नियुक्ति हेतु अनुशस्ति कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1978 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जायेगा जिस प्रकार नीचे पैरा 9 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवार रद्द करने और शुल्क को वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 28 फरवरी, 1978 को या इससे पूर्व प्राप्त हो जाए।

11. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिये उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

उपाध्यक्ष

उम्मीदवारों को अनुबेद

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली की ध्यान से पढ़ कर यह बेल तंत्र के परीक्षा में बैठने के पाव्र हैं भी या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में चिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विवार नहीं किया जाएगा।

जो उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तथा नियमावली के परिशिष्ट I के पैरा 4 के अनुसार प्रश्न-पत्र (ii) निबन्ध तथा प्रश्न-पत्र (iii) सामान्य ज्ञान का उत्तर हिन्दी में लिखने तथा आशुलिपि परीक्षण हिन्दी में ही देने का विकल्प देता है तो उससे आशुलिपि परीक्षणों के लिये अपने ही बच्चे पर विदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिये कहा जा सकता है जहां इस प्रकार का परीक्षण आयोजित करने के लिये आवश्यक प्रबन्ध उत्तरव्य हो।

2 उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट:—उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट 1 के पैरा 4 के अनुसार अपने आवेदन-पत्र के कालम 12 में स्पष्ट रूप से उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिए, जिसमें वे निबंध तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का उत्तर देने के इच्छुक हैं तथा आशुलिपि परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम माना जाएगा और उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबंध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई भी प्रतिष्ठित नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रश्न-पत्र का उत्तर तथा आशुलिपि का परीक्षण अंत्रों में दिया जाएगा।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपकरणों में या इसी प्रकार के अन्य सगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह सध लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विवार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, स्थायी या अस्थायी हैंसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कमंचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैमिक दर

पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में प्रतिसंयोग में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वह अपने आवेदन-पत्र को, उसके अत में सलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को सल्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले से भेज दी जाए।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट अथवा शुल्क में छूट का दावा करने के समर्थन में प्राप्त प्रमाण-पत्र की प्रमाणित/अभिप्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नोटिस के पैरा 7 और 8 और नीचे पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० x 7 सें. मी. ०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) जहां लाग हों, वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लाग हो वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नीचे पैरा 5)।

नोट:— उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मर्यादा (ii), (iii), (v), तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर आशुलिपि परीक्षण के लिए आवंटा प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1978 के जून मास में घोषित किए जाने की सम्भावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को उस समय तक पार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें आयोग की प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते

है उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का बाबा नहीं कर सकेंगे।

मद (1) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिए गए हैं—

(1) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर :

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यत रेखांकित किया जाए तथा उस पर —“सचिव, सघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाक घर पर देय पोस्ट आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विशेषत या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टल मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों, और न ही सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजा जाएगा। सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :

बैंक ड्राफ्ट, स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए, और सचिव, सघलोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पार्लियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विशेषत या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र —आयोग मामान्यता. जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहां से मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समूचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समरक्ष प्रमाण-पत्र को अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त बैंकलिपक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों

में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र को एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिया जा सकता है। उन्हे यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अधि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके हारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग हारा उसके स्वीकृत हो जाने के बावजूद किसी बावजूद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

नोट 3—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एजामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरविंद अन्तर राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर सेकेन्डरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेक्निक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे सबद्ध स्कूल के प्रिसिपल से पैरा 3 (iii) के नीचे नोट 3 के बावजूद निर्धारित प्रपत्र पर लिया गया आयु का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए और इसके अतिरिक्त आयु के प्रमाण के रूप में कोई अन्य प्रमाण-पत्र अपेक्षित नहीं होगा।

नोट 4—जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में हो, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख और शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि

अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने बावें के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पत्र को प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट 1—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठकू की हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह आयोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक रूप से योग्य हो जाता है किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और वह ऐसी अर्हकृ परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है तो वह आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

नोट 2—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस० एस० एल० सी० परीक्षा-परिणाम की प्रविष्टियों वाले पूँछ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 3—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एक्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरविन्द अन्तरराष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर सेकेन्डरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेक्निक के तकनीकी माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो उसे सबूद्ध स्कूल के प्रिसिपल/हैडमास्टर से नीचे नोट में निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म [दृष्टव्य पैरा 3 (ii) का नोट 3 और उपर्युक्त नोट 3] प्रमाणित किया जाता है कि

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी * _____
सुपुत्र/सुपुत्री *श्री _____
इस विद्यालय की _____ कक्षा में जो कि हायर सेकेन्डरी इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एक्जामिनेशन/ श्री अरविन्द अन्तरराष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के हायर

सैकेन्डरी पाठ्यक्रम/दिल्ली पालीटेक्निक तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम* की उपायित कक्षा है, उत्तीर्ण है।

(2) इस विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म की तारीख _____

है, इस तारीख की स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उसकी ओर से प्रस्तुत की गयी विवरण* से पुष्टि कर ली गई है।

हैडमास्टर/प्रिसिपल* के हस्ताक्षर
तारीख _____ (विद्यालय का नाम)
स्थान _____

*जो शब्द लागू न हो, उन्हे काट दे।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सेमी० × 7 सेमी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पूँछ पर चिपका देनी चाहिए और अन्य प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नस्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्याम है—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के माथे ऊपर पैरा 3(i), 3 (iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संस्करण न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी न दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विस्तृ कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुँच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी^१ अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने बावें के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिना अधिकारी या उपमण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सकाम प्राधिकारी के रूप में पद नामित किया हो, नीचे विए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रलिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता प्राधिकारी से लिया जाना चाहिए जहा उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती कुमारी* —

सूपुत्र/सुपुत्री* श्री —

जो गाव/कस्बा* —

जिला/मण्डल* —

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र — के/की निवासी है,

जाति/जन* जाति के/की* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/जन* जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातिया) आदेश, 1950 ।*

संविधान (अनुसूचित जन जातिया) आदेश 1950 ।*

संविधान (अनुसूचित जातिया (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 ।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) संघ राज्य क्षेत्र आदेश, 1951 ।*

[अनुसूचित जातिया और अनुसूचित जन जातिया सूची (आणोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधन और अनुसूचित जातिया तथा अनुसूचित जन जातिया आदेश (मणीधन) अधिनियम, 1976]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातिया आदेश, 1956*

संविधान (अडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातिया आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातिया आदेश (मणीधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1962 ।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातिया आदेश, 1962 ।*

संविधान (पाइचेरी) अनुसूचित जातिया आदेश 1964 ।*

संविधान (अनुसूचित जन जातिया) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 ।*

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जातिया आदेश, 1968 ।*

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1968 ।*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातिया आदेश, 1970 ।*

2. श्री श्रीमती कुमारी* और/या* उनका परिवार आमतौर से गाव/कस्बा* — जिला/मण्डल* राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर

**पदनाम
(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान —
तारीख —
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द खागून हों, उन्हे कृपया काट दे।

मौट — यहां “आम तौर पर रहते/रहती* हैं” शब्दों का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति जन जाति/प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिना मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टापेडरी मैजिस्ट्रेट/डिप्टी मैजिस्ट्रेट/सबा०डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टापेडरी मैजिस्ट्रेट के ओहदे से कम नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेशन का सचिव/डबलपमेट अफसर, लक्ष्मीपुर्ण।

5. (i) नियम 6 (ग) (ii) या 6 (ग) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का और/या उक्त नोटिस के पैराप्राफ 8 के अधीन शुल्क में छूट का वावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को

निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बगाला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रवासन कर भारत आया है:—

- (1) बड़कारण्य परियोजना के ट्राजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अनिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त पश्चिम बगाल निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट का आयुर्या उक्त नॉटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है या भारत आने वाला है।

(iii) नियम 6 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा सयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है निए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तविक में उपर्युक्त देशों से आया है।

(iv) नियम 6 (ग) (vii) अथवा 6 (ग) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में और/या उक्त नॉटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है।

(v) नियम 6 (ग) (ix) अथवा 6 (ग) () के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवारों को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलाग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्स्थापन, रक्षा मत्वालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसको एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा शणान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलाग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट

के रैक न० श्री रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/शणान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलाग हुए और उस विकलागता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर

पदनाम

दिनांक

*जो शब्द लागू न हो, उसे हृपया काट दें।

(vi) नियम 6 (ग) (xi) अथवा 6 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलाग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मत्वालय में नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलाग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म —

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट रैक न० श्री सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलाग हुए और उस विकलागता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर

पदनाम

तारीख

(vii) पैरा 8 के अधीन शुल्क मे छूट चाहने वाले भूतपूर्व सैनिकों को चाहिए कि वे अपने भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाणवस्तुर थन मेना/वायु मेना/तौ मेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए कार्य मुक्ति प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें। उक्त प्रमाण-पत्र से उसके मानस्त्र सेनाओं मे भर्ती की मही तारीख तथा मानस्त्र सेनाओं के रिजर्व से उसके मुक्ति अधिका स्थानन्तरण की तारीख अधिका सामान्य सेनाओं के रिजर्व से उसकी प्रत्याशित निर्मुक्ति अधिका स्थानन्तरण की तारीख का संकेत अवश्य मिलना चाहिए।

नियम 6 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु मे छूट का दावा करने वाले विधाननाम से प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिम क्षेव का वह निवासी है, उसके जिला भजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह विधाननाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और विधाननाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5 (i), (ii) और (iii) मे से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नॉटिस के पैरा 8 के अनुसार शुल्क मे छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति मे नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणपत्र लेहर उसको अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस व्यक्ति के लिए पावता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे अधीष्ट पावता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई सूठा व्यौरा न दे अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाए।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अधिका उसकी प्रति की किसी प्रतिष्ठित को किसी भी स्थिति मे न तो ठीक करे, न उसमे परिवर्तन करे और न कोई फेरबदल करे, और न ही फेरबदल किए गए/शूने प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करे। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों मे कोई असुद्धि अधिका विसंगति हो तो विसंगति के मानदं भे स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप मे यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही श्रमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वत। इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा मे बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को

अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सर्वकारी करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथार्थी दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे मे सप लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सर्वकारी स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले मे विचार किए जाने के दावे से वचित हो जाएगा।

12. पिछल पाच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकालों को प्रतियों की विक्री प्रकाशन मित्रिल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा होती है और उन्हे वहा से मेल आड़ंर द्वारा सीधे अधिका नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हे (1) किंताब महल, रिवोली मिनेमा के मामले, एम्पोरिया बिल्डिंग 'सी०' ब्लाक, बाबा खड्गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शास्त्रा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और कार्यालय, सब लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 का विक्री काउन्टर और (iii) गवनरमेन्ट आफ इंडिया बुकडिपो, 8, के० एम० राय रोड कलकत्ता-1, से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाल विभिन्न मुक्तिमाल नगरो मे भारत सरकार के प्रकाशन एजेटो से भी प्राप्त की जा सकती है।

13. परीक्षा मे सम्मिलित होने के लिए सध लोक सेवा आयोग द्वारा कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

14. आवेदन-पत्र से सबद्ध पत्र-व्यवहार —आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाए तथा उसमे नीचे लिखा व्यौरा अभिवाय रूप से दिया जाए :

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अधिका जाम की तारीख
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों मे)
- (5) आवेदन-पत्र मे दिया गया डाक का पता

ध्यान वें :—जिन पक्षों मे यह व्यौरा नहीं दिया होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

15. पते मे परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र मे उल्लिखित पते पर भजे गए पत्र आविष्कार द्वारा उसको बदले तुए पते पर मिल जाया करें। पते मे किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 14 मे उल्लिखित व्यौरे के साथ, यथार्थी द्वी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय मे यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th October 1977

No A 32014/1/77-Admn III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 17-9-77, the President is pleased to appoint Shri P. S. Sabherwal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 46 days from 16-10-77 to 30-11-77 or until further orders, whichever is earlier.

No A.32014/1/77-Admn III(2) —The President is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 18-10-77 to 2-12-77 to until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Under Secy

(Incharge of Administration)
Union Public Service CommissionMINISTRY OF HOME AFFAIRS
CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 15th October 1977

No. 2/33/77-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. Paul, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as his Private Secretary, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 26th September, 1977, until further orders.

The 28th October 1977

No. 7 RCT 22.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Hingorani, an Assistant Engineer of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19th October, 1977, until further orders.

SHRI NIVAS
Under Secy.

for Central Vigilance Commissioner

New Delhi, the 29th October 1977

CORRIGENDUM

No. 4/13/77-Admn.—For the following Notification printed on page 4589 of the Gazette of India dated 8th October, 1977.—

New Delhi, the 1st November, 1977

No 31014/2/76-Ad. I.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints in a substantive capacity on permanent absorption, the following deputationist officer from the State Police of Tamil Nadu to the post of Dy. Supdt. of Police in S.P.E/C.B.I., with effect from 30-10-77 (F.N.).

Sl. No.	Name of the Officer	Present place of posting	State from which on deputation	Branch wherein he kept on the permanent post of D.S.P. in C.B.I.
1	2	3	4	5
1.	Shri K. A. Rajogopalan, S.P.	E.O.W., Madras	Tamil Nadu	G.O.W., Madras

R. P. GUPTA
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE,

New Delhi-110001, the 27th October, 1977

No P. VII-9/76-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis the following Medical Officers (G.D.O.; Gd. II Dy S.P./Coy Comdr.) as G.D.O., Gd. I (Asstt. Comdt.) in the C.R.P.F. until further orders

Their postings and the dates of handing/taking over charge are indicated against each :—

Sl. No.	Name	Rank and unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank and unit of taking over charge	Date of taking over charge
1.	Dr. Purshottam Panda	G.D.O.; Gd. II G.C. Imphal	30-8-77 (F.N.)	G.D.O.; Gd. I G.C. Mkg.	2-9-77 (F.N.)
2.	Dr. Debendranath Kar	G.D.O.; Gd. II G.C. Neemuch	31-8-77 (A.N.)	G.D.O.; Gd. I G.C., Gandhinagar.	5-9-77 (F.N.)
3.	Dr. T. K. Roy	G.D.O.; Gd. II 56th Bn.	30-8-77 (A.N.)	G.D.O.; Gd. I G C, Pallipuram	31-8-77 (F.N.)
4.	Dr. R. K. Pradhan	G.D.O.; Gd. II 23rd Bn.	2-9-77 (A.N.)	G.D.O., Gd. I G.C., Nagpur	7-9-77 (F.N.)
5.	Dr. Kulomani Mahapatra	G.D.O., Gd. II 52nd Bn.	12-9-77 (F.N.)	G.D.O.; Gd. I G.C.; Bhubaneswar.	12-9-77 (F.N.)
6.	Dr Banchanidhi Acharya	G.D.O.; Gd. II Base Hospital II, Hyderabad	9-9-77 (A.N.)	G.D.O.; Gd. I Base Hospital II, Hyderabad.	9-9-77 (A.N.)
7.	Dr. B.C. Sahu	G.D.O.; Gd. II I.S.A., C.R.P.F., Mt. Abu.	15-9-77 (A.N.)	G.D.O.; Gd. I G.C., Avadi.	18-9-77 (A.N.)
8.	Dr. A. K. Dash	G.D.O.; Gd. II 17th Bn.	24-9-77 (A.N.)	G.D.O.; Gd. I G.C. Rampur	6-10-77 (F.N.)

The 28th October 1977

No. O 11-1057/77-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Kamalakar Somkuwar, J.M.O (GDO, Grade II) Base Hospital I, CRPF New Delhi with effect from the afternoon of 30th Sept., 1977.

The 31st October 1977

No O II-307/69-Estt.—The President is pleased to appoint in a substantive capacity late Shri T. V. Natrajan, Asstt. Commandant, CRPF in the rank of Dy. S. P. w.e.f 17-9-77

No O.II-596/69-Estt.—The President is pleased to appoint in a substantive capacity late Shri Rajender Singh, Asstt. Commandant, CRPF in the rank of Dy. S. P. w.e.f 31-7-77

The 1st October 1977

No. O II-1032/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Jyotsnamai Nayak, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 10th October 1977 (F.N) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 24th October 1977

No E-38013(3)/27/75-Pers.—On transfer to Cochun Shri R. G Thampi relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit ISRO Thumba with effect from the afternoon of 12th September 1977.

No. E-38013(3)/27/75-Pers.—On transfer from Hyderabad Shri K. A. Punnoce assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit ISRO Thumba with effect from forenoon of 22nd September 1977

No E-38013(3)/27/75-Pers.—On transfer to Hyderabad Shri C. Ramaswamy relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Cochin Port Trust, Cochin with effect from the afternoon of 10th September 1977.

No E-16013(1)/1/77-Pers.—On his appointment as Deputy Inspector General Shri H. C. Jatav, IPS(UT-1959), relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit FCI Naya Nangal, with effect from the afternoon of 13th September 1977.

No. E-16013(1)/1/77-Pers.—The President is pleased to appoint Shri H. C. Jatav, IPS(UT-1959) to the post of Deputy Inspector General CISF Unit DSP, Durgapur with effect from the forenoon of 26th September 1977

No. E-38013(3)/9/77-Pers.—On transfer from Haldia Shri R. M. Dash, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit DSP, Durgapur with effect from the forenoon of 23rd September 1977

No. E-38013(3)/13/77-Pers.—On transfer to Kanpur Shri O. P. Bhasin, Asstt. Commandant CISF Unit IPCL Baroda relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 9th September 1977

No. E-38013(3)/13/77-Pers.—On transfer from Durgapur Shri S. K. Banerjee assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 21st September 1977.

No. 38013(3)/13/77-Pers—On transfer from Ranchi Shri Shyamal Roy, relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Heavy Engg Corp Ltd., Ranchi with effect from the forenoon of 19th September 1977 and assumed the charge of the said post at CISF Unit HSL Stock-yard Calcutta with effect from the forenoon of 23rd September 1977

L. S. BISHI
Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 1st November 1977

No. P/Z(1)-Ad I—Shri J. N. Zutshi relinquished charge of the office of Director of Census Operations, Jammu and Kashmir, Srinagar, on the afternoon of 19th October, 1977, on the expiry of the period of his re-employment

The 2nd November 1977

No. 10/13/76 Ad I—The President is pleased to appoint Shri Phool Singh, an Investigator in the office of the Registrar General India, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 9th September, 1977, until further orders, *vice* Shri R. C. Kathuria, who stands reverted to his regular post of Investigator from his *ad-hoc* appointment as Assistant Director of Census Operations (Technical), from the same date.

No. 10/13/76-Ad I—The President is pleased to appoint Shri S C Saxena, an Investigator, in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Bihar in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 26th September, 1977, until further orders, *vice* Shri R. B. Singh, who stands reverted to his regular post of Investigator from his *ad-hoc* appointment as Assistant Director of Census Operation (Technical), from the same date.

No. 10/13/76-Ad I—The President is pleased to appoint Shri D N Mahesh, an Investigator in the office of the Registrar General, India as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 27th September 1977, until further orders, *vice* Shri R. C. Bhargava, who stands reverted to his regular post of Investigator from his *ad-hoc* appointment as Assistant Director of Census Operation (Technical), from the same date.

BADRI NATH
Deputy Registrar General India &
ex-officio Deputy Secretary to
the Government of India

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 24th October 1977

No. 7FC 2(21)-A/77—On transfer from the Planning Commission Shri K B L Mathur, Grade IV Officer of the Indian Economic Service has been appointed as Private Secretary to the Member, Seventh Finance Commission in the scale of Rs 1100—1600 with effect from the forenoon of 1st October, 1977 until further orders

P. L. SAKARWAL
Under Secy

INDIA AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 25th October 1977

No. E.B.I/8-312/77-78/300—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri D. Umamaheswara Rao a permanent Section Officer in the Office

of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs 840—40—1000—FR—40—1200 with effect from 18-10-77 AN until further orders

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors

S. MUKHERJEE
Senior Deputy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
KARNATAKA

Bangalore, the 25th October 1977

No. ESI/A4/77-78/568—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking order,

S/Shri/Smt
1 K RAMAN (2)
2 A C RAMAMURTHY.
3. G MEENAKSHI

M. A. SOUNDARARAJAN
Senior Deputy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR POSTS AND
TELEGRAPHHS

New Delhi-110054, the 26th October 1977

No. Admn. V/599[23(a)(2)]—Shri N Venkateswaran, a permanent Audit Officer in the Posts and Telegraphs Branch Audit Office, Bangalore, has retired from service with effect from 30-9-1977 (A N) on superannuation.

No. Admn V-601[23(a)(2)]—The Chief Auditor, Posts and Telegraphs has been pleased to promote and appoint Shri T. K. Dutta, Section Officer of the Posts and Telegraphs Audit Calcutta Office as Audit Officer in an officiating capacity w.e.f 1-10-1977 till further orders.

The promotion is on an *ad-hoc* basis and subject to revision.

L. C. PATNI
Dy. Chief Auditor

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE DY. CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS & EXPORTS

Hyderabad-500004 the 12th September 1977

CANCELLATION ORDERS

No. J 5/SSI/S I.22/AM77/HYD.—M/s. Jyothi Pharmacy, 3-7, Ram Mandir Marg, Kukatpally, Hyderabad was granted Import licence No. P/S/1824753/C/XX/61/W 43-44 dated 3-12-1976 for Rs. 65,587/- (Rupees sixty five thousand five hundred and eighty seven only.) They have now applied for issue of duplicate copy of 'Exchange Control Purposes' copy has been lost/misplaced without having been utilised at all

2. The applicant has filed an affidavit on stamped paper in support of their contention as required under Para 320, read with Appendix-8 of Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1977-78, I am satisfied that original 'Exchange Control Purposes' copy has been lost/misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under Clause 9(cc) of Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended upto date, I order the cancellation of Exchange Control Purposes copy of licence No. P/S/1824753/C/XX/61/W/43-44 dated 3-12-1976

4 The applicant's case will now be considered for the issue of *duplicate Exchange Control Purposes* copy of the above licence in accordance with Para 320 of Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1977-78

No. S 28/SSI/S.I.22/AM-77/HYD—M/s Sajjan Pharmacy, 4-66/2, Mahatma Gandhi Marg, Kukatpally Hyderabad, A.P. was granted import licence No. P/S/1824751/C/XX/61/W/43-44 dated 3-12-1976 for Rs. 69.125/- (Rupees Sixty nine thousand one hundred and twenty five only). They have now applied for issue of duplicate copy of 'Exchange Control Purposes' copy has been lost/misplaced without having been utilised at all

2 The applicant has filed an affidavit on stamped paper in support of their contention as required under para 320, read with Appendix-8 of Import Trade Control Hand Book of

Rules & Procedure, 1977-78, I am satisfied that original Exchange Control Purposes copy has been lost/misplaced.

3 In exercise of the powers conferred on me under Clause 9(cc) of Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended upto date, I order the cancellation of Exchange Control Purposes copy of licence No. P/S/1824751/C/XX/61/W/43-44 dated 3-12-1976.

4 The applicant's case will now be considered for the issue of *duplicate Exchange Control Purposes* copy of the above licence in accordance with Para 320 of Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1977-78.

K. V. SHARMA
Dy. Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 24th September, 1977

No. A 6/47(8) Vol. IX.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals, substantively against the permanent posts of Assistant Inspecting Officers (Engineering) with effect from the dates mentioned against each:—

Sl. No.	Name of the Officer	Post held at present	Permanent post in which appointed substantively	Date of substantive appointment	Remarks
1	2	3	4	5	6
S/Shri					
1. A. C. Home	· · · · ·	A.I.O. (Engg.) (Retired)	A.I.O. (Engg.)	1-9-1964	Vice Shri A. K. Mondal pt. A.I.O confirmed as Dy. Dr. (S.S.I.O.).
2. D. Gopalacharlu	· · · · ·	I.O. (Engg.) (Retired)	Do.	1-9-1964	Vice Shri K. K. Das confirmed as I.O.
3. R. P. Sehgal	· · · · ·	I.O. (Engg.)	Do.	16-11-1964	Vice Shri S. B. Gupta confirmed as A. D. I. (Met.) who was holding the pt. post of A.I.O. (Engg.).
4. P. C. Ghosh Retd.	· · · · ·	I.O. (Engg.) (Retired)	Do.	1-3-1965	Vice Shri N. K. Ahuja confirmed in the Min. of Railways.
5. Roshan Lal	· · · · ·	I.O. (Engg.)	Do.	1-3-1965	Vice Shri J. W. Raston confirmed in the Min. of Railways.
6. M. K. Mungi	· · · · ·	A.I. (Engg.)	Do.	12-3-1965	Vice Shri R. N. Gupta confirmed as I.O.
7. S. Basu	· · · · ·	A.I.O. (Engg.)	Do.	24-5-1966	Vice Shri G. R. Majumdar (Retired).
8. S.R. Chakraborty (Retd.)	· · · · ·	I.O. (Engg.) (Retired)	Do.	1-11-66	Vice Shri P. K. Mitra (Retired).
9. M. R. Basu (Retd.)	· · · · ·	A.I.O. (Engg.) (Retired)	Do.	21-12-1966	Vice Shri Manohar Singh (expired).
10. S. K. Mukherjee (Retired)	· · · · ·	A.I.O. (Retired)	Do.	1-1-1967	Vice Shri P. R. Movdawala (Retired).
11. D. N. Pandit	· · · · ·	I. O. (Engg.)	Do.	1-6-1967	Vice Shri A. C. Dutt (Retired).

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
12.	D. B. Chowdhury (Retd.)	I.O. (Retired)	A.I.O. (Engg.)	10-8-1967	Vice Shri S. A. Pardanani (Retired)
13.	S. K. Sarkar	I.O.	Do.	3-11-1967	Vice Shri H. A. Romer (Retired).
14.	K. S. Tamber	A.I.O. (Engg.)	Do.	18-11-1967	Vice Shri S. A. Irani (Retired).
15.	N. B. Rao (S.C.)	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-1-1968	Vice Shri P. C. Bhattacherjee (Retired).
16.	S. N. Roy (Retired)	A I O. (Retired)	Do.	1-2-1968	Vice Shri N. Bose (Retired).
17.	T N. Uboveja	I.O. (Engg.)	Do.	3-4-1968	Vice Shri V. S. R. Row (Retired).
18.	H K. Ghosh (Retired)	A.I.O. (Engg.) (Retired).	Do.	15-4-1968	Vice Shri R. M. Talkot (Retired).
19.	Ajoy Kumar Bose	I.O. (Engg.)	Do.	1-6-1968	Vice Shri M. M. Sengupta (Retired).
20.	J. S. Passi	I.O. (Engg.)	Do.	18-6-1968	Vice Shri G. M. Sahi (Retired).
21.	A. T. Nachnani (Retired)	I.O. (Entg.) (Retired)	Do.	10-7-1968	Vice Shri Radha Kishan Retired.
22.	A. Chakravarty	A.I.O.	Do.	14-1-1969	Vice Shri R. M. S. Kandal (Retired)
23.	S. P. Chatterjee	I.O. (Engg.).	Do.	1-5-1969	Vice Shri S. D. Josaj (Retired).
24.	R. N. Roy (Retired)	A.I.O.((Engg.) (Retired)	Do.	24-8-1969	Vice Shri J. L. Das Gupta (Retired).
25.	R. J. Vaziraney (Retd.)	I.O (Retd.)	Do.	11-19-1969	Vice Shri V. S. Karandikar (Retired).
26.	Joginder Lall	I.O.	Do.	13-9-1969	Vice Shri S. C. Parange (Retired)
27.	K. N. Ganguly	I.O. (Retd.)	Do.	23-12-1969	Temporary post made permanent.
28.	U. R. Majumdar (S.C.)	A.I.O.	Do.	23-12-1969	Do.
29.	S. C. Sengupta	A.I.O.	Do.	23-13-1969	Do.
30.	N. P. Rao	A.I.O. (Retd.)	Do.	23-12-1969	Do.
31.	A. K. Sur	I.O. (Engg.)	Do.	23-12-1969	Do.
32.	Bibhut Roy	A.I.O. (Retd.)	Do.	23-12-1969	Do.
33.	S. V. Ambaye	A I O.	Do.	23-12-1969	Do.
34.	T. R. RamaSwamy	A.I.O.	Do.	23-12-1969	Do.
35.	D. N. Roy	A. I.O. (Retd.)	Do.	23-12-1969	Do.
36.	A. K. Ghosh	A.I.O.	Do.	23-12-1969	Do.
37.	S. K. Basu	A.I.O.	Do	23-12-1969	Do.
38.	T. K. Mukherjee	I.O. (Engg.)	Do.	23-12-1969	Do.
39.	R. P. Mondal (S.C.)	A.I.O.	Do.	23-12-1969	Do.
40.	M. S. Naik	A.I.O	Do.	23-12-9969	Do.
41.	S. P. Gupta	A.I.O.	Do.	23-12-1969	Do.
42.	K. M. Krishnamurthy (Retd.)	A.I.O. (Retd.)	Do.	23-12-1969	Do.
43.	K. Subramani	A.I.O.	Do.	23-12-1969	Do.
44.	P. T. Krishnamachar	A.I.O.	Do.	1-1-1970	Vice Shri S. N. Mookerjee (Retired).
45.	S. V. Mate	A.I.O. (Engg.),	Do.	2-1-1970	Vice Shri Amlok Singh (Retired).

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
46. B. B. Das (S.C.)	.	I.O. (Engg.),	A.I.O. (Engg.)	19-2-1970	Vice Shri R. K. Aggarwal (Retired).
47. E. Ummerjutty	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	2-4-1970	Vice Shri B. R. Kaith (Retired).
48. Manoranjan Guha	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	7-4-1970	Vice Shri V. B. Alekar (Retired).
49. R. K. Sarkar	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-5-1970	Vice Shri S. Nag (Retired).
50. V. V. Rao	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-6-1970	Vice Shri R. M. Gonpule (Retired)
51. P. Gajapathy Raj	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-6-1970	Vice Shri S. B. Dutta (Retired).
52. Avtar Singh	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-9-1970	Vice Shri R. N. Roy (S. No. 24 Retired).
53. S. S. Puri	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	24-10-1970	Vice Shri C. S. Rao (Retired).
54. Davasis Chatterjee	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	10-12-1970	Vice Shri B. S. Bakshi (Retd.).
55. S. P. Gupta	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-1-1971	Vice Shri K. K. Kumar (Retired).
56. A. F. Purshotaman (Retired)	.	A.I.O. (Engg.), (Retired)	Do.	17-1-71	Vice Shri S. S. Thakur (Retired).
57. Charanjit Singh	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	18-2-1971	Vice Shri S. N. Roy S. No. 16 (Retired).
58. J. K. Gupta	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-5-1971	Vice Shri J. N. Viz (Retired).
59. H. N. Ghosh	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	11-7-1971	Vice Shri B. T. Gulrajani (Retd.)
60. D. R. Mehere (S.C.)	.	I.O. (Engg.)	Do.	7-10-1971	Vice Shri A. L. Bansal (Retired).
61. D. S. Chowdhary	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-1-1972	Vice Shri R. D. Banerjee (Retd.).
62. Jyotirmoy Dutta (Retired)	.	A.I.O. (Engg.), (Retired)	Do.	3-1-1972	Vice Shri R. N. Dhingra (Retd.)
63. S. K. Khanjo	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	7-2-1972	Vice Shri B. Roy S. No. 33 (Retired).
64. N. B. Sreenivasa Rao (Retired)	.	A.I.O. (Engg.), (Retired)	Do	19-6-1972	Vice Shri N. A. Subramanyam (Retd.)
65. N. N. Patel (S.T.)	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-9-1972	Vice Shri K. M. Dutta (Retired).
66. Dharam Singh	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	2-9-1972	Vice Shri J. K. Kadri (Retired).
67. G. L. Rajak (S.C.)	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	20-9-1972	Vice Shri G. S. Sarkar (Retired).
68. S. Nagarajan	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	14-10-1972	Vice Shri A. F. Purshotham at S. No. 56 (Retd.).
69. R. C. Sharma	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-11-1972	Vice Shri B. N. Bhattacharya (Retired)
70. Darbara Singh (S.C.)	.	A.I.O. (Engg.)	Do.	1-11-1972	Vice Shri D. N. Roy at S. No. 35 (Retired).

The 26 October 1977

No A-1/1(1070).—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri V. Thyagarajan as Assistant Director (Grade I) Grade III of the Indian Supply Service Group 'A' on Probation with effect from the forenoon of the 26th Sept, 1977 and until further orders.

2. On appointment to Grade III of Indian Supply Service Shri Thyagarajan assumed charge of post of Asstt. Director (Gr. I) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on the forenoon of the 26th Sept, 1977

The 28th October 1977

No. A-1/1(1068).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Surjit Singh Mago, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 22nd October, 1977 and until further orders.

The appointment of Shri Mago as an Assistant Director (Grade II) in the same Dte General at New Delhi with effect Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi

The 29th October 1977

No. A-1/1(1072).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Hukam Singh, Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same Dte General at New Delhi with effect from the forenoon of 22nd October, 1977 and until further orders.

2. The appointment of Shri Hukam Singh as Assistant Director (Gr. II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 31st October 1977

No. A-1/1(1054).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri Dev Raj, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same Dte. General at New Delhi with effect from the forenoon of 22nd October, 1977 and until further orders

2. The appointment Shri Dev Raj as Assistant Director (Gr. II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 1st November 1977

No. A-1/1(1066).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri G. Madhusudhana Rao to officiate as Assistant Director (Grade II) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 30th September, 1977 and until further orders.

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 26th October 1977

No 10/72/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. Shankaran to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Amritsar with effect from 28-9-1977

No 10/119/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Padmanabh Bhardwaj to officiate as Assistant Engineer at Monitor Vibhag, All India Radio Simla with effect from 13-6-77.

The 28th October 1977

No 10/60/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri N. Nagarajan to officiate as Assistant Engineer at HPT, All India Radio, Bombay w.e.f. 8-9-77.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Admin.
for Director General.

New Delhi, the 27th October 1977

No. 6(4)/62-SI.—On attaining the age of superannuation Shri K. C. Das, Programme Executive, All India Radio, Calcutta retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th September, 1977.

No 4(9)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Chabu Medhi as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from 24th September, 1977 and until further orders

No 4(26)/77-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Mamta Ahmed as Programme Executive, All India Radio, Delhi in a temporary capacity with effect from 11th October, 1977 and until further orders.

No 4(50)/77-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ashok Kumar Sharma as Programme Executive, All India Radio, Indore in a temporary capacity from 10th October, 1977 and until further orders.

The 29th October 1977

No 4(36)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Dr. Adarsh Saxena as Programme Executive, All India Radio, Bikaner in a temporary capacity with effect from 4th October, 1977 and until further orders

The 1st November 1977

No 4(14)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Shambhu Lal Kandara as Programme Executive, All India Radio, Allahabad in a temporary capacity with effect from afternoon of 10th October, 1977 and until further orders.

No 4/29/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rajendra Prasad Bohra as Programme Executive, All India Radio, Jaipur in a temporary capacity with effect from 10th October, 1977 and until further orders.

N K BHARDWAJ
Dy. Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 26th October 1977

No 17/16/49-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri V. K. Nair, Permanent Senior Bookie & Offg. Salesman in the Films Division, Madras to officiate as Branch Manager in the same office with effect from the forenoon of the 17th October, 1977 vice Shri R. C. Khanna, Permanent Branch Manager granted leave.

The 28th October 1977

No. 17/59/49-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri R. P. Sharma, Permanent Salesman, Films Division, Lucknow to officiate as Branch Manager in the same office from the forenoon of 17-10-1977 vice Shri G. K. D. Nag, Permanent Branch Manager granted leave.

No 2/2/63-Est I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri P. V. Rao, officiating Salesman, Films Division, Nagpur to officiate as Branch Manager in the same office from the forenoon of 15-10-1977 vice Shri J. R. Halder Permanent Branch Manager granted leave.

M. K. JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 29th October 1977

No. A. 12026/8/77-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints the following Distribution Assistants of this Directorate as Assistant Distribution Officers on ad-hoc basis at the Regional Distribution Centres and from the dates shown against each, until further orders.

Name	Name of Regional Distribution Centre	Date of appointment
1. Shri A. Madhava Swamy . . .	R. D. C. Madras	6-10-77 (afternoon)
2. Shri V. M. Amalraj . . .	R D.C. Bombay	22-10-77 (F.N.)
3. Shri Amar Singh . . .	R.D.C. Calcutta	10-10-77 (F.N.)

R. DEVASAR
Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 31st October 1977

No. A 12025/15/76(RAK)Admn.I.—Consequent on the acceptance of her resignation from Government service, Kumari Meena Vij relinquished charge of the post of Lecturer in Chemistry at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, on the afternoon of 15th September 1977.

No. A 12025/4/77(HQ)Admn I.—The President is pleased to appoint Smt. Debi Mukherjee to the post of Assistant Secretary (Prevention of Food Adulteration) in the Directorate General of Health Services, New Delhi, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 11th July, 1977, and until further orders.

No. A 31013/4/77(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. R. K. Sood in a substantive capacity against the Permanent Post of Nursing Adviser in the Directorate General of Health Services, New Delhi, with effect from the 26th May, 1977.

No. A 32014/4/77(NICT)Admn I.—On the expiry of his present term of appointment in the post of Administrative Officer (National Filariasis Control Programme), Shri M. L. Wadhwa relinquished charge of the post of Administrative Officer (NFCP) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the forenoon of 26th August, 1977.

2. On attaining the age of superannuation, Shri Y. D. Mehta, Administrative Officer (NFCP) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, retired from service on the afternoon of the 31st August, 1977.

3. The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. L. Wadhwa, Superintendent, National Malaria Eradication Programme, Delhi, to the post of Administrative Officer (NFCP) in an officiating capacity at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the afternoon of the 31st August, 1977, and until further orders, *vice* Shri Y. D. Mehta

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

New Delhi, the 31st October 1977

CORRIGENDUM

No. A 12024/4/76(AIIHPH)Admn I.—In this Directorate's Notification No. A 12024/4/76(AIIHPH)Admn I, dated 31-3-77 regarding the appointment of Smt C. Joseph as Assistant Professor of Midwifery Nursing in the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, for "10th March, 1977" read "1st March 1977".

No. A 19020/37/76(JIP)Admn I.—While proceeding on deputation to the University of Madras, Shri V. Anantharaman relinquished charge of the post of Scientific Officer-cum-Tutor (Physiology), Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry on the afternoon of 21st September, 1977.

No. A 12026/26/77-Admn I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt Deepak Virmani to the post of Lecturer in Chemistry at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, with effect from the forenoon of 23rd September, 1977 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

No. A 31013/7/77-Admn I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Dhar in a substantive capacity to the permanent post of Chief Technical Officer, Central Food Laboratory, Calcutta, with effect from the 6th January, 1977.

No. A 32012/1/76(SJ)Admn I.—Consequent on his reversion to the post of Assistant Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, Shri Khinparmal Bhimani relinquished charge of the post of Stores Officer (General Stores) with effect from the forenoon of 8th October, 1977.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 31st October 1977

No. A 12026/4/77-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. Krishnamurthy, Accounts Officer, Office of the Jt. Controller of Defence Accounts (Funds), Meerut as Accounts Officer in the Govt. Medical Stores Depot, Karnal with effect from the forenoon of 3rd October, 1977 until further orders.

SANGAT SINGH
Dy. Director Administration (Stores)

New Delhi, the 1st November 1977

No. A 12024/1/76-Admn I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. L. Kohli to the post of Dental Surgeon under the Central Govt. Health Scheme, with effect from the forenoon of 26th August, 1977 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

No. A 32012/3/76(RAK)Admn I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri H. S. Verma, Office Superintendent, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, to the post of Administrative Officer on an *ad-hoc* basis at the same college with effect from the forenoon of the 1st June, 1977 to the 16th June, 1977 and on an officiating basis with effect from the 17th June, 1977 (forenoon) until further orders.

V. RAMACHANDRAN
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 26th October 1977

No F 4-6(124)/77-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Hitendra Kumar Bishtai has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group-II) in this Directorate at Bombay with effect from 29-9-77 (F.N.), until further orders

V. P CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

Nagpur, the 28th October 1977

No F 2/8/76-DI.—For the purpose of the Govt. of India, Ministry of Foreign Trade, Notifications No 3601-C dated 1-10-1971 and published in the Gazette of India, I hereby authorise the following officers to issue Certificate of Grading

from the date of issue of this notification in respect of Celery seed which has been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of Celery seed and formulated under section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937)

Name of the officers and Designation

1. Shri M. Chakraborty—Asstt Marketing Officer.
2. Shri P. J. Chimalwar—Asstt. Marketing Officer

No. F 2/8/76-DII.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Dept. of Revenue), Ministry of Commerce, notifications No 125, 127 Dt 15-9-1962 and No. 1127. Dt 21-4-1973 and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri Phillip Iteriah, Marketing Officer to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Block Paper Cardamom and Curry Powder which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities and formulated under section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

J. S. UPPAL
Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 30th September 1977

No 7 (7)/77-Confirmation/1100.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the under-mentioned officers in a substantive capacity in the Assistant Administrative Officers' grade (Rs. 650-960) in Bhabha Atomic Research Centre with effect from August 1, 1977.

Sl. No.	Name	Present post held	Division/Unit	Permanent post held
1.	Shri C. Shanker	Under Secretary	Department of Atomic Energy	P.A. in D.A.E.
2.	Shri M. P. Kammath	A.P.O.	Personnel	L.D.C. in B.A.R.C.
3.	Shri M. D. Gadgil	A.P.O.	Desalination & Effluent Engineering	U.D.C. in B.A.R.C.
4.	Shri R. N. Varma	A.P.O.	Isotope Group	U.D.C. in B.A.R.C.
5.	Shri M. V. Ranganathan	A.P.O.	Central Workshops	U.D.C. in B.A.R.C.
6.	Shri H. J. Majumdar	A.P.O.	Personnel (Since retired with effect from 31-8-1977 A.N.)	U.D.C. in B.A.R.C.
7.	Shri K. P. Joseph	A.P.O.	Directorate of Purchase and Stores.	Asstt. in B.A.R.C.
8.	Shri D. P. Kulkarni	A.P.O.	Reactor Group	U.D.C. in B.A.R.C.
9.	Shri P. K. Vijayakrishnan	A.P.O.	Personnel	Stenographer in B.A.R.C.
10.	Shri C. Rajagopalan	A.P.O.	Personnel	U.D.C. in B.A.R.C.
11.	Shri V. V. Saharabudhe	A.P.O.	Personnel	Asstt. in B.A.R.C.
12.	Shri A. N. Kattu	A.P.O.	Personnel	Asstt. in B.A.R.C.
13.	Kum. S. Gopalakrishnan	A.P.O.	Electronics	Steno. in B.A.R.C.
14.	Shri J. Ramamurthy	A.P.O.	Isomed	U.D.C. in B.A.R.C.
15.	Shri D. N. Shetty	A.P.O.	Spectroscopy	Stenographer in B.A.R.C.
16.	Shri T. Ramanujam	A.P.O.	Physics Group	U.D.C. in B.A.R.C.
17.	Shri M. D. Bapat	A.P.O.	Personnel	Asstt. in B.A.R.C.
18.	Shri T. S. Parameswaran	A.P.O.	Engineering Group	Steno. in B.A.R.C.
19.	Shri P. R. Kalambekar	A.P.O.	Lib & Inf. Services	U.D.C. in B.A.R.C.

Kum. H. B. VIJAYAKAR
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 29th October 1977

ORDER

Ref No NFC/PA V/20/Q-1/3281—WHEREAS it was alleged that Shri Quasim Ali, while employed as Watchman, has been frequently remaining absent and that he has been continuously absenting from duty without prior permission with effect from 5-8-1976, and thus committed an act of misconduct in terms of paras 34 and 39(5) of the NFC Standing Orders,

AND WHEREAS the said Shri Quasim Ali was informed of the charges levelled against him, *vide* memorandum No. NFC/PA V/20/Q-1/EM/2346 dated 3-10-1976, wherein he was given an opportunity to make representation against the proposed action within a period of 10 days from the date of receipt of the said memorandum,

AND WHEREAS the said Shri Quasim Ali received the said memo on 9-11-1976, but he did not make any representation against the charges levelled against him,

AND WHEREAS as required under para 41.2 of the NFC Standing Orders, Inquiry Committee was constituted to conduct the inquiry, *vide* order No. NFC/PA V/20/Q-1/2582 dated 15-12-1976,

AND WHEREAS the notice dated 4-7-1977, issued by the Inquiry Officer asking the said Shri Quasim Ali to be present at the hearing on 14-7-1977, was received by him on 8-7-1977

AND WHEREAS the said Shri Quasim Ali did not turn up for the hearing.

AND WHEREAS the said inquiry proceedings were held *ex parte*,

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted the inquiry report holding the charges framed against the said Shri Quasim Ali as proved,

AND WHEREAS the said Shri Quasim Ali was issued with a show cause notice No. NFC/PAV/20/1781 dated 8-8-1977, asking him as to why he should not be removed from service,

AND WHEREAS the said Shri Quasim Ali did not submit any representation,

AND WHEREAS the undersigned is satisfied that the said Shri Quasim Ali has committed a grave misconduct by remaining absent for a prolonged period without prior permission or intimation and, therefore, he is not a fit person to be retained in service,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 28(1)/68-Adm dated 3-12-1970, hereby orders that the said Shri Quasim Ali be removed from service with immediate effect.

S. P. MHATRE
Senior Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 17th October 1977

No. RRC/PR/117/71/16288.—The Project Director, Reactor Research Centre regrets to announce the death of Shri Edayapurath Narayanan Nair a permanent Assistant Accountant of Bhabha Atomic Research Centre, Bombay and officiating Assistant Accounts Officer of this Research Centre, on September 7, 1977.

The 19th October 1977

No. A32013/4/77/R—The Project Director, Reactor Research Centre, hereby appoints Shri R. N. Palani, a temporary Foreman of this Centre as Scientific Officer Grade SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 2, 1977 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN
Sr Administrative Officer
for Project Director, Reactor Research Centre

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 28th October 1977

No E(1)06059.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. C. Gupta as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6th October, 1977 and until further orders.

Shri Gupta is posted to Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No E(1)06736.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. K. Bansal, as Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23rd September, 1977 and until further orders.

Shri Bansal has been posted at the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No E(1)06792.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. C. Sinha Ray as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the afternoon of 14th September, 1977 and until further orders.

Shri Sinha Ray has been posted to the Office of the Deputy Director General of Observatories (Climatology), Pune

No E(1)07853.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Prabodh Kumar Jain as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd September, 1977 and until further orders.

Shri Jain is posted to Headquarters office of the Director General of Observatories New Delhi.

M. R. N. MANIAN,
Metcorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th October 1977

No. A. 32013/9/76-E.C. In continuation of this Department Notification No. A. 32013/9/76-EC dated the 27th September, 1977, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment in respect of the following three Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer beyond 31-8-77 for a further period of six months or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier :

Sl. No.	Name	Station of Posting
1.	Shri N. R. Swamy	Controller of Aeronautical Inspection, C.A.D. Hyderabad.
2.	Shri V. K. Khandelwal	Controller of Aeronautical Inspection, C.A.D., Calcutta
3.	Shri S. K. Saraswati	Director, Radio Const. & Dev. Units, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A. 32013/4/77-E C—In continuation of this Department Notification No. A 32013/4/77-E C, dated the 7th June, 1977, No. A. 32013/4/77-E C dated the 14th June, 1977, No A 32013/4/77-E C, dated the 18th/20th July, 1977, and No A 32013/4/77-EC dated the 28th July, 1977. The President is pleased to extend the ad-hoc appointment in respect of the following five Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer beyond 28-7-77 for a further period upto 31-12-77 or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier :

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri K. S. Beble	A.C.S. Madras
2.	Shri B. A. Bellappa	A.C.S. Bangalore
3.	Shri Pritpal Singh	A.C.S. New Delhi.
4.	Shri J. H. Lance	Regional Office, Safdarjung Airport, New Delhi
5.	Shri K. S. Gopalan	A.C.S. Madras

S D SHARMA, Dy. Director of Admin.

New Delhi, the 28th October 1977

No A 12025/1/77-EW—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. R. Biswas to the grade of Assistant Fire Officer, in the Civil Aviation Department with effect from the 31-8-1977 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Regional Controller of Aerodromes, Bombay Region, Bombay.

S. D. SHARMA,
Dy. Director of Admin.
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 26th October 1977

No A 32012/1/77-ES—On Attaining the age of superannuation Shri P. Subramaniam, Administrative Officer (ad hoc) in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st July, 1977

S L KHANDPUR,
Assistant Director of Administration

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : MADHYA PRADESH

Indore, the 22nd August 1977

No. 1.—Consequent upon the merging of the Office of the Deputy Collector, Central Excise Bhopal with the Office of the Collector of Central Excise, Indore, Shri G. Sarangi lately posted as Deputy Collector, Central Excise Bhopal has assumed the charge of Deputy Collector of Central Excise Hqrs Office, Indore in the forenoon of 12-7-1977.

No. 2.—Consequent upon his transfer Shri B. D. P. Rao lately posted as Assistant Collector (Prev.) M P & Uidarbha Collectorate Hqrs. Office, Nagpur has assumed the charge of Assistant Collector (Hqrs) M P Collectorate Hqrs. Office, Indore in the forenoon of 21-7-1977.

No. 3.—Consequent upon his transfer Shri R. C. Singh lately posted as Assistant Collector (Valuation) in M. P. & Uidarbha Collectorate Hqrs. Office, Nagpur has assumed the charge of Assistant Collector (Valuation) M P. Collectorate Hqrs. Office Indore in the forenoon of 21-7-1977.

No. 4.—Consequently upon his transfer Shri R. M. Pande, lately posted as Assistant Collector (Audit) M P. & Uidarbha Collectorate Hqrs. Office, Nagpur has assumed the charge of Assistant Collector (Technical)/Audit/(Preventive) M P. Collectorate Hqrs. Office, Indore in the forenoon of 20-7-1977

M. S. BINDRA, Collector.

Bombay-400020, dated the

No. Estt /12/1977-78.—In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise (Seventh Amendment) Rules 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in sub-rule (2) of the Persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excise and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in section 33 of the Act are as follows.

Sr. No.	Name of the person	Address	The provision of the Act contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
1.	Shri Navnithbhai Keshavlal Shah Partner of M/s. Nutan Dye Works Plot No. 442, Road No. 28, Wagle Industrial Estate, Thana.	192-Guru Prasad, Sion (East) Opp. Jain Dairy, Bombay-22.	Section 91(b), 91 (bb), of C. Ex. & Salt Act, 1944.	Sentence of S. I. for one day, and fine Rs. 1000/- or in default R. I. for 3 months on each count.
2.	Shri Chandubhai Maganbhai Patel C/o Yashodhara Tobacco Store, Lalbaug, Bombay-12.	At and Post Kham- bolaj Taluka Anand Distt. Khaira	Section 91(a), 91(b) read with 91(d), 91(bb) 91 (bbb) of C. Ex. & Salt Act, 1944.	Sentence of S. I. for one day, and fine Rs. 4000/- or in default R. I. for three months under Sec. 91 (bbb). No separate sentence under Section 91(a), 91(b), r/w 91(d) and 91 (bb) of C. Ex.s and Salt Act, 1944.

II DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS

NIL

Sd./ILLEGIBLE

Collector of Central Excise, Bombay

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 26th October 1977

No. A-19012/12/77-Adm V—Consequent upon his selection as Small Scale Industries Field Officer in Allahabad Bank, Calcutta Shri A. K. Chakrabarti, relinquished charge of the post of Extra Assistant Director with effect from the afternoon of the 30th September, 1977

The 29th October 1977

No. A-19012/25/77-Adm. V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. L. Dutta, Design Assistant as Extra Assistant Director in the Central Water Commission, on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 30th September, 1977 until further orders.

Shri R. L. Dutta assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in the Central Water Commission w.e.f. 30-9-1977

No. A. 32014/1/77-Adm. V—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Supervisors, who satisfy all the conditions of the 'Next Below Rule', while on deputation/foreign service to ex-cadre posts, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer, in the pay scale of Rs 650-30-740-35-810-E B -35-880-40-1000-E B -40-1200, in absentia, in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 3rd June, 1977, until further orders:—

Sl. No	Name of Officer	Where deputed
1.	Shri S. S. Thind	Republic of Iraq
2.	Shri K. N. Gianey	Delhi Administration
3.	Shri C. M. Mirani	Republic of Iraq.
4.	Shri H. R. Bhagat	Chukha Hydel Project, Bhutan.

2. Shri S. S. Thind and C. M. Mirani will be on probation for a period of two years with effect from the dates they assume charge of the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission on reversion from foreign service.

3. Shri K. N. Gianey will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer, for a period of two years with effect from 3-6-77 (F.N.).

4. Shri H. R. Bhagat will be on probation for a period of two years w.e.f. 23-8-1977, the date of his taking over charge of the post on his reversion from the Chukha Hydel Project.

J. K. SAHA,
Under Secretary,
Central Water Commission

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 15th October 1977

No. 1/33/7/76-ECIX/27/47/77-ECIX.—Engineer-in-Chief is pleased to appoint Shri Suraj Prakash Pal a nominee of the UPSC against the temporary post Deputy of Architect (GCS Group A) in the CPWD on the pay to be fixed according to rules after satisfactory completion of period of probation of two years. For the present he will draw Rs 700/- P.M. in the scale of Rs 700—40—900—EB—40—1000—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 26-9-77 FN on the usual terms and conditions. His pay

11—335GI/77

will however be fixed in the aforesaid scale after he has completed probation.

2. Shri Pal is placed on probation for a period of two years with effect from 26-9-1977 (FN).

D. P. OHRI,
By Director of Administration

INTEGRAL COACH FACTORY

GENERAL MANAGER'S OFFICE
PERSONNEL BRANCH/SHELI.

Madras-38 the 28th October 1977

No. PB/GG/9/Misc II.—Sri G. M. Panchatcharam (SC) Confidential Assistant to CME (Cl. III) has been promoted to officiate in Class II service as Asst. Personnel Officer/Reservation from 17-8-77

Sri N. Sundaram, Offg. Programmer (Cl. II) (ad hoc) has been reverted to Cl. III service from 20-8-77.

Sri V. Dilh Baboo, Offg. Asst. Personnel Officer, (Class II) of Southern Railway on transfer from that Railway reported for duty in this Admn. on 19-8-77 and has been granted 3 days 1 AP from 19-8-77 to 21-8-77. He has been posted as Offg. Welfare Officer (Cl. II) from 22-8-77 to 26-9-77 and promoted to officiate in Senior Scale as Senior Personnel Officer/Pay Commission (SS) (Ad hoc) from 27-9-77

Sri K. N. P. Pillay, Asst. Personnel Officer (Class II) has been relieved on 22-8-77 FN to carry out his transfer to Southern Railway

Sri M. N. Krishnamoorthy, Offg. Senior Accounts Officer/Finance (SS) has been reverted to Class II service from 1-9-77

Sri Syed Niamathullah, Offg. Production Engineer/Progress/Fur. (SS), has been reverted to Class II service from 23-9-77.

S. VENKATARAMAN,
Dy. Chief Personnel Officer,
for General Manager

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 27th October 1977

No. GMA/GS/8(Elec)—Sri M. C. Amarendra, Officiating Inspecting Officer (Electrical)/CLW is confirmed as Asstt. Electrical Engineer (Commissioning) in Class II service in the cadre of Electrical Engineering Department of this Administration with effect from 15-7-69 (FN)

No. GMA/GS/8(A/cs)—Sri G. P. Majumdar, Offg. Senior Accounts Officer (Works)/CLW is confirmed as Asstt. Accounts Officer in Class II service in the cadre of the Accounts Department of this Administration with effect from 8-7-76 (FN)

K. S. RAMASWAMY,
General Manager

EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 29th October 1977

No. E800/Gaz/816—Shri K. P. Sengupta, Offg. Class II Officer of the Civil Engineering Department has been posted as Officiating Estate Officer in Class II service with effect from 14-10-77 (A.N.) vice Shri K. P. Sinha transferred.

V. C. A. PADANABHAN,
General Manager

NORTHERN RAILWAY HEAD QUARTERS OFFICE

New Delhi, the 28th October 1977

No. 16—The Resignation tendered by Shri R. K. Bhardwaj an officer of the IRSME Deptt has been accepted w.e.f. 7-7-76.

G. H. KESWANI,
for General Manager

New Delhi, the 28th October 1977

No 18.—The following officers of Indian Railway Traffic service are confirmed in Senior Scale in that Department on Northern Railway from the dates shown against each.—

S. No.	Name	Date of confirmation	
		Provisional	Final
1.	Shri R. P. Singh	2-10-66	1-11-67
2.	Shri Y. B. L. Mathur	—	10-11-68
3.	Shri M. P. Gupta	—	17-3-70
4.	Shri Parveen Singh	—	10-6-70

G. H. Keswani
General Manager.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
The Standard Agencies (Madras) Private Limited*

Madras-600006, the 25th October 1977

No 2335/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s The Standard Agencies (Madras) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
Sri Renuka Films Private Limited*

Madras-600006, the 25th October 1977

No 2358/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved

K. PANCHAPAKESAN,
Asst Registrar of Companies,
Tamilnadu

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
The Krishnagiri Sree Kannikaparameswari Bank Limited
(In liquidation)*

Madras-600006, the 26th October 1977

No 1297/Liqn/247(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Sec. 247 of the Indian Companies Act, 1913 that the name of The Krishnagiri Sree Kannikaparameswari Bank Limited (In liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
The Third Class Railway Passengers' Association*

Madras-600006, the 28th October 1977

No 2950/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s The Third Class Passengers' Association has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
Parkglen Tea Factory Private Limited*

Madras-600006 the 28th October 1977

No 3564 560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Parkglen Tea Factory Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
Marandahalli Roadways Private Limited*

Madras-600006, the 28th October 1977

No 3873/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Marandahalli Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
P. Muthuswamy Pillai & Company Private Limited*

Madras-600006, the 28th October 1977

No 3877/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s P. Muthuswamy Pillai & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
Lalitha Saraswathi Transports Private Limited*

Madras-600006, the 28th October 1977

No 3997/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Lalitha Saraswathi Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
Sree Ranga Roadways Private Limited*

Madras-600006, the 28th October 1977

No 4037/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Sree Ranga Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
Zubeida Transports Private Limited*

Madras-600006, the 28th October 1977

No 4808/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Zubeida Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
Tanjore Commercial Company Private Limited*

Madras-600006, the 1st November 1977

No 3036/560(5)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Tanjore Commercial Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

C ACHUTHAN
Asst Registrar of Companies
Tamil Nadu

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Punjab Rajasthan Goods Centres (P) Ltd.
Jullundur, the 27th October 1977*

No Stat/560/2535/8299.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, that the name of Punjab Rajasthan Goods Centres (P) Ltd has thus day been struck off the Register and the said Company is dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kotkapura Chamber of Commerce (P) Ltd.
Jullundur, the 27th October 1977*

No Stat/560/2119/8300.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, that the name of Kotkapura Chamber of Commerce (P) Ltd has thus day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies
Punjab, H.P., & Chandigarh.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
Asian Transformers Export Private Limited
Ahmedabad-380009, the 27th October 1977*

No 2203/Liquidation.—By an order dated 22-11-1976 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 34 of 1976 it has been ordered to wind-up M/s. Asian Transformers Export Pvt Ltd

J. G. GATHA.
Registrar of Companies
Gujarat.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Everest Products (India) Private Ltd, Jaipur.
Jaipur, the 28th October 1977*

No. STAT/1099/8339.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Everest Products (India) Private Ltd., Jaipur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Amrapali Hotels Private Ltd
Bombay-2, the 29th October 1977*

No 14281/560(5) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Amrapali Hotels Pvt Ltd has thus day been struck off the Register and the said company is dissolved

V. M. RANE,
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
DELHI-II, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th October 1977

INCOME-TAX

No. F.N JUR-DLI/II/77-78/26918.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject, C.I.T., Delhi-II hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax Officer, Company Circle-XXIV in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C., Range-II-E

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T., Delhi-II also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-II-E to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of section 125A of the Income-tax Act, 1961

This notification shall take effect from 15-10-77

A. C. JAIN
Commissioner of Income-tax
Delhi II, New Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 14th October 1977

(INCOME-TAX DEPARTMENT)

No 108—Shri U. P. Singh, Inspector, Income-tax Office, Allahabad has been promoted to officiate as Income-tax Officer Group 'B' in pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, D-Ward Gorakhpur on 6-8-1977 in the forenoon.

No. 109—Shri Ram Lal, Inspector, Income-tax Office Moradabad has been promoted to officiate as Income-tax Officer Group 'B', in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Public Relations Officer, Lucknow on 23-8-1977 in the forenoon.

S. K. LALL
Commissioner of Income-tax,
Lucknow

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Allahabad, the 25th August 1977

Income-tax Act, 1961—Section 123(1) & (2) Jurisdiction of I.A.Cs of Income-tax in C.I.T., Allahabad Charge—

C No 284/Tech/IAC-Jurs./77-78—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) and (2) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 and in supersession of all previous orders on the subject, I, the Commissioner of Income-tax, Allahabad hereby direct that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax posted to the ranges, specified in column 2 of the Schedule annexed hereto, shall perform their functions in respect of all persons and classes of persons and of all incomes and classes of income in the area comprised in the Income-tax Circles specified in the corresponding entries in column 3 of the said Schedule

This order shall take effect from 1st September, 1977.

SCHEDULE

Sl No.	I.A.C's Range	Name of Circles or Sub-Charge included in the Range
1	2	3
1.	Allahabad	1. Allahabad 2. Estate Duty Circle Allahabad 3. T. R. O., Allahabad. 4. Sultanpur 5. Faizabad 6. Fatehpur 7. Banda
2.	Gorakhpur	1. Gorakhpur 2. T. R. O. Gorakhpur 3. Basti 4. Gonda 5. Bahraich 6. Azamgarh 7. Ballia 8. Deoria
3.	Varanasi	1. Circle-I, Varanasi 2. Circle-II, Varanasi 3. T.R.O. Varanasi 4. Mirzapur 5. Jaunpur 6. Ghazipur.

SHEIKH ABDULLAH
Commissioner of Income-tax
Allahabad.

FORM ITNS—

(1) Shri Harnam Singh S/o Sh Mula S.ngh R/O
Khambra, Jullundur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st October 1977

Ref No AP-1720.—Whereas, I B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Khambra, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Piara Lal S/O Sh Milkhi Ram.
2. Smt. Kishan Devi W/O Sh. Piara Lal R/O Green Park, No. 70-71, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per S. No 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No 269 of April 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Nakodar Bus Service (P) Ltd. H.O. Jullundur through Sh Atma Singh, Managing Director.
(Transferor)

(2) Shri Jain Parkash S/O Bhagat Ram Attar, Bazar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st October 1977

Ref. No AP-1721—Whereas, I S. B. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Plot No 79, Shaheed Udhampur Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Deed No 907 of May, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st October 1977

Ref No AP-1722 —Whereas, I B S Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Fish Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Sh. Des Raj S/O Shiv Nath 130-Sodal Road, Jullundur.
- 2. Sh. Om Parkash S/O Shiv Nath C/O above A/G Mulkh Raj S/O Shiv Nath 32-R, New Colony, Gurgaon (Haryana).
(Transferor)
- (2) Sh. Raghbir Chand S/O Sita Ram C/O New India Oil Company Shop No. 26 Behind Fish Market, Jullundur
(Transference)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registration Sale Deed No. 457 of 28-4-77 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st October 1977

Ref. No AP-1723.—Whereas, J B S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Rama Mandi, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurcharan Singh S/O Partap Singh Father in law of S. Indepal Singh S/O Sh. Ajit Singh and S. Joginder Singh Bhatia A/G of S. Jaswant Singh S/O Partap Singh R/O 4/5 Hadson Lane E-Block Kingsway Camp Delhi and A/G of Harbajan Singh S/O Partap Singh

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal S/O Nand Lal, Sh. Satpal S/O Krishan Lal R/O Vill. Dakoha C/O Krishan Lal Sat Pal Fluit Merchant, Rama Mandi, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S No 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registration Sale Deed No 6853 of March, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-10-1977

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(1) Shri Bodh Raj Kundan Lal S/o Kalu Ram Moh Talha Masjid Khera Phagwara Motia Devi W/o Ram Chand Phagwara.

(Transferor)

(2) Sh Raj Kumar S/O Sh Faqir Chand, EA-121, Ambka Electric Industries, Bazar Papian, Jullundur.

(3) As per S No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Jullundur, the 31st October 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Ref. No. AP-1724.—Whereas, I B. S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bazar Papian, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registration Sale Deed No. 212 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B S DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 1st November 1977

Ref No F 3805/76-77.—Whereas, I K Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 13, Rue Desbassyns DE Richemont situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc No. 221/77) on 21-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

12—336GI/77

(1) Smt. Neena Devi
(Daughter of late S. Bakshish Singh
of Sant Theatre, Jullundur City-144 001)
Now at Sri Aurobindo Ashram
Pondicherry-605 002

(Transferor)

(2) M/s New Horizon Sugar Mills P. Ltd
Sacur (Ariyur)
P O Kandamangalam
Pin 605 102

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 13, Rue DESBAS-SYNS DE RICHEMONT, Pondicherry.
(Doc No. 221/77-Pondicherry)

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date 1-11-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 1st November 1977

Ref. No F 4221/76-77.—Whereas, I, K. Ponnan being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F. No. 315, situated at East Chitraichavadi village (3 70 Acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Coimbatore (Doc. No. 129/77) on 17-2-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. K. Sathy Moorthy
S/o Shri G. Kasthuri Chettiar,
Kunnamuthur village.

(Transferor)

(2) Shri V. P. Maniannan
S/o Shri Krishnamoorthy
Veerakerala Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 70 Acres of land (with threes, well, godown, fencing bearing S.F. No. 315 situated at East Chitraichavadi village (Doc No 129/77—JSR II, Coimbatore)

K. PANNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 1-11-77

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) State Bank of India
(Executor and Trustee to the
Estate of Late Dr. S. Nagaswami)
First Line Beach
Madras-1

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

(2) Shri P. S. Srinivasan
S/o Shri P. G. Subramania Iyer,
No. 3A, Modavakkam Tank Road,
Madras-10

(Transferee)

Madras-6, the 1st November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. F 5462/76-77—Whereas, I K Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- No 25, Prithvi Avenue, situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Madras North (Doc No 506/77) on February 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land admeasuring 662 39 sq. meters (with building) situated at Plot No 8, Door No. 25, Prithvi Avenue, Madras 600 018.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 1-11-77

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri D. Mohan Nath
S/o Dr. D. A. D. Nath;
2. Dr. S. D. Nath, W/o Dr. D. A. D. Nath
Annamalai Nagar, South Arcot Dt.
(Now at Madras).

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

(2) Mrs. Najaani Ammenabai,
W/o Late M. F. Sheriff
69/42 Beeckaran St., Madras-86

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 1st November 1977

Ref No F 5463/76-77—Whereas, I K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding As per schedule Rs 25,000/- and bearing No 38, G. N. Chetty St., situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSR II, Madras North (Doc No. 504/77) on 21-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds & 924 Sq ft (with building) and bearing Door No 38, G N Chetty Street, T. Nagar, Madras-17 (Doc No 504/77)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date 1-11-77
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

(1) Mrs. Thelma Alvares Meneses,
Flat No 20, Dakshineswar, No 10, Halley road,
New Delhi
Represented by her duly constituted Attorney Mr.
Anthony Dacosta (Advocate),
No 31/1, Mahatma Gandhi Road, Bangalore.
(Transferor)

(2) Mr Julian Christopher D' Souza
S/O late Augustine D' Souza
No 4, Brunton road, Bangalore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-27, the 26th October 1977

C.R. No 62/9243/76-77/ACQ/B—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and Site No 47, Bhinnamangala Layout situated at (Mysore Sub area Officer's Housing Colony), H A L. II Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore, Doc. No 2575/76-77 on 29-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 2575/76-77, Dated 29-10-1977]
All the piece and parcel of land bearing site No. 47, Bhinnamangala layout (Mysore Sub area officer's Housing Colony), H A L. II stage, Bangalore.
Boundaries.—

E. Site No 46,
W. Site No 47,
N. Site No. 2 and
S. Road.

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 26-10-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th October 1977

C. R. No. 62/9253/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Eastern portion of premises bearing old No. 5, (New
No 3), Walton road, civil station, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Shivajinagar Bangalore Dist., No. 2526/76-77 on 24-3-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) Major Michael A. Fernandes
S/o Late T. D. M. Fernandes
No. 9, Walton road, civil station, Bangalore
(Transferor)

(2) Shri Abdul Mujeeb Ansari
S/o Late M. S. H. Ansari
No. 26, Hospital road, Bangalore-1
(Transferee)

(3) Mr. B. Pandey
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

[Registered Document No. 2526/76-77 dated 24-3-77]

All that piece and parcel of lands together with the buildings
thereon being the Eastern portion of premises bearing
old No. 5, (New No. 3), Walton road, civil station Bangalore

Boundaries.—

N. Premises No. 1 Walton road
S. No. 4, Walton road
E. Lavelia road and
W. Remaining portion of No. 3 (old No. 5), Walton road

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

Date : 28-10-77
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

(1) Major Michael, A. Fernandes
S/o 1 ate T D M Fernandes,
No 9, Walton road, civil station,
Bangalore

(Transferor)

(2) 1 Mr. Abdul Wahab Ansari
2 Mr. Mohammed Ismail Ansari
Both residing at No. 26,
Hospital road, Civil station,
Bangalore.} Children of
} Late M S H
} Ansari

(Transferee)

(3) Mr B Pandey.

[Person(s) in occupation of the property]

Bangalore-27, the 28th October 1977

C.R. No 62/9274/77-78/ACQ/B—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Western portion of premises bearing (old No 5) New No 3, Walton road, civil station, Bangalore situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivammagul Bangalore Doc. No 161/77-78 on 21-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 161/77-78 dated 21-4-77]

All that piece and parcel of land together with the buildings thereon being the western portion of premises (old No 5) New No. 3, Walton road, civil station, Bangalore

Boundaries:—

- N. : Premises No. 2, Walton road and portion of No 3, (old No 5), walton road.
- S. : New No. 4, walton road
- E. : Portion of (old No. 5), New No. 3, walton road and lavella road, and
- W. : walton road.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-10-77

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar-580004, the 18th October 1977

No. 193/77-78/Acq—Whereas, I D C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. Numbers 4/1, 4/3, 4/4, 5/1, 5/2, 6/1, & 23/2 situated at Chitradurga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chitradurga, Under Document No. 1890/76-77 on 10-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Smt. K. Soundamini, (2) Shri K. Tamodharan, (3) Shri K. Lakshminarayanan residing at Raja Street, Komarapalayam, Salem District, Tamil Nadu (Transferor)

(2) Shri Jayalakshmi Textiles, Chitradurga, presented by its Managing Directors
(1) Shri G. Hanumanta Reddy and
(2) Shri K. Veerabhadrapa

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring 1,03,435 Square Yards, situated within the municipal limits of Chitradurga and structures, Buildings as stated in the instrument of transfer.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 18-10-1977

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Daya Shanker Gupta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th October 1977

Ref. No 27-D/Acq—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 16/59 situated at New Sobatiya Bagh Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 25-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

A house No 16/59 measuring 428 Sqr. yards is situated at New Sobatiya Bagh, Allahabad

(Property as mentioned in the Registration Deed No 600 dated 25th March 1977 of the Registering Officer, Allahabad)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—336GI/77

Date . 28-10-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Lajwanti w/o Sh. Kanshi Ram Gupta,
89 Gujrawalan Town, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(2) Shri Ram Babu Bansal adopted son of Shri Ramjilal r/o C-10/2 Model Town, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-1 (110001)

New Delhi, the 4th November 1977

Ref No IAC/Acq II/1285/77-78—Whereas I, A. L. SUD being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. C-10/2 (Eastern Portion) situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern Portion of a 1½ storied house constructed on a plot of land measuring 136 sq. yds, bearing No. C-10/2 situated at Model Town, Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

Dated, 4th Nov. 1977

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Kanshi Ram Gupta son of Shri Tej Ram r/o B-89 Gujrawalan Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Babu Bansal adopted son of Shri Ramji Lal r/o C-10/2 Model Town, Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,

New Delhi, the 4th November 1977

Ref. No. IAC/Acq. II/1284/77-78.—Whereas I, A. L. SUD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1861) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that their immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-10/2 (Western Portion) situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9/3/1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western Portion of a 1½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 136 sq. yds. bearing No. C-10/2 situated at Model Town, Delhi

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 4th November 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tilak Raj s/o Sh. Haveli Ram Bhasin 1/o F-111
Kutti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-1(110001)

(2) Shri Jothi Lal & Sh. Banarsi Lal sons of Sham Lal
1/o House No 2913, Mohila Shah Ganj, G B Road,
Delhi-6

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

New Delhi, the 3rd November 1977

Ref. No. IAC 'Acq II/1286/77-78.—Whereas I, A. L. SUD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 32 situated at West Patel Nagar Nalla Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 5/3/1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 32 measuring 63 sq. yds situated in West Patel Nagar, Nalla Market, New Delhi & bounded as under:—
North—Road Veranda
South—Shop No. 31
East—Shop No 1
West—Veranda and Road

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th October 1977

No Acq 23-I-1278(605)/16-3/75-76.—Whereas, I S. C. Parikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Survey No 7827, Sheet No. 61 situated at Junagadh Road, Khodpara Ward No 1, Jetpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 30-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Adamji Hajdaud Educational and Medical Society, through trustee, Abdul Razak Kasam and others, Jetpur.

(Transferor)

(1) Shri Jetpur Kalvani Mandal Trust, through Managing trustees, Shri
(1) Narottamdas Devchand,
(2) Kanaji Hansraj Patel, Fulwadi, Jetpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two-storeyed college building standing on land admeasuring 17888 sq. yds bearing Survey No 7827, Sheet No. 61, situated at Junagadh Road, Khodpara Ward No 1, Jetpur.

S. C. PARJKI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 17-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Satlendra Nath Chatterjee, 1, Jhanendra Avenue, Uttaipara, Dist Hooghly.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Trilok Chand Jain, 1, Chandni Chowk Street, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(3) Sri Subodh Khan 34A, Metcalfe Street, Calcutta
(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, 28th October 1977

Ref. No. SI 436/TR-119, Cal-1/76-77—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34A, situated at Metcalfe Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta on 29-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The premises No. 34A, Metcalfe Street, Calcutta together with land belonging thereto (about 12 Chhitaks more or less) as per Deed No. I-1290 of 1977 registered on 29-3-77 with the Registrar of Assurances, Calcutta

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-10-77.

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, 28th October 1977

Ref No SI 437/TR-122/Cal-1/76-77.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 36, situated at Metcalfe Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta on 29-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Smt Bivabati Devi, Sri Rabindra Nath Chatterjee, Sri Sudra Nath Chatterjee, Sri Samudra Nath Chatterjee, and Sri Rathindra Nath Chatterjee, all of 10, Raja Peary Mohan Road, Uttarpara, Dist Hooghly

(Transferors)

(2) Trilok Chand Ashok Kumar, a Hindu Undivided Family represented by Karta Sri Tulok Chand Jain, 1, Chandni Chowk Street, Calcutta.

(Transferees)

(1) Jb Hasmat Ali

(2) S. D. Bros & Co.

(3) S D Enterprises all of 36, Metcalfe Street, Calcutta

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

The premises No 36, Metcalfe Street, Calcutta together with land belonging thereto (about 10 Chhitaks more or less) as per Deed No 1-1293 of 1977 registered on 29-3-77 with the Registrar of Assurances, Calcutta

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date 28-10-77.

Seal ,

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, 28th October 1977

Ref. No. SI 438/TR-123/Crl-1/76-77—Whereas, I, L. K.

BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 34B, situated at Metcalfe Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 5, Govt Place North, Calcutta on 29-3-77.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Saindra Nath Chatterjee, 1, Jnanendra Avenue, Uttarpara, Dist Hooghly

(Transferor)

(2) Sri Trilok Chand Jain, 1, Chandni Chowk Street, Calcutta

(Transferee)

(1) Sri Baldya Nath Thakur

(2) Sri Durga Sett

(3) Puranmall Gupta

(4) Sri Shiv Sankar Singh, all of 34B, Metcalfe Street, Calcutta

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The premises No 34B Metcalfe Street, Calcutta together with land belonging thereto (about 13 Chittacks more or less) as per Deed No. I-1292 of 1977 registered on 29-3-77 with the Registrar of Assurances, Calcutta

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 28-10-77.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, 28th October 1977

Ref. No SI. 439/TR-124/Cal-1/76-77.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34C, situated at Metcalfe Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta on 29-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—336GI/77

(1) Smt Bivabati Devi, Sri Rabindra Nath Chatterjee, Sri Satindra Nath Chatterjee, Sri Samarendra Nath Chatterjee, and Sri Rathindra Nath Chatterjee, all of 10, Raja Peary Mohan Road, Uttarpara, Dist. Hooghly.

(Transferor)

(2) Trilok Chand Ashok Kumar, a Hindu Undivided Family represented by Karta Sri Trilok Chand Jain, 1, Chandni Chowk Street, Calcutta.

(Transferee)

(1) Sk. Tobarak

(2) Md Ali

(3) Jb. Sobra

(4) Sk Kamshar Ali

(5) Jb. Abdul Razak Mondal

(6) Sri Kishori Chand Gupta

34C, Metcalfe Street, Calcutta

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The premises No 34C, Metcalfe Street, Calcutta, together with land belonging thereto (about 1 Cottah 4 Chhitacks more or less) as per Deed No. I-1289 of 1977 registered with Registrar of Assurances, Calcutta on 29-3-77

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 28-10-77.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 28th October 1977

Ref. No SI- 440/TR-125/Cal-1/76-77—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 34C, situated at Metcalfe Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta on 29-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt Bivabati Devi, Sri Rabindra Nath Chatterjee, Sri Satindra Nath Chatterjee, Sri Samarendra Nath Chatterjee, and Sri Rathindra Nath Chatterjee, all of 10, Raja Peary Mohan Road, Uttarpara, Dist Hooghly

(Transferor)

(2) Trilok Chand Ashok Kumar, an Hindu Undivided Family represented by Karta Sri Trilok Chand Jain, 1, Chandni Chowk Street, Calcutta

(Transferees)

(3) Mr Henry S Clark, 34D, Metcalfe Street, Calcutta.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

The premises No 34D, Metcalfe Street, Calcutta together with land belonging thereto (about 1 Gajah 10 Chittruk more or less) as per Deed No I-1291 of 1977 registered on 29-3-77 with Registrar of Assurances, Calcutta

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 28-10-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Bela Rani Basu, 5, Barisha Gardens, Calcutta-61.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Sri Anand Kumar, Sri Dinesh Kumar and Sri Vinod Kumar, all of No 159, G-Block, New Alipore, Cal.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, 31st October 1977

Ref No. Ac-17/R-II/Cal/77-78—Whereas, I, R. V. LALMAWIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No 23A/143/1, situated at Diamond Harbour Rd Cal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar of Assurances, Calcutta on 18-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 5-cottahs, 3-chittaks & 19-sq ft, being premises No 23A/143/1, Diamond Harbour Rd., Calcutta

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th October 1977

Ref. No. Acq. F. No 473.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 3-1-65 situated at Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 15-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

PARTNERS OF M/S RAMA PICTURE PALACE AMALAPURAM

- (1) 1. Sri Jana Veerabhadra Raju, S/o Satyanandam, Bandarulanka.
2. Sri Jana Achiraju, S/o Satyanandam, Bandarulanka.
3. Sri Nidamarti Surayya, S/o. Jaladurga Prasadayudu, Rajahmundry.
4. Sri Mamidanna Venkata Balakrishnamurty, S/o. Narayananurty, Rajahmundry.
5. Sri Konduri Someswara Sarma, S/o Atchutaramayya, Rjy.
6. Sri Ponangi Siva Kameswara Rao, S/o Somasundararao, Kovvur, W.G.Dt.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Dwarampudi Krishna Reddy, Kakinada
2. Sri Dwarampudi Bhaskara Reddi.
3. Sri Dwarampudi Mohana Ramachandra Reddi minor by guardian mother Smt. D. Rukmini Devi.
4. D. Santa Kumari minor by guardian father Krishna Reddi.
5. Sri Satyanarayana Reddi
6. Sri Nallamilli Veera Raghava Reddi.
7. Sri Nallamilli Venkata Reddi alias Pedda Kapu
8. Sri Karri Venkata Suryanarayana Reddi.
9. Sri Kovvuri Potu Raju

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 643/77 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 25-10-1977

Seal

FORM ITNS—

(1) 1. Sri Mocherla Kutumbarao, Retd. Brigadier,
 2. Sri Mocherla Vijayarao,
 3. Sri Mocherla Gopalrao,
 4. Sri Mocherla Krishnakumarrao,

GPA holder
 father Sri
 M. Kutumbarao,

5. Sri Mocherla Sriramamurty, Military Officer
 (Manager of the HUF) consists of his minor
 sons Mr. Satish and Mr. Ramesh, GPA holder
 Sri M. Kutumbarao, A-3, Sainikpuri, Secundera-
 bad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Mandava Rajagopala Rao,
 Landlord, Door No. 4-1-40,
 Ramannapeta, Koritipadu, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Kakinada, the 25th October 1977

Acq. F. No. 474.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-40 situated at Guntur and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 1-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1209/77 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the Fortnight ended on 15-4-1977.

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 25-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 25th October 1977

Ref. No. Acq. F No 472—Whereas, I, N K NAGARA JAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 781/A-1 situated at Suryaraopetta, Vijayawada situated at Chitradurga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 9-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . . .

(1) Shri Teplam Kast Viswanadha Rao,
16-2-2, Laxmanrao Street, Purnanandapeta,
Vijayawada

(Transferor)

(2) Shrimati Uppalapati Krishna Kumari,
W/o Bapayya, Seetharampuram,
Vijayawada

(Transfreee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 34377 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-3-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 25-10-1977

Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Gudur Bujamma,
W/o Audissha Reddy,
R/o Ramamurthy nagar, Nellore.

(Transferor)

(2) 1 Shri Gummidala Venkataramanayya,
S/o Chengiah Setty,
Timber merchant, Ranganayakulapet,
Nellore

2. Smt. Gummidala Padmavathamma,
W/o G Venkataramanayya,
R/o Ranganayakulapeta,
Nellore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd November 1977

Ref No RAC No 126/77-78—Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 16/448-42-6 situated at Ramamurthy nagar, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 15-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Door No 16/448/42-6 at Ramamurthy nagar, Nellore, registered vide Document 463/77 in the Office of the Sub-Registrar Nellore

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd November 1977

S/Shri

(1) 1 Nalla Ramaswamy,
S/o Gattiah,
2. Immadi Rajah,
S/o Danah,
3. Nalla Komariah,
S/o Kanakiah,
4. Enumula Basaviah,
S/o Komariah,
5. Enumula Mankiyam,
S/o Komariah,
6 Nalla Yecragattu,
S/o Veeriah,
7. Mandalapu Ramiah,
S/o Veeriah,

All residing at Waddepalle Sivar,

(Transferor)

Warangal, Tq. and Dist.

(2) The Central Excise Official Cooperative Housing Society Ltd, Hanamkonda, Tq. Warangal Dist.

(Transferee)

Ref No. RAC. No 127/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 55, situated at Waddepally, Warangal District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 31-3-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 55 situated at Waddepally Sivar, Warangal—registered vide Doc. No 604/77 in the office of the Joint Sub-Registrar Warangal.

Boundaries :

North : Land of Nalla Ramaswamy,
South : Survey No. 51 and 52,
East : Survey No. 54, and 98,
West : Land of Kashboina Rajayya

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. Shankaranarayana,
C/o Vasu Brothers, Proddatur.

(Transferor)

(2) Shri Badveh Girivi Reddy,
S/o Pedda Pulla Reddy,
R/o Gandhi Road, Proddatur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1977

Ref No 128/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason property and I have reason to believe that the fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Part of 9/477 situated at Mydukur Road, Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 10-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of the Property bearing Door No. 9/477, at Mydukur Road, Proddatur, Registered vide Document No 428/77 in the office of the Sub-Registrar, Proddatur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
15—336G1 /77

Date . 5-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Sri T Balakrishna Rao,
2 Sri T Vasudev Rao,
R/o Proddatur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Badveet Devendra Reddy,
S/o Pedda Pulla Reddy,
R/o Gandhi Road, Proddatur

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No RAC. No. 129/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of 9/477, situated at Mydukur Road, Proddatur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Proddatur on 10-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Part of the property in H No 9/477 at Mydukur Road, Proddatur, registered vide Document No. 429/77 in the office of the Sub-Registrar Proddatur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri T Padmanabha Rao,
2. T. Narasimha Rao,
C/o Vasu Brothers, Proddatur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No RAC No 130/77-78 —Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Part of 9/477 situated at Mydukui Road, Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Proddatur on 10-3-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of the property in H No 9/477 at Mydukui Road, Proddatur, registered vide Document No 427/77 in the office of the Sub-Registrar Proddatur

K S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 5-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Sri T Viswanatha Rao,
2. T Ananda Rao,
Both C/o Vasu Brothers, Proddatur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Badveli Subba Reddy,
S/o Subba Reddy,
R/o Gandhi Road, Proddatur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1977

Ref No. RAC No 131/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of H No 9/477 Mydukur Road, Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 10-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of the property in H No. 9/477 situated at Mydukur Road, Proddatur, Registered vide Document No 439/77 in the office of the Sub-Registrar Proddatur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 5-11-1977

Seal:

FORM ITNS

(1) 1 Sri T Lakshmana Rao,
2 T. Gopalakrishna Rao,
Both residing C/o Vasu Brothers, Proddatur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Badveli Prabhakara Reddy,
S/o Girivi Reddy,
R/o Gandhi Road, Proddatur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1977

Ref No RAC 132/77-78—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Portion 9/477 situated at Mydukur Road, Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 10-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of the Property in H. No 9/477 situated at Mydukur Road, Proddatur, registered vide Document No. 430/77 in the office of the Sub-Registrar Proddatur

K. S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1 Shri T. Venkatachallam,
2 T. Narayana,
Both C/o Vasu Brothers, Proddatur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Badveli Gopal Reddy,
S/o Vunivi Reddy,
R/o Gandhi Road, Proddatur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 5th November 1977

Ref. No. RAC. No 133/77-78—Whereas, I, K S
VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Portion of 9/477 situated at Mydukur Road, Proddatur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Proddatur on 10-3-1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of the property in H No. 9/477 situated at Mydukur Road Proddatur, registered vide Document No. 431/77 in
the office of the Sub-Registrar Proddatur

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 4th November 1977

Ref No. DP53/77-78.—Whereas, I P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Malout (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on January, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Ship Kaur Singh, Joginder Singh s/o Karam Singh, Wadhwa Singh, Smt Jaswir Kaur d/o Sh. Mukand Singh of Malout
(Transferor)
- (2) S/Sh Surinder Kumar, Kaushilya Devi w/o Sh. Panna Lal s/o Sh. Rura Ram of Malout
(Transferee)
- (3) As per S No 2
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop at Malout as mentioned in registration deed No. 1501 of January, 1977.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 4-11-1977,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 8th November 1977

Ref No. SNP/8/76-77.—Whereas, I, R. K. Pathania, Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land measuring 2 Kanals 16 Marlas situated at vill. Kharkhoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Sonepat in February, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Sh. Mangat S/o Sh. Ram Narayan
Vill. & P.O. Kharkhoda,
Teh. & Distt. Sonepat.

(Transferor)

(2) (i) Sh. Jai Bhagwan Uraf Jai Bhan
S/o Sh. Jagram Asoda.
(ii) Sh. Daya Nand S/o Sh. Bhagwan Singh
R/o Karor, Teh. & Distt. Rohtak
(iii) Smt. Leelawati d/o Ochandi.
(iv) Smt. Nirmala d/o Sh. Hari Singh R/o Ladpur.

(Transfreee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals 16 Marlas situated at vill. Kharkhoda, Teh. Sonepat.

"Property as mentioned in sale deed registered at No. 10997 in the office of Registering authority at Sonepat".

R. K. PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Joginder Pal Bajaj S/o
Sh. Harbhagwan Dass Bajaj,
A-294, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Usha Stud & Agricultural Farm (Pvt.) Ltd.,
B 7/6 Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 8th November 1977

Ref. No. GRG(DLI)/1/77-78.—Whereas I, R. K. Pathania, Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 25000/- and bearing No. No Agricultural land measuring 15 Kanals and 12 Marlas alongwith Building situated at Daulat Pur, Tehsil Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon in April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 Kanals 12 marlas comprised of Sector No. 9th No. 5/1, 5/2 & 6/1 alongwith residential house, one motor garrage, one servant quarter and a room for electric motor for the tubewell situated at village Daulat Pur Nasirabad, Tehsil Gurgaon.

'Property as mentioned in the sale deed No. 201 dated 28-4-1977 registered in the office of the Registering authority at Gurgaon'.

R. K. PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-11-1977

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 31st October 1977

Ref. No. Raj./IAC(Acq)/374 —Whereas, I Chunni Lal being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No. 14/2 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 4-2-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Ram Gopal Garg, C/o Jaipur Stationers, Tripolia Bazar, Jaipur
(Transferor)

(2) M/s Kotawala Exports P. Ltd., Kotawala Market, Tripolia Bazar, Jaipur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 14/2 Dusad-ka-Bagh Scheme, Ramsingh Road, Jaipur more fully described in the conveyance deed registered by Sub-registrar Jaipur at S No. 90 dated 4-2-77

CHUNNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 31st October, 1977.
Seal,

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1978

New Delhi, the 19th November, 1977

F. 11/6/77-E I, (B)—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad on 28th March, 1978 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Deptt of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 19th November, 1977.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11)

2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below—

- (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers' Sub-Cadre);
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade):—^{4**}
- (iii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the select list of the Grade), *
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C, *
- (v) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service

The number of vacancies reserved for the
*Vacancies not intimated by Government

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

NOTE—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Tests in English (cf para 4 of Appendix I to the Rules).

4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of

merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before the last date prescribed by the Commission for receipt of applications in their office.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, at New Delhi General Post Office, Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE 1—REQUESTS FOR SUPPLY OF APPLICATION FORM AND FULL PARTICULARS OF THE EXAMINATION BY POST MUST REACH THE OFFICE OF THE COMMISSION BEFORE 26-12-1977. HOWEVER, THE FORMS MAY BE HAD PERSONALLY FROM THE COUNTER IN THE OFFICE OF THE COMMISSION UP TO 2-1-1978

NOTE 2—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1978. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1978 WILL NOT BE ENTERAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 2nd January, 1978 16th January, 1978 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 2nd January, 1978 accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 2nd January, 1978

7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-Public Service Commission-Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 8 BELOW.

8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of India origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide

repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Forces of the Union) including the Armed Forces of former Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force, Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 2nd January 1978, and—

(i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or

(ii) has to serve for not more than six months as on 2nd January, 1978 for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

9. A refund of Rs. 3.00 (Re 1.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 below, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

10. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1977 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results of an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1977 Examination, his candidature for the 1978 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 9 above provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office on or before 28th February, 1978.

11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES

R. S. GOELA,
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERAINED.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to answer paper (II) Essay and paper (III) General Knowledge, and take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 4 of Appendix I to the Rules may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

NOTE—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 12 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPERS ON ESSAY AND GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS *VIDE* PARAGRAPH 4 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPERS WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form and certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application:—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee as attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below)
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age
- (iii) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm x 7 cm. approx.) photograph of the candidate
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below)
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).

NOTE—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED

OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORT HAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JUNE, 1978. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6.

(1) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee*—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :

"Pay to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office"

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee*—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL LEAVING CERTIFICATE NEED SUBMIT AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF ONLY THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3(iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

NOTE 4.—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualification.

(iii) *Certificate of Educational Qualifications*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE 1.—A candidate who has appealed at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appeal at such a qualifying examination will *NOT* be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

NOTE 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned.

The form of certificate to be produced by the candidate, [cf. Note 3 under para 3(ii) and Note 3 above]

This is to certify that

(1) Shri/Shrimati/Kumari _____ son/daughter* of Shri _____ has passed _____ class of this school which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate Examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic"

(2) His/Her* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is _____. This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her* admission to the school".

(Signature of Headmaster/Principal*)

(Name of the School)

Date _____

Place _____

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photograph*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected

4 A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment of posts under the Government of India

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari^{1*} son/daughter^{2*} of _____ of village/town^{3*} of the State/Union Territory^{4*} belongs to the _____ Caste/Tribe^{5*} which is recognised as a Scheduled Castes/Scheduled Tribe^{6*} under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950^{7*} the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950^{8*} the Constitution (Scheduled Castes)(Union Territories) Order, 1951^{9*} the Constitution (Scheduled Tribes)(Union Territories) Order, 1951^{10*}

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956^{11*}

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976^{12*}

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Caste Order 1962^{13*}

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order 1962^{14*}

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964^{15*}

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967^{16*}

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968^{17*}

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968^{18*}

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970^{19*}

2. Shri/Shrimati/Kumari^{1*} and/or^{2*} his/her^{3*} family ordinarily reside(s) in village/town^{4*} of District/Division^{5*} of the State/Union Territory^{6*} of

Signature _____

[Designation] _____

(with seal of office)

State/Union Territory^{7*}

Place _____

Date _____

*Please delete the words which are not applicable

NOT.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

[Officers competent to issue Caste/Tribe certificates

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/*Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.

**(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5 (i) Displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(C) (ii) or 6(C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971. —

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States,

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts,

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(C)(iv) or 6(C)(v) and/or remission of the under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(C)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C)(vii) or 6(C)(viii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show

that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C)(ix) or 6(C)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date.

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(C)(xi) or 6(C)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the, Directorate-General Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operation during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability

Signature

Designation

Date

(vii) An ex-serviceman claiming remission of fees under para 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

(viii) A repatriate of India origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(C)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.

6 A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iv) above, seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7 A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8 Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9 The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11 Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlet containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counters of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13 Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

14 *Communications regarding Applications*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOPLUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N B—Communications not containing the above particulars may not be attended to.

15 *Change in Address*.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

